Daily THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Tuesday, 06 August 2024 ● Year : 02 ● Issue : 199 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

मैंने एक दिन एक किताब पढ़ी और मेरा पूरा जीवन बदल गया।

–ओरहान पामुक

Taapsee Pannu Drops Another...

SHARE

सेंसेक्स	:	78,759.40
निफ्टी	:	24,055.60

SARAFA

सोना	:	6,640
चांदी	:	91.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

कैबिनेट की बैठक कल होंगे कई महत्वपूर्ण फैसले

RANCHI : झारखंड मंत्रिपरिषद की बैठक 7 अगस्त को बुलाई गई है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में शाम 4:00 बजे से प्रोजेक्ट में कैबिनेट की बैठक होगी। कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किये जायेंगे।

डाल्टनगंज रेलवे स्टेशन का नाम बदलने पर सहमति

RANCHI : झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने सोमवार को डाल्टनगंज रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर मेदिनीनगर रेलवे स्टेशन किए जाने के प्रस्ताव पर अपनी सहमति दे दी है। अब इसे केंद्रीय गृह मंत्रालय को आगे की कार्रवाई के लिए भेजा जाएगा। सीएम की सहमति मिलने से पलामू के लोगों में खुशी की लहर है। झारखंड के पलामू जिले में डाल्टनगंज रेलवे स्टेशन है। लंबे समय से इस रेलवे स्टेशन का नाम बदलने की मांग की जा रही है। शहर का नाम डाल्टनगंज से बदलकर मेदिनीनगर पहले ही कर दिया गया है, लेकिन रेलवे स्टेशन का नाम नहीं बदला गया था। पलामू के लोगों की ये पुरानी मांग थी।

वायनाड लैंडस्लाइड में मृतकों की तादाद हुई 387

WAYNAD : केरल के वायनाड में 29 जुलाई की देर रात बारिश के बाद हुए लैंडस्लाइड में मरने वालों की संख्या 387 हो चुकी है। इनमें से 172 की पहचान हुई है। 180 लोग अब भी लापता हैं। सर्च ऑपरेशन का सोमवार को 7वां दिन था। एजेंसी के मुताबिक, वायनाड के चूरलमाला के एक प्राइवेट हॉस्पिटल की स्टाफ नीतू जोजो इस हादसे की पहली इनफॉर्मर थीं। उन्होंने इमरजेंसी सर्विस को सबसे पर अलर्ट कर मदद की गुहार लगाई थी। नीतू ने डॉ. शानावास पल्लियाल को भी फोन किया था, जो उसी हॉस्पिटल में डिप्टी जनरल मैनेजर हैं, जहां नीतू काम करती थीं। डॉ. पल्लियाल ने बताया कि 29 जुलाई को पहली लैंडस्लाइड के बाद नीतू का कॉल आया। उन्होंने घबराते हुए कहा- हमारे घरों में पानी भर गया है। मलबा आ रहा है।

शेयर बाजार धड़ाम, सेंसेक्स 2,200 अंक से अधिक टूटा

NEW DELHI : सोमवार को स्थानीय शेयर बाजारों में जोरदार गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स 2,200 अंक से अधिक का गोता लगा गया, जबकि एनएसई निफ्टी में 662 अंक की गिरावट आई। अमेरिकी अर्थव्यवस्था में नरमी की आशंका के बीच वैश्विक शेयर बाजारों में कमजोर रुख का असर घरेलू बाजार पर पड़ा। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 2,222.55 अंक यानी 2.74 प्रतिशत लुढ़क कर एक महीने के निचले स्तर 78,759.40 अंक पर बंद हुआ। बाजार में चार जून, 2024 के बाद एक दिन में यह सबसे बड़ी गिरावट है। उस दिन यह 2,686.09 अंक टूटकर 78,295.86 अंक पर बंद हुआ था। 662.10 अंक यानी 2.68 प्रतिशत का गोता लगाकर 24,055.60 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 824 अंक लुढ़क कर 23,893.70 अंक तक आ गया था।

3 लाख श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

सावन की तीसरी सोमवारी बाबा धाम में उमड़े शिवभक्त

PHOTON NEWS DEOGHAR : सावन की तीसरी सोमवारी पर देवघर जिले के बाबा बैद्यनाथ धाम मंदिर में श्रद्धालुओं की उमड़ती भीड़ देखने को मिली। सोमवार को सुबह से ही मंदिर में बने ज्योतिर्लिंग पर जलाभिषेक करने के लिए श्रद्धालुओं की लंबी लाइन देखने को मिली। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए यह अनुमान लगाया जा रहा है कि तीसरी सोमवारी के मौके पर करीब तीन लाख से ज्यादा लोगों ने जलाभिषेक किया। तीसरी सोमवारी को कई अनोखे बम भी देखने को मिले। ऐसे ही एक अनोखे बम कोलकाता से आए, जो अब तक के सबसे बड़े कांवर लेकर बाबा धाम पहुंचे हैं। 15 फिट के इस कांवर में 100 घंटियां, कलश और नागफन लगे हुए हैं। इसे कलकत्ता के दस कांवरियों ने मिलकर देवघर मंदिर लाया और तीसरी सोमवारी को

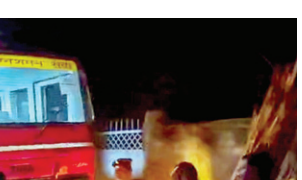

जलाभिषेक किया। बता दें कि सावन की तीसरी सोमवारी बेहद खास है और आज ज्यादा से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचकर भगवान भोलेनाथ पर जलाभिषेक कर रहे हैं ताकि भक्तों पर उनका आशीर्वाद बना रहे। वहीं, श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते जिला प्रशासन भी चौकस निगरानी में हैं। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए देवघर के डीसी विशाल सागर और मधुपुर एसडीएम ने पूरे मंदिर क्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण करने के बाद जिले के उपायुक्त विशाल सागर ने कहा कि कई जगहों पर लाइन की गति धीमी है।

प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री आवास पर कर लिया है कब्जा

हिंसा के बाद बांग्लादेश की पीएम हसीना ने किया रिजाइन, छोड़ा देश

AGENCY NEW DELHI : बांग्लादेश में 2 महीने से चल रहे आरक्षण विरोधी छात्र आंदोलन के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना ने सोमवार को अपने पद से रिजाइन कर दिया। हिंसक माहौल के चलते शेख हसीना को देश छोड़कर भागना पड़ा। वे सेना के हेलीकॉप्टर से लगभग 2:30 बजे रवाना हुईं। खबरों के मुताबिक उनकी बहन रेहाना भी साथ हैं। वे बंगाल के रास्ते दिल्ली पहुंच रही हैं। यह भी कहा जा रहा है कि शेख हसीना दिल्ली से लंदन रवाना हो सकती हैं। उसके बाद वे फिनलैंड या दूसरे देश जा सकती हैं। हालांकि अभी तक कुछ भी कन्फर्म नहीं है। बांग्लादेश के सेना प्रमुख ने कहा, हम अंतरिम सरकार बनाएंगे, देश को अब हम संभालेंगे। आंदोलन में जिन लोगों की हत्या की गई है, उन्हें इंसाफ दिलाया जाएगा। इससे पहले पड़ोसी देश श्रीलंका में आर्थिक संकट के बाद राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे की सरकार के खिलाफ हिंसक आंदोलन हुआ था।

- सेना के हेलीकॉप्टर से हुई रवाना, उनकी बहन रेहाना भी हैं साथ
- आर्मी ने कहा- आंदोलन में हुई जिनकी हत्या, उन्हें मिलेगा इंसाफ

पुलिस पीछे हटी, सेना ने संभाला मोर्चा

प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफा देने और उनके ढाका छोड़ने की खबर के बीच वहां की पुलिस पीछे हट गई और सेना ने मोर्चा संभाल लिया है। प्रदर्शन को लेकर शेख हसीना और सेना के बीच टकराव की स्थिति बन गई थी। सभी जनरलों ने सेना उतारने का विरोध किया था। पूर्व सेना अफसर भी सरकार के विरोध में उतरे। सेना ने सरकार से तुरंत पीछे हटने को कहा था। सेना ने प्रदर्शनकारियों पर सख्ती से इनकार किया था। प्रदर्शनकारी विवादास्पद आरक्षण प्रणाली को समाप्त करने की मांग कर रहे हैं जिसके तहत 1971 में बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में हिस्सा लेने वाले लड़ाकों के रिश्तेदारों को सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान है। सरकार ने छात्रों के विरोध प्रदर्शनों के बाद 2018 में इस पर रोक लगा दी थी, लेकिन जून में बांग्लादेश के हाई कोर्ट ने आरक्षण बहाल कर दिया था।

ढाका में चार लाख लोग सड़कों पर

बताया जाता है कि सोमवार को प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री आवास में दाखिल हुए। तोड़फोड़ और आगजनी की। राजधानी ढाका में 4 लाख लोग सड़कों पर हैं, जगह-जगह तोड़फोड़ की जा रही है। पुलिस-प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प में सोमवार को 6 लोग मारे गए। प्रदर्शनकारियों ने 2 हाईवे पर कब्जा किया। अब तक 300 लोगों की जान गई है। इनमें ज्यादातर छात्र हैं। बीएसएफ ने भारत-बांग्लादेश पर अलर्ट बढ़ा दिया है आर्मी ने देश की प्रमुख पार्टियों के नेताओं के साथ बैठक की है। 18 सदस्यीय अंतरिम

भारतीय सीमा पर हाई अलर्ट

बांग्लादेश के हालात को देखते हुए सीमा सुरक्षा बल ने 4,096 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश सीमा पर अपनी सभी यूनिट के लिए सोमवार को हाई अलर्ट जारी किया है। न्यूज एजेंसी पीटीआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक बीएसएफ ने अपने सभी फील्ड कमांडर को निर्देश दिया है कि वे सभी कर्मियों को सीमा पर ड्यूटी पर तुरंत तैनात करें।

तीसरी सोमवारी पर हाई टेंशन तार की चपेट में आए 9 श्रद्धालु, चली गई जान

हादसे के बाद घटनास्थल पर मौजूद फायर ब्रिगेड व स्थानीय लोग।

AGENCY HAJIPUR : सावन की तीसरी सोमवारी पर बिहार के हाजीपुर में बाबा हरिहर नाथ को जलाभिषेक करने सोनपुर जा रहे 9 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। श्रद्धालुओं की डीजे ट्रॉली हाईटेंशन तार की चपेट में आ गई। हादसा हाजीपुर इंडस्ट्रियल थाने के सुल्तानपुर गांव में रात करीब 12 बजे हुआ है। चंद सेकेंड में हादसा हो गया। 15 सेकेंड तक शव ट्रॉली से चिपके रहे। करंट लगने के बाद लोगों के शव जलते रहे। बताया जा रहा है कि डीजे ट्रॉली पर 12-15 लोग सवार थे। 9 की मौत हुई, 2 घायल हुए हैं, बाकी लोग बच गए। हम जानते हैं कि सावन के महीने में गांव के लोग हर सोमवार को पास के हरिहर नाथ मंदिर में जलाभिषेक करने जाते हैं।

- बिहार के हाजीपुर में दर्दनाक हादसा मची चीख-पुकार
- 15 सेकेंड तक शव ट्रॉली से चिपके रहे करंट से जलने लगे
- डीजे ट्रॉली पर सवार थे 15 लोग

रविवार की रात भी गांव के लोग जलाभिषेक के लिए निकले थे। इसके लिए डीजे ट्रॉली का भी इंतजाम किया था, लेकिन गांव की खराब सड़क से डीजे ट्रॉली को निकालने के दौरान ही ट्रॉली सड़क के ऊपर से गुजर रहे हाईटेंशन तार की चपेट में आ गई।

30 मीटर के डिस्टेंस से बच गई 150 जानें

स्थानीय लोगों के अनुसार, ट्रॉली पर करीब 15 लोग थे, जबकि 150 लोगों का जत्था ट्राली के पीछे-पीछे चल रहा था। ट्रॉली और जत्थे के बीच 30-35 मीटर की दूरी रही होगी। जैसे ही ट्रॉली तार से टकराई, ब्लास्ट होने लगा। ये देखकर पीछे वाले लोग डर से और पीछे हो गए। अगर सभी ट्रॉली के साथ या आसपास होते तो मरने वालों और घायलों की संख्या बहुत बड़ी हो सकती थी। मृतक आमोद कुमार के पिता देवी लाल ने बताया कि ट्रॉली जा रही थी। उसमें तार सटने से करंट लगा। लाइट आधे घंटे के बाद कटी है। सभी बाबा हरिहरनाथ जा रहे थे। पीछे बहुत लोग थे। आगे कम ही लोग थे, जो भी उसकी चपेट में आएं उनकी मौत हो गई। ज्यादा लोग होते आगे तो और भी बड़ा हादसा हो सकता था। स्थानीय धर्मेंद्र कुमार पासवान ने बताया कि इस एरिया के बिजलीकर्मियों को फोन करने पर भी फोन नहीं उठाया है। बात हुई तो वो बोला कि पुलिसवालों को बताइए यहां 9 लोग मर गए हैं। घायल शिवम कुमार ने कहा कि करंट लगते ही लोग गिर गए। तार ब्लास्ट होने लगा। हम लोग सुल्तानपुर से जल भरने पहलेजा जा रहे थे। इसके बाद हरिहरनाथ मंदिर निकलते। आदमी तो बहुत थे, बहुत घायल भी हुए हैं।

मंईयां सम्मान योजना में आ रही तकनीकी समस्याओं को शीघ्र करें दूर

सीएम हेमंत ने 5 दिन कैंप बढ़ाने का दिया निर्देश

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की शुरूआत पर एक्स हैंडल पर पोस्ट कर झारखंड की बहनों को बहुत-बहुत बधाई दी है। उन्होंने कहा कि योजना का लाभ लेने में बहनों को आ रही शुरूआती परेशानी के बारे में उन्हें जानकारी मिली है। योजना को लेकर आ रही तकनीकी समस्याओं के त्वरित निवारण के लिए उन्होंने निर्देश दिया है। इस मामले को लेकर वरीय पदाधिकारियों की भी बैठक हुई है। योजना को लेकर दिख रहे उत्साह को लेकर उन्होंने पूरे राज्य में प्रज्ञा केंद्रों की संख्या बढ़ाने का भी निर्देश दिया है। सीएम ने कहा कि सभी बहनों को यह बताना चाहता हूं कि यह हमेशा चलने वाली योजना है। योजना का लाभ लेने के लिए कोई समय सीमा नहीं है। विशेष कैंप के आयोजन के बाद भी जरूरतमंद बहनें कभी भी अपने नजदीकी प्रज्ञा केंद्र में जाकर इस योजना का लाभ ले सकेंगी। योजना से लोगों को आसानी से लाभ मिले। इसलिए 10 अगस्त तक विशेष कैंप का आयोजन किया जा रहा है, जिसे और 5 दिन बढ़ाने का निर्देश दिया है।

बिचौलियों की सूचना मिलते ही प्रशासन करे कार्रवाई : मुख्यमंत्री

हेमंत ने कहा कि उन्हें यह भी जानकारी मिली है कि योजना में बहनों को मिल रहे लाभ को देखते हुए कहीं-कहीं कुछ बिचौलिए भी सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने कहा कि वह सभी को बताना चाहते हैं कि इस योजना की पूरी प्रक्रिया निःशुल्क है, इसलिए बिचौलियों से सावधान रहें। सभी जिला प्रशासन को निर्देश दिया गया है कि कहीं भी बिचौलियों की सूचना मिले, तो उनपर कड़ी कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि यह बहनों की योजना है। राज्य की लाखों बहनों को हर साल 12 हजार रुपए मिलेगा। यही झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का लक्ष्य है, यही उनका भी लक्ष्य है। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत झारखंड की 21 से 50 वर्ष की सभी महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपया देने का प्रावधान है।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी व अखनूर में घुसपैठ की कोशिश नाकाम

SRINAGAR : जम्मू-कश्मीर के अखनूर और सुंदरबनी सेक्टर्स में 4-5 अगस्त को रात लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) के पास घुसपैठ की कोशिश सेना ने नाकाम कर दी। संदिग्धों के बॉर्डर क्रॉस करने के दौरान सेना ने फायरिंग की, हालांकि दूसरी तरफ से गोलीबारी नहीं हुई। सेना के अधिकारियों ने बताया कि अखनूर के बट्टल सेक्टर में 3 से 4 घुसपैठियों की संदिग्ध गतिविधि के बाद सेना ने डेढ़ बजे गोलीबारी की। इलाके में अतिरिक्त बल तैनात किया गया। इलाके की ड्रोन से निगरानी की जा रही है। इससे पहले राजौरी जिले के सुंदरबनी-नौशेरा सेक्टर में रात 12.30 बजे संदिग्ध गतिविधि देखी गई। पुलवामा के अवंतीपोरा के पंजगाम इलाके में सुरक्षाबलों ने 2 आतंकियों को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से एक पिस्तौल, 2 मैगजीन और गोला-बारूद बरामद किया गया। जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 और 35 ए हटने के पांच साल आज पूरे हो गए हैं। इसके चलते सुरक्षा-व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। आने-जाने वाले हर व्यक्ति और गाड़ी पर निगरानी रखी जा रही है। वहीं सुरक्षा कारणों की वजह से अमरनाथ यात्रा को एक दिन के लिए स्थगित कर दिया गया है। 5 अगस्त 2019 को आर्टिकल 370 हटने के बाद राज्य का स्पेशल स्टेटस खत्म हो गया था। साथ ही राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू कश्मीर और लद्दाख में बांट दिया गया था। वहीं बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए हर साल होने वाली पवित्र अमरनाथ यात्रा 29 जून को शुरू हुई जो 19 अगस्त तक चलेगी।

वायु सेना ने दिया प्रोडक्शन क्लीयरेंस, 110 किलोमीटर रेंज

200 नए अस्त्र मार्क-1 मिसाइल बनाएगा डीआरडीओ

AGENCY NEW DELHI : वायुसेना ने डिफेंस रिसर्च डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ) और भारत डायनामिक्स लिमिटेड को 200 नए अस्त्र मार्क-1 मिसाइल बनाने का प्रोडक्शन क्लीयरेंस दे दिया है। 110 किलोमीटर रेंज की इस एयर-टु-एयर मिसाइल का इस्तेमाल वायु सेना लंबे समय से कर रही है। इसे सुखोई-30 और तेजस फाइटर जेट के जरिए फायर किया जा सकता है। एजेंसी ने बताया कि रक्षा मंत्रालय ने 2022-23 में इस 2900 करोड़ के प्रोजेक्ट को अप्रूवल दिया गया था। वायु सेना के डिप्टी चीफ एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने हाल ही में हैदराबाद स्थित डीआरडीओ की डेवलपमेंट लैब का दौरा किया था। इसी दौरान इन मिसाइल का प्रोडक्शन क्लीयरेंस दिया गया है।

- इसका वजन 154 किलो लंबाई 3.84 मीटर और चौड़ाई 178 एमएम
- तकनीकी और आर्थिक रूप से बाकी मिसाइलों से बेहतर
- 2900 करोड़ के प्रोजेक्ट को 2022-23 में मिली थी मंजूरी

यह बियॉन्ड विजुअल रेंज मिसाइल

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि अस्त्र एमके-1 बियॉन्ड विजुअल रेंज एयर टू एयर मिसाइल है। यानी जहां किसी फाइटर जेट या अटैक हेलिकॉप्टर का पायलट नहीं देख सकता, वहां भी यह मिसाइल एकदम सटीक हमला करती है। इसका वजन 154 किलोग्राम, लंबाई 3.84 मीटर और चौड़ाई 178 एमएम है। इसके साथ ही यह तकनीकी और आर्थिक रूप से बाकी मिसाइलों से बेहतर है।

जल्द होगा मार्क-2 का भी ट्रायल

भारतीय वायुसेना जल्द ही अस्त्र एमके-2 मिसाइल का ट्रायल भी करने वाली है। अस्त्र मार्क-1 का अपग्रेडेड वर्जन होगा। यह मिसाइल भी बियॉन्ड विजुअल रेंज कैटेगरी में आती है। अस्त्र मार्क-2 का भी 200 मिसाइलों का ऑर्डर जल्द हो सकता है। इसमें ऑप्टिकल प्रॉक्सीमिटी फ्यूज लगा है, जो अस्त्र मार्क-1 में नहीं है। ऑप्टिकल प्रॉक्सीमिटी फ्यूज से मिसाइल टारगेट पर सटीक नजर रख सकने में कामयाब होती है। टारगेट कितना भी दाएं-बाएं हो, यह मिसाइल उससे टकराकर फट जाती है। इसका वजन 154 किलोग्राम है और लंबाई 12.6 फीट है। इसकी रेंज 130 से 160 किलोमीटर है। यह अधिकतम 66 हजार फीट की ऊंचाई तक जाती है। ऐसी मिसाइल अपने फाइटर जेट को स्टैंड आफ रेंज देती करते हैं। स्टैंड आफ रेंज का मतलब होता है कि दुश्मन की तरफ मिसाइल फायर करके खुद उसके हमले से बचने के लिए दूर हो जाना। आने वाले समय में डसॉल्ट मिराज 2000, तेजस और मिग विमानों में भी इसे लगाए जाने की योजना बनाई जा रही है। मिसाइल को नौसेना अपने मिग 29 के लड़ाकू विमान में भी असेंबल करेगी। यह मिसाइल अलग-अलग हाइट पर फायर की जा सकती है। इसे फायर करने के लिए कोई एक रेंज जरूरी नहीं है।

पाकुड़ में सबसे कमजोर रहा मानसून

झारखंड में 5 अगस्त तक 19 फीसद कम हुई बारिश

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में जुलाई माह के अंतिम सप्ताह से अच्छी बारिश हुई है। इस दौरान कई जिला में 300 मिलीमीटर तक बारिश हुई है। लेकिन इतनी बारिश के बावजूद झारखंड में 5 अगस्त तक सामान्य से 19 प्रतिशत कम बारिश हुई है। मौसम विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, झारखंड में 1 जून से 5 अगस्त तक 455.3 मिलीमीटर बारिश हुई है। जबकि इस अवधि की सामान्य बारिश 559.8 मिलीमीटर है। बता दें कि झारखंड में मॉनसून छह दिन की देरी के बाद 21 जून को प्रवेश कर गया था। वहीं 28 जून तक मानसून पूरे

झारखंड में पहुंच गया था। जारी आंकड़ों के अनुसार, पाकुड़ जिले में मॉनसून सबसे कमजोर रहा है। 5 अगस्त तक पाकुड़ में 52 प्रतिशत कम 307 एमएम बारिश हुई है। वहीं चतरा में 44 प्रतिशत कम 283.2 एमएम, लोहरदगा में 43 प्रतिशत कम 323.3 एमएम और पश्चिमी सिंहभूम में 32 प्रतिशत कम 372 एमएम बारिश हुई है। कम बारिश से यहां होने वाली खेती में भी असर पड़ने के आसार हैं।

बोल बम के जयकारे से गूंजा सिदगोड़ा सूर्यधाम

शिवभक्तों संग पैदल जल लेकर शिवालय पहुंचे ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास

PHOTON NEWS JSR: सावन की तीसरी सोमवारी पर प्रतिवर्ष की भांति सूर्य मंदिर समिति, सिदगोड़ा के सौजन्य से भव्य जलाभिषेक यात्रा निकली, जिसमें बोल बम के जयकारे से पूरा सिदगोड़ा गूंजता रहा।

इस यात्रा में पूर्व मुख्यमंत्री एवं ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास भी शामिल हुए। यात्रा में मंदिर समिति के सदस्यों संग 21 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने बारीडीह स्थित भोजपुर कॉलोनी छठ घाट से कलश में सुल्तानगंज का पवित्र गंगाजल लेकर हरि मैदान से भक्तिमय संगीत, मनोरम झांकी, बैंड-बाजा और पुष्पवर्षा के बीच पैदल यात्रा कर सूर्यधाम शिवालय में जलाभिषेक कर आशीष मांगा। कई किलोमीटर की पैदल खाली पैर यात्रा कर सूर्यधाम शिवालय में राज्यपाल रघुवर दास ने बाबा भोलेनाथ को जलार्पण किया। इस दौरान उन्होंने जमशेदपुर समेत संपूर्ण झारखंड एवं ओडिशा वासियों के लिए सुख-समृद्धि, उन्नति एवं खुशहाली की कामना की। इससे पहले, बारीडीह हरि मंदिर मैदान में 11 सदस्यीय पंडितों के समूह द्वारा पवित्र गंगाजल के जलाभिषेक का संकल्प कराया गया। यात्रा में शामिल महिलाओं ने गेरुवा वस्त्र तो पुरुषों ने गेरुवा गमछा के साथ हाथों में केसरिया ध्वज लेकर यात्रा की शोभा बढ़ायी। प्रातःकाल से ही बारीडीह हरि मंदिर मैदान में हर हर महादेव, बोल बम के जयघोष सुनाई देने लगे थे। कतारबद्ध महिलाएं, बुजुर्ग, बच्चे बाबा भोलेनाथ के शीघ्र दर्शन को उत्साहित थे। प्रातः 8.30 बजे से दोपहर तक श्रद्धालुओं ने बाबा वैद्यनाथ धाम की तर्ज पर बने अरघा के माध्यम से भोलेनाथ का जलाभिषेक किया।

भक्तों के साथ जलाभिषेक करने जाते ओडिशा के राज्यपाल रघुबर दास व मंदिर में किया पूजन ● फोटोन न्यूज

24 हजार से अधिक ने किया प्रसाद ग्रहण

जलाभिषेक के पश्चात 24 हजार से अधिक श्रद्धलुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर कमेटी की ओर से सोन मंडप परिसर में प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई थी। यहां 20 काउंटर पर प्रसाद तो 15 काउंटर पर पानी की व्यवस्था थी। प्रसाद के रूप में पूड़ी, आलू-चना की सब्जी एवं देसी घी से बना हलवा परोसा गया।

बनारस की तर्ज पर आज होगी महाआरती

सूर्य मंदिर परिसर के छठ घाट पर मंगलवार संध्या 6 बजे बनारस से आए 15 सदस्यीय टीम द्वारा बनारस की गंगा आरती की तर्ज पर पूरे विधि विधान के साथ महाशिवालय की भव्य एवं दिव्य महाआरती की जाएगी। इस दौरान शंख, डमरू, घड़ी-घंट की ध्वनि और महाआरती के बीच पूरे तालाब परिसर में फैले जलते दीयों की लौ की अद्भुत छटा देखने को मिलेगी।

टाटा मोटर्स यूनियन के रूद्राभिषेक में शामिल हुए बन्ना गुप्ता

रूद्राभिषेक में शिरकत करते स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : सावन की तीसरी सोमवारी पर टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन के कार्यालय में रूद्राभिषेक हुआ।

इसमें स्वास्थ्य व खाद्य आपूर्ति मंत्री बन्ना गुप्ता अपनी पत्नी सुधा गुप्ता संग शामिल हुए। उन्होंने भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर यूनियन के अध्यक्ष गुरमीत सिंह, महामंत्री आरके सिंह, जम्मी भास्कर, कार्यकारी अध्यक्ष अनिल शर्मा, कोषाध्यक्ष एसएन सिंह, मनोज कुमार सिंह, आरआर दुबे, संजीव रंजन, अली रजा खान, प्रकाश वर्मा,,वरुण कुमार, दीपक दस आदि उपस्थित थे।

महादेवशाल में लगी भक्तों की कतार ● फोटोन न्यूज

महादेवशाल में उमड़ा आस्था का जनसैलाब, रविवार रात पहुंचे लोग

CHAKRADHARPUR : श्रावण मास की तीसरी सोमवारी पर पश्चिमी सिंहभूम के महादेवशाल धाम में आस्था का जनसैलाब उमड़ा। इस दौरान हर तरफ बोलबम... और हर-हर महादेव... के उद्घोष से माहौल गूंजता रहा। नाचते-गाते महिला-पुरुष भक्तों की टोली महादेवशाल धाम पहुंचे। इससे पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। रविवार से ही महादेवशाल जाने के लिए अलग-अलग जगहों से कांवरियों की टोली निकली थी। हालत यह रही कि सड़क से लेकर मंदिर तक कांवरियों की भीड़ ने पिछले कई वर्षों के रिकॉर्ड तोड़ दिए। अनुमान के मुताबिक 80 हजार से अधिक भक्तों ने सोमवार को जलाभिषेक किया और भगवान भोलेनाथ के दरबार में माथा टेक मुरादें मांगीं। कोई सड़क मार्ग से तो कोई रेल मार्ग से बाबा के दरबार पहुंचा था। महादेवशाल धाम पहुंचने का भक्तों का सिलसिला रविवार से ही शुरू हो गया था।

तीसरी सोमवारी पर आमरेश्वर धाम में श्रद्धालुओं ने किया बाबा का जलाभिषेक

PHOTON NEWS KHUNTI : पवित्र सावन महीने की तीसरे सोमवारी को क्षेत्र के प्रसिद्ध बाबा आमरेश्वर धाम अंगराबारी सहित जिले के अन्य शिवालयों में जलाभिषेक और पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। 70 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने भोलनाथ का जलाभिषेक किया। स्वयंभू शिवलिंग पर जलाभिषेक के लिए दूर दराज क्षेत्रों से श्रद्धालु रविवार रात से ही यहां पहुंचने लगे थे। देर रात से ही मुख्य मंदिर के प्रवेश द्वार पर जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की कतारें लगनी शुरू हो गई थी। तड़के साढ़े तीन बजे जैसे ही मुख्य मंदिर और अन्य मंदिरों के पट खुले, पूरा वातावरण बोल बम और हर-हर महादेव के नारों से गुंजायमान हो उठा।

जलाभिषेक करते उपायुक्त लोकेश मिश्रा ● फोटोन न्यूज

उपायुक्त ने किया जलाभिषेक

उपायुक्त लोकेश मिश्रा सोमवार को माता-पिता के साथ आमरेश्वर धाम पहुंचे। उन्होंने विधि-विधान के साथ भोलेनाथ का जलाभिषेक के बाद पूजा-अर्चना की और सुख-समृद्धि की कामना की। मौके पर उपायुक्त ने सभी को श्रावण मास की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि श्रावणी मेला के दौरान दूर दराज से श्रद्धालु आमरेश्वर धाम पहुंचते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए सभी व्यवस्थाएं की गयी है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई कठिनाई नहीं हो। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी एवं सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त किया गया है। साथ ही साफ-सफाई एवं स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उपायुक्त ने मंदिर परिसर में पौधरोपण भी किया।

आरती में शामिल महिलाएं व पुरुष ● फोटोन न्यूज

रांची के पहाड़ी बाबा मंदिर में हुई भव्य संध्या आरती, लगी कतार

RANCHI : सावन की तीसरी सोमवारी पर रांची के पहाड़ी मंदिर में भव्य संध्या आरती हुई, जिसमें शहर के तमाम धार्मिक और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल थे। महाआरती के बाद बोल बम... के नारों से पूरा पहाड़ी परिसर गुंजायमन हो गया इसके बाद सैकड़ों भक्तों के बीच खीर का महाप्रसाद वितरित किया गया। संध्या आरती में नंदकिशोर सिंह चंदेल, राजेश सिंह सन्नी, उज्जवल कुमार सिन्हा, रंजन यादव, संजय सिंह, सचिन कुमार, कुलदीप, विनय सिंह, लखन कुमार, अमन ठाकुर आदि सक्रिय रहे। वहीं, हिंदू जागरण मंच ने प्रतिवर्ष की भांति पहाड़ी मंदिर के मुख्यद्वार पर सेवा शिविर लगाया, जिसमें भक्तों को दूध, पुष्प, बेलपत्र आदि का वितरण किया गया। शिविर में मंच के वरिष्ठ पदाधिकारी सुजीत सिंह, निशांत चौहान, चंदन मिश्रा, चंदन सिंह, सत्या सिंह, ऋषभ सिंह आदि सक्रिय रहे।

सावन महीने में ध्वजाधारी धाम में लग रहा श्रद्धालुओं का मेला

PHOTON NEWS KODERMA : जिले के ध्वजाधारी धाम में सावन की तीसरी सोमवारी में कांवडियों और भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। पूरे जिले के कांवडिया जल उठा कर भक्ति भाव के साथ पांच बजे सुबह से पहुंचते देखे गए। भक्त 777 सीढ़ी चढ़कर हर हर महादेव बोल बम, बोल बम का नारा लगाते हुए पहाड़ की चोटी पर पहुंचे और शिवालय में जल अभिषेक किया।

वहां नारियल फोड़कर, बेलपत्र चढ़ाकर, फूल चढ़ाकर, पूजा अर्चन कर श्रद्धालुओं ने देवाधिदेव महादेव का जलाभिषेक किया। सोमवार सुबह से ही शिवालयों में श्रद्धालुओं के द्वारा जलाभिषेक को लेकर भीड़ जमने लगी थी। श्रद्धालु महिला पुरुष युवक-युवतियां अपने अपने नजदीक के शिवालयों में बाबा भोले शंकर पर बेलपत्र, चंदन, दूध, फूल, धतूरा, गांजा, भांग इत्यादि चढ़ा कर पूजा अर्चना कर परिक्रमा कर के अपने और अपने परिवार के लिए सुख और समृद्धि की कामना की। भक्तों ने कहा कि वैसे तो देवाधिदेव महादेव के पूरे साल के सोमवार के दिन भोलेनाथ के लिए बहुत ही प्रिय दिन माना जाता है, जो हमेशा भोले नाथ का पूरे साल सोमवार को जलाभिषेक कर पूजा अर्चना करते हैं। वैसे लोगों को कभी कठिनाइयों का सामना करना नहीं पड़ता है।

कोडरमा में जलाभिषेक के लिए जाते भक्त ● फोटोन न्यूज

गिरिडीह में देर रात भिड़े दो भारी वाहन दो की मौके पर मौत, छह हुए घायल

PHOTON NEWS GIRIDIH : गिरिडीह जिले के खोरीमहुआ अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत कोदम्बरी चौक के समीप रविवार की देर एक भीषण दुर्घटना हुई। इस दुर्घटना में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि अन्य छह लोग घायल हो गए। जिन भारी वाहनों के बीच आमने-सामने भिड़ंत हुई उनमें मालवाहक ट्रक (बीआर 02 ओ 6375) व बोरिंग का वाहन (जेएच 09 एए 3419) हैं।

मृतकों में गिरिडीह और टुंडी निवासी : हीरोडीह क्षेत्र में जमुआ-कोडरमा मुख्य मार्ग पर देर रात हुई यह टक्कर काफी जबरदस्त थी। लोगों ने इस टक्कर की जोरदार आवाज सुनी। दो की मौत के अलावा जो छह लोग जख्मी हुए हैं उनमें दो की हालत काफी गंभीर बताई जा रही है। मृतकों की पहचान होने के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए गिरिडीह भेजा गया। मृतक में टुंडी के रागांमाटी गांव निवासी व एक गिरिडीह मुफस्सिल क्षेत्र का रहनेवाला था। मृतकों में एक बोरिंग वाहन चालक है जो धनबाद जिला के टुंडी थाना क्षेत्र अंतर्गत रंगामाटी गांव निवासी धनश्याम राम के 36 वर्षीय पुत्र डीसको राय है। दूसरा मृतक बोरिंग आपरेटर था। उसकी पहचान गिरिडीह जिला के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत महेशलीटी गांव निवासी मोहालाल टुडू के 34 वर्षीय पुत्र शीलाचंद टुडू के रूप में हुई है।

दुर्घटनास्थल पर खड़ी क्षतिग्रस्त ट्रक ● फोटोन न्यूज

चालक और उपचालक की स्थिति गंभीर

हीरोडीह पुलिस ने दुर्घटना के दोनों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल भेज दिया। वहीं गंभीर रूप से घायलों की पहचान मालवाहक ट्रक चालक मनीष विश्वकर्मा व उपचालक हिमांशु राणा के रूप में हुई है। इनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। इलाज जमुआ स्थिति क्रेस्ट केयर अस्पताल में चल रहा है। वहीं अन्य घायलों में बोरिंग वाहन मजदूर परिमल सोरेन, रविलाल सोरेन, जयोलाल सोरेन व रमीय सोरेन शामिल हैं।

मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज में मूलभूत सुविधाएं बढ़ाने की मांग पर प्रदर्शन

PALAMU : मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज में सेंट्रल लाइब्रेरी, सफाई, लिफ्ट, बिजली, पानी समेत अन्य मांगों को लेकर मेडिकल कॉलेज के सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने सोमवार को घरना दिया। कॉलेज के मेन गेट को बंद कर सभी धरना दे रहे हैं। मांगों से संबंधित तख्तियां लिए हुए हैं। आन्दोलन की सूचना मिलने के बाद प्राचार्य डॉ. कामेन्द्र प्रसाद और प्रोफेसर डॉ. आरके रंजन समेत अन्य शिक्षकों ने आंदोलन कर रहे छात्र-छात्राओं को समझने का प्रयास किया लेकिन उनका कहना है कि लंबे समय से वह समस्याएं झेल रहे हैं। इस बार निदान होने तक आंदोलन किया जाएगा। सारे छात्र मांगों को लेकर अड़ गए हैं। दोपहर ढाई बजे तक उनका आन्दोलन चल रहा था। आंदोलन कर रहे छात्रों की संख्या 400 से अधिक है।

कांके प्रखंड के उप प्रमुख ने शिविरों का लिया जायजा

KANKE : हेमंत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना, 'मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना' का लाभ, लाभुकों को दिलाने के लिए रांची जिले के कांके प्रखंड की विभिन्न पंचायतों में 3 जुलाई से ही शिविर चल रहा है। तीसरे दिन सोमवार को कांके प्रखंड के उप प्रमुख अजय बैठा ने प्रखंड की विभिन्न पंचायतों में लगे शिविरों का जायजा लिया। मौके पर उप प्रमुख ने ग्रामीण लाभुकों से मिल कर इस योजना की धरातल की हकीकत जानने का प्रयास किया। उप प्रमुख अजय बैठा ने बताया कि तीसरे दिन बीत जाने के बावजूद लाभुकों का आवेदन ऑनलाइन फिलअप नहीं हो पा रहा है, इसका मुख्य कारण इस योजना की वेबसाइट का सर्वर डाउन है। ग्रामीण क्षेत्रो में लाभुक धान रोपाई को छोड़ के पंचायत ऑफिस में डटे हुवे है।

निरीक्षण करते उपप्रमुख

लेकिन, सर्वर डाउन की वजह से किसी पंचायत में 2, कहीं 4, कहीं 10 आवेदकों का फॉर्म ही ऑनलाइन हो पाया है। वहीं कई पंचायत ऑफिस के शिविर में इस योजना से जुड़े आंगनबाड़ी सेविका नदारत मिलीं, जिसपर प्रखंड विकास पदाधिकारी को उन पर कार्रवाई करने के लिए बोला गया है। उप प्रमुख ने सरकार से कहा है कि इस योजना का लाभ समय रहते सभी को मिल सके, इसके लिए इस योजना की वेबसाइट को दुरुस्त किया जाए।

दुखहरण नाथ धाम में पूजा करने आया युवक नदी में डूबा, तलाश जारी

GIRIDIH : श्रावण मास के तीसरे सोमवार को जिला मुख्यालय के प्रसिद्ध तीर्थस्थल बाबा दुखहरण नाथ धाम पूजा करने आया युवक बराकर नदी में डूब गया। बताया गया कि धनबाद के कतरास से अपने परिवार के साथ आए एक 17 वर्षीय युवक गौतम कुमार दुखहरण नाथ धाम के उसरी नदी में जल चढने के लिए पानी लाने गया था। काफी देर तक नहीं लौटा तो घर वाले नदी के तट पर गये, जहां अन्य लोगों ने बताया कि एक युवक पानी की तेज धार में बहा है। वहां मौजूद कई गोताखोर युवक की तलाश करने में जुटे हैं लेकिन कई घंटों की मशक्कत के बाद भी युवक का कोई अता-पता नहीं चला है। फिलहाल, परिजन सकुशल गौतम के बाहर आने की उम्मीद लगाए सभी नदी तट पर ही रुके हुए हैं।

एनटीपीसी के अधिकारियों ने उपायुक्त के समक्ष रखी अपनी बात, सभी मुद्दों पर हुई विस्तृत चर्चा

प्राथमिकता तय करें, जनता से मिलें व उनकी समस्या सुनें : उपायुक्त

PHOTON NEWS HAZARIBAG: बड़कागांव व केरेडारी प्रखंड में एनटीपीसी द्वारा संचालित विभिन्न कोल परियोजनाओं के सुगम संचालन एवं स्थानीय स्तर पर आ रही समस्याओं के निस्तारण के लिए सोमवार को उपायुक्त नैन्सी सहाय की अध्यक्षता में बैठक हुई, जिसमें एनटीपीसी के सभी प्रोजेक्ट्स के अधिकारी व एमडीओ शामिल थे।

इस दौरान प्रोजेक्टवार समस्याओं और समाधान को लेकर चर्चा की गई। उपायुक्त ने कहा कि केंद्र आधारित इन खनन परियोजनाओ में स्थानीय स्तर पर जिला प्रशासन हमेशा सहयोगात्मक रुख रखता है। यह बैठक इसलिए आयोजित की जा रही है, ताकि स्थानीय स्तर पर खनन परियोजना में आ रही चुनौतियों व समस्याओं को सुलझाया जा सके। उपायुक्त ने अधिकारियों से कहा कि वे प्राथमिकता तय करें, जनता से मिलें और उनकी समस्या भी सुनें। इस अवसर पर चट्टी बरियातू, केरेडारी, पकरी बरवाडीह, बादाम कोल परियोजनाओं के प्रतिनिधियों द्वारा उपायुक्त के समक्ष स्थानीय समस्याओं से संबंधी अपनी बातों को रखा। उपायुक्त ने कहा कि एनटीपीसी खनन परियोजना केंद्र द्वारा संचालित महत्वपूर्ण परियोजना है इसलिए इन परियोजनाओं के संचालन में आने वाली समस्याओं को दूर किया जाना आवश्यक है। रैयतों को नौकरियां मिलें, इस बात का संबंधित एमडीओ विशेष ख्याल रखें। नौकरियों में पारदर्शिता बनी रहे, यह भी सुनिश्चित करें। स्थानीय ग्रामीणों की बातों को सुने तथा मुलाकात भी करें। सहयोगात्मक व्यवहार से ही कार्य को सुचारू रूप से संचालित किया जा सकता है। उन्होंने संबंधित अंचलाधिकारियों को एनटीपीसी द्वारा अधिग्रहित जमीन का जल्द से जल्द म्यूटेशन करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि अधिकारी फाइल वर्क और पेपर वर्क को लंबित न रखें। ऐसे लोगों पर कारवाई होगी, जो जानबूझ कर अधिग्रहित जमीन पर ज्यादा मुआवजा के लोभ में अवैध रूप से घरों का निर्माण कार्य कर रहे है। उन्होंने आगे कहा कि प्राथमिकता क्षेत्र को रेखांकित कर स्थानीय स्तर पर छोटे-छोटे सीएसआर एक्टिविटी से परिवर्तन लाया जा सकता है तथा कार्य करने के लिए बेहतर माहौल भी बनाया जा सकता है। बैठक में उपायुक्त के अलावा पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह, अपर समाहर्ता संतोष कुमार सिंह, एसडीओ शैलेश कुमार, प्रशिक्षु आईएएस लोकेश बारंगे व भूअर्जन पदाधिकारी निर्भय कुमार भी उपास्थित थे।

बैठक करतीं हजारीबाग की उपायुक्त नैंसी सहाय व अन्य ● फोटोन न्यूज

मिशन वात्सल्य योजना के नवनियुक्त कर्मियों के बीच नियुक्ति पत्र वितरित

LATEHAR : विभागीय निर्देश के आलोक में संविदा आधारित विभिन्न पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण कर समाहरणालय सभागार में सोमवार को उपायुक्त गरिमा सिंह ने मिशन वात्सल्य योजना के तहत जिलास्तरीय पदों पर चयनित कुल 11 कर्मियों के बीच नियुक्ति पत्र का वितरण किया। विदित हो कि केंद्र प्रायोजित मिशन वात्सल्य योजना भारत सरकार की एक अतिमहत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य शून्य से 18 वर्ष तक के बच्चों को प्रत्येक स्तर पर उनके संभावित खतरों से सुरक्षित एवं संरक्षित करने के साथ बच्चों को परिवार आधारित देखरेख में संरक्षण प्रदान करना है। संबंधित जिलास्तरीय पदों पर नियुक्ति विगत 2017 से विभिन्न कारणों से लंबित थी। उपायुक्त के प्रयास से यह नियुक्ति संभव हुई, जिसके लिए सभी नवनियुक्त पदाधिकारी एवं कर्मियों ने जिला प्रशासन, विशेषकर उपायुक्त एवं जिला समाज कल्याण पदाधिकारी का आभार जताया।

एनडीआरएफ की टीम ने किया रेस्क्यू

नदी का जलस्तर बढ़ने के बाद घर छोड़कर निकले लोग ● फोटोन न्यूज

GARHWA : झारखंड स्थित गढ़वा जिले के भवनाथपुर थाना अंतर्गत हरिहरपुर ओपी क्षेत्र के लोहरगड़ा गांव के पास अचानक जलस्तर बढ़ने से सोन नदी के टीला पर गढ़वा जिला और बिहार के रोहतास जिला के तिऊरा गांव के 50 लोग फंस गए थे। इनके साथ सौ से अधिक मवेशी भी बाढ़ में फंसे रहे।

इसकी जानकारी मिलने के बाद रविवार रात में ही जिला प्रशासन बाढ़ में फंसे लोगों को निकालने के लिए तत्पर हो गया। बिहार के बिहटा से पहुंची एनडीआरएफ की टीम ने सोमवार को अहले सुबह से रेस्क्यू अभियान शुरू कर दिया। सबसे पहले बाढ़ में फंसे लोहरगड़ा के 17 तथा मेरौनी गांव के दो लोगों को सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया गया, जबकि इसके बाद सोन में फंसे रोहतास जिला अंतर्गत तिउरा गांव के 21 लोगों को भी सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर सोन से बाहर निकाल लिया गया है। दूसरी तरफ सोन नदी का जलस्तर भी कम होने लगा है। इस मौके तमाम प्रशासनिक पदाधिकारी मौजूद रहे।

BRIEF NEWS

राज्यपाल ने अमित शाह से की शिष्टाचार भेंट

RANCHI : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सोमवार को केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की।

विधानसभा थाना क्षेत्र से एक व्यक्ति का शव बरामद

RANCHI : विधानसभा थाना क्षेत्र के नयासराय रिंग रोड के पास से सोमवार की सुबह एक व्यक्ति शव बरामद हुआ है। उसके बारे में बताया जा रहा है कि वह पुंदाग ओपी क्षेत्र स्थित अपने घर आश्रम में इलाज कराने आया था। इसी दौरान सोमवार को झाड़ी से उसका शव मिला। उसकी मौत कैसे हुई अब तक इसके पीछे की सही वजह सामने नहीं आ पायी है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज भेज दिया। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि सुबह स्थानीय लोगों ने एक शव देखा, जिसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी।

ईडी में लीगल रिटेनर की निकली नियुक्ति

RANCHI : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को देशभर में विभाग का पक्ष रखने के लिए लीगल रिटेनर की जरूरत है। केंद्र सरकार ने इसकी सूचना जारी की है। केंद्र सरकार से जारी सूचना के मुताबिक, वकालत के पेशे में दो वर्षों का अनुभव रखने वाले वकील लीगल रिटेनर के पद पर नियुक्ति के लिए योग्य होंगे और उन्हें 80 हजार रुपये का मासिक वेतन दिया जाएगा। देशभर में किसी भी बार में प्रैक्टिस करने वाले अधिवक्ता अपनी नियुक्ति के लिए 25 अगस्त तक आवेदन दे सकते हैं।

'संत जॉन मेरी वियानी सभी पुरोहितों के लिए आदर्श'

RANCHI : डालटनगंज स्थित खीस्तियों की सहायता के लिए मरिया चर्च कंजिया में संत मेरी वियानी पर्व के अवसर पर पल्ली पुरोहित फादर वाल्टर को पदस्थापित किया गया। कार्यक्रम मिस्सा बलिदान से शुरू की गई। इससे पहले सभी पुरोहितों के लिए विशेष विनती की गई। इस अवसर पर बिशप थियोडोर मस्कारेनहास ने कहा कि पल्ली पुरोहित स्थानीय कलीसिया का चरवाहा होता है। फादर वाल्टर को दायित्व दी जा रही है। जो एक पल्ली पुरोहित को कैथोलिक कलीसिया में प्रावधान दी गई है ।वह स्वयं के लिए नहीं बल्कि ईश्वर की प्रजा के लिए एक पुरोहित है। संत जॉन मेरी वियानी सभी पुरोहितों के आदर्श हैं।

रांची में छोटे-छोटे विवाद में हो रहीं हत्या की घटनाएं

RANCHI : छोटे-छोटे विवाद में लोग एक दूसरे की हत्या कर हैं। राजधानी में भी पिछले एक महीने के दौरान इस तरह की एक के बाद एक कई घटनाएं सामने आई हैं। जहां छोटे से विवाद को लेकर किसी की गोली मारकर तो किसी की धारदार हथियार से काटकर हत्या कर दी गई। हालांकि इन सभी घटनाओं में शामिल आरोपियों को पुलिस ने तुरंत गिरफ्तार भी कर लिया। फास्ट फूड खाने के बाद पैसा नहीं देने पर होटलकर्मी सूरज गिरी ने चापड़ से गला काटकर राजू ठाकुर उर्फ कटरनी (30 वर्ष) की हत्या कर दी थी। यह घटना 13 जुलाई की शाम साढ़े चार बजे लालपुर थाना क्षेत्र के मोरहाबादी स्थित रजिस्ट्री ऑफिस के समीप हुई थी।

हाईकोर्ट ने डीजीपी से मौखिक कहा- ड्रग्स कारोबार रोकने के लिए एसओपी तैयार करे पुलिस

मादक पदार्थों की बिक्री पर लें कठोर एक्शन

PHOTON NEWS RANCHI :

झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य के डीजीपी से मौखिक कहा कि झारखंड में अफीम, चरस, गांजा जैसे मादक पदार्थों की बिक्री हर हाल में रोकने के लिए कठोर कार्रवाई करें। कोर्ट ने मौखिक कहा कि पुलिस और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) आपसी सहयोग से झारखंड में अफीम की खेती को नष्ट करने के लिए कार्रवाई करें। खूंटी सहित राज्य के कई जिलों में जंगलों में अफीम की खेती होती है। सैटेलाइट मैपिंग के माध्यम से पुलिस और एनसीबी को-ऑर्डिनेशन से इसका पता लगाकर इन्हें नष्ट करने की दिशा में कार्रवाई करें। सुनवाई के दौरान डीजीपी एवं रांची एसएसपी कोर्ट में सशरीर उपस्थित थे। कोर्ट ने डीजीपी को निर्देश दिया कि अफीम, चरस, गांजा सहित अवैध शराब पर नियंत्रण के लिए पुलिस स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) बनाए। कोर्ट ने रांची एसएसपी से भी मौखिक कहा कि रांची शहर में स्कूल एवं मंदिरों के निकट किसी भी स्थिति में शराब की बिक्री नहीं होनी चाहिए। मंदिरों के निकट बार एवं रेस्टोरेंट खोला जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। कोर्ट ने कहा कि उत्पाद विभाग के साथ-साथ पुलिस की भी यह जिम्मेवारी है कि रांची शहर में अवैध ढंग से शराब की बिक्री ना हो। कोर्ट ने मौखिक कहा कि यह रांची है ना कि मुंबई या गोवा है, यहां के बार एवं रेस्टोरेंट को नियंत्रित ढंग से काम करना होगा ताकि सामाजिक दायित्व का समुचित निर्वहन हो सके। देर रात तक बार एवं रेस्टोरेंट खुला रहने से अप्रिय घटना होने की ज्यादा संभावना रहती है, पुलिस की पीसीआर वैन रात में शराबियों एवं आपराधिक तत्वों पर नजर रखें। मामले की अगली सुनवाई 19 अगस्त को होगी। दरअसल, खूंटी में अफीम के फसलों को नष्ट करने एवं झारखंड में अफीम ,चरस, गांजा आदि ड्रग्स के कारोबार में लगातार वृद्धि पर हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। इस पर आज झारखंड हाई कोर्ट में सुनवाई हुई।

डीवीसी में नियुक्ति प्रक्रिया पर लगी रोक

RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट ने दामोदर वैली कॉरपोरेशन (डीवीसी), कोलकाता द्वारा एग्जीक्यूटिव ट्रेनी एवं मेडिकल ऑफिसर-असिस्टेंट मैनेजर पद के लिए निकल गए विज्ञापन के आलोक में नियुक्ति प्रक्रिया पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। कोर्ट ने मामले में केंद्र सरकार को तीन सप्ताह में पूरक शपथ पर दाखिल करने के लिए अंतिम मौका दिया है। अगली सुनवाई तीन सप्ताह बाद होगी, तब तक नियुक्ति प्रक्रिया पर रोक रहेगी। मामले को लेकर भूपेंद्र सिंह की ओर से हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। डीवीसी, कोलकाता ने एग्जीक्यूटिव ट्रेनिंग (फाइनेंस) के सात पदों और मेडिकल ऑफिसर-असिस्टेंट मैनेजर (हेल्थ सर्विसेज) के 21 पदों लिए 18 जुलाई को विज्ञापन निकाला था। सात अगस्त तक फॉर्म भरने की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। याचिकाकर्ता का कहना था कि उसका चयन पूर्व में एग्जीक्यूटिव ट्रेनिंग (फाइनेंस) के पद पर हुआ था। मेरिट लिस्ट में वह द्वितीय नंबर पर था लेकिन उसका अंतिम रूप से चयन यह कहते हुए नहीं किया गया कि उसपर विभागीय कार्रवाई चल रही है, जिसको लेकर याचिकाकर्ता की ओर से हाई कोर्ट भी याचिका दाखिल की गई है।

- एग्जीक्यूटिव ट्रेनी, मेडिकल ऑफिसर, असिस्टेंट मैनेजर के लिए निकाला गया है विज्ञापन
- फिक्स्ड चार्जेज में छूट को लेकर डीवीसी ने कहा- पहले से है बकाया, बिजली की गुणवत्ता पर पड़ेगा असर

रघुवर दास कैबिनेट के पांच मंत्रियों की आय से अधिक संपत्ति केस में हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

PHOTON NEWS RANCHI :

तत्कालीन रघुवर सरकार के पांच मंत्रियों (अमर कुमार बाउरी, रणधीर सिंह, डॉ नीरा यादव, लुईस मरांडी और नीलकंठ सिंह मुंडा) के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले में दायर जनहित याचिका पर आज झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय और जस्टिस प्रदीप कुमार श्रीवास्तव की खंडपीठ ने राज्य सरकार और एसीबी को चार सप्ताह के भीतर शपथ पत्र के जरिए जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। खंडपीठ ने एसीबी से जवाब में इस को स्पष्ट करने को कहा है कि अब तक क्या कार्रवाई हुई है और कार्रवाई किस दिशा में चल रही है। झारखंड हाईकोर्ट के अधिवक्ता धीरज कुमार ने बताया कि मामले की विस्तृत सुनवाई चार सप्ताह बाद होगी। इस मामले में हेमंत सरकार ने पिछले साल 26 जुलाई को कैबिनेट की बैठक में एसीबी को पांचों पूर्व मंत्रियों के खिलाफ जांच की स्वीकृति दे दी थी। हेमंत सरकार ने इससे पूर्व गोपनीय सत्यापन रिपोर्ट का आदेश दिया था।

क्या है जनहित याचिका में

दरअसल, साल 2020 में पंकज कुमार यादव ने पांच मंत्रियों की आय से अधिक संपत्ति को लेकर जनहित याचिका दायर की थी। उनका आरोप था कि 2014 के चुनाव के वक्त अमर बाउरी ने 7.33 लाख की संपत्ति का ब्यौरा दिया था। यह संपत्ति 2019 में 89 .41 लाख दिखाई गयी। रणधीर सिंह ने 2014 में 88 .92 लाख की संपत्ति दिखाई थी जो 2019 में 5 .06 करोड़ हो गई। डॉ नीरा यादव ने 2014 में 80 .59 लाख संपत्ति का ब्यौरा दिया था। उनकी संपत्ति 2019 में 3 .65 करोड़ हो गई थी। लुईस मरांडी के पास साल 2014 में 2 .25 करोड़ की संपत्ति थी जो 2019 में 9 .06 करोड़ हो गई। वहीं नीलकंठ सिंह मुंडा के पास 2014 में 1 .46 करोड़ की संपत्ति 2019 में 4 .35 करोड़ हो गई थी। याचिकाकर्ता ने 2014 से 2019 के बीच 100 से 1100 प्रतिशत संपत्ति में इजाफे पर सवाल उठाया था।

अधिवक्ता गोपाल कृष्ण हत्या मामले में हाईकोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान, डीजीपी-एसएसपी हुए हाजिर

PHOTON NEWS RANCHI :

रांची सिविल कोर्ट के अधिवक्ता गोपाल कृष्ण की हत्या मामले को झारखंड हाईकोर्ट ने गंभीरता से लिया है। कोर्ट ने मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए डीजीपी एवं रांची एसएसपी को तलब किया था। कोर्ट के आदेश के आलोक में यह दोनों अधिकारी कोर्ट में सोमवार को सशरीर उपस्थित हुए। डीजीपी की ओर से कोर्ट को बताया गया कि मामले के दो आरोपियों को पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है। इनमें से एक अपराधी रोशन मुंडा तथा दूसरा संदीप है। कोर्ट ने डीजीपी को मृतक अधिवक्ता के परिवार को सुरक्षा मुहैया कराने का निर्देश दिया। साथ ही मामले की अनुसंधान जल्द पूरी कर चार्जशीट दाखिल करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि रांची के काके थाना क्षेत्र में बीते दिनों विशेष शाखा में पदस्थापित अनुपम कच्छप की अपराधियों ने हत्या कर दी। राजधानी रांची में अपराधियों का मनोबल बढ़ चुका है उसपर अंकुश लगाने की जरूरत है। कोर्ट ने डीजीपी से कहा कि वह राज्य के जिलों के एसपी एवं एसएसपी को दिशा निर्देश दें कि अगर उनके थाना क्षेत्र में किसी तरह की आपराधिक घटनाएं होती हैं, तो इसकी जिम्मेदारी उस थाना के थाना इंचार्ज पर होगी । कोर्ट ने रांची एसएसपी को भी राजधानी में विधि व्यवस्था दुरुस्त करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि आए दिन रांची में महिलाओं के गले से गहने छीन लिए जाते हैं, उनके घर के निकट से अपराधी उनके गहने छीन ले जाते हैं। इस पर रोक

यातायात व्यवस्था सुगम नहीं होने पर ट्रैफिक एसपी तलब

अवैध रूप से चलने वाले ई-रिक्शा पर रोकथाम सुनिश्चित करें : हाईकोर्ट

RANCHI : रांची में ट्रैफिक की व्यवस्था सुगम बनाने को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर झारखंड हाई कोर्ट ने सोमवार को मौखिक कहा कि राजधानी रांची में ई रिक्शा अवैध रूप से चल रहे हैं, ट्रैफिक पुलिसकर्मी कार्रवाई के नाम पर इन्हे जब्त करते हैं और फिर रांची नगर निगम के भरोसे छोड़ देते हैं। रांची नगर निगम इन रिक्शा पर जुमार्ना लगाकर फिर से इन्हें सड़क पर चलने के लिए छोड़ देता है, ऐसा नहीं होना चाहिए। कोर्ट ने राज्य सरकार पर फटकार लगाते हुए कहा कि रांची में अवैध रूप से चलने वाले ई रिक्शा पर रोकथाम सुनिश्चित करें। कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए ट्रैफिक एसपी को मंगलवार को हाई कोर्ट में तलब किया है। कोर्ट ने मौखिक कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करें कि 15 अगस्त से पूर्व राजधानी रांची में अवैध रूप से चलने वाले रिक्शा पर पूरी तरह से रोक लगे। इससे पूर्व कोर्ट को बताया गया कि की शहर में 4 हजार से ज्यादा ई रिक्शा चल रहे हैं। यह लोग वैसे रूट पर भी चल रहे हैं जो इनके लिए निर्धारित नहीं है। इसे रांची शहर में जाम की समस्या प्रतिदिन देखने को मिल रही है। कोर्ट ने मौखिक कहा कि रांची शहर में जाम की स्थिति देखते हुए अब ई रिक्शा के निबंधन पर रोक लगाई जानी चाहिए।

विनोद ने अग्रिम जमानत अर्जी वापस लेने के लिए दायर की याचिका

RANCHI : लैंड स्कैम केस के आरोपित और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के सहयोगी आर्किटेक्ट विनोद सिंह ने सोमवार को अपनी अग्रिम जमानत याचिका वापस लेने के लिए याचिका दायर की है। विनोद सिंह ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से रांची प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) की विशेष कोर्ट में याचिका दाखिल कर अपनी अग्रिम जमानत अर्जी वापस मांगी है। ईडी ने हेमंत सोरेन से जुड़े लैंड स्कैम केस में प्रॉसिक्यूशन कम्प्लेन (पीसी) दायर की है, जिसमें विनोद सिंह को भी अभियुक्त बनाया गया है। ईडी की प्रॉसिक्यूशन कम्प्लेन (पीसी) पर कोर्ट ने संज्ञान भी ले लिया है।

वेबसाइट पर जारी होगी मेरिट लिस्ट कट ऑफ मार्क्स भी : जेएसएससी

RANCHI : झारखंड स्टाफ सिलेक्शन कमीशन (जेएसएससी) ने वर्ष 2016 के हाईस्कूल शिक्षक नियुक्ति विज्ञापन के आलोक में राज्य स्तरीय मेरिट लिस्ट जारी करने पर सहमति जताई है। मामले की सुनवाई के दौरान झारखंड हाईकोर्ट में जेएसएससी की ओर से कोर्ट को बताया गया कि राज्य स्तरीय मेरिट लिस्ट जेएसएससी अपनी वेबसाइट पर 10 दिन में अपलोड कर देगा। जेएसएससी ने वेबसाइट अपग्रेड करने के लिए 2 सप्ताह का समय कोर्ट से लिया है। इसके बाद वह वेबसाइट पर सभी विषयों का राज्य स्तरीय मेरिट लिस्ट जारी कर देगा। कोर्ट ने जेएसएससी को निर्देश दिया है कि वह सुप्रीम कोर्ट के आदेश के आलोक में राज्य स्तरीय मेरिट लिस्ट जारी करें। मामले की अगली सुनवाई 5 सितंबर को होगी। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने पैरवी की। दरअसल, झारखंड हाईकोर्ट ने पूर्व में जेएसएससी को वर्ष 2016 के हाईस्कूल शिक्षक नियुक्ति विज्ञापन के आलोक में राज्य स्तरीय मेरिट जारी करने का निर्देश दिया था। मामले में मीना कुमारी समेत सात याचिकाओं की सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने पूर्व में कहा था कि इससे संबंधित सोनी कुमारी की अवमानना याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने राज्य स्तरीय मेरिट लिस्ट बनाकर हाई स्कूल में शिक्षकों की नियुक्ति करने का निर्देश दिया था।

सीआईपी निदेशक से मिलकर सौंपा मांगपत्र

RANCHI : (सीआईपी) निदेशक डॉक्टर तरुण कुमार से आज एक प्रतिनिधिमंडल मो नकीब, नईम के नेतृत्व में मिलकर एक ज्ञापन सौंपा। जिसमे लिखा है की सीआईपी में कार्य कर रही सिक्योरिटी एजेंसी इंटेलिजेंस सिक्योरिटी ऑफ इंडिया के एएसओ परवेज आलम पर झूठा इल्जाम लगा कर बदनाम किया गया। सीआईपी प्रशासन को दिए गए आवेदन शेफाली कुजूर, अनुज कुजूर, खिरिस्त पॉल, ने वापस ले लिया और नए आवेदन देकर कहा है कि परवेज आलम पर हम लोगों द्वारा लगाया गया आरोप बिल्कुल बेबुनियाद और निराधार है। ज्ञात हो कि परवेज आलम भारतीय वायुसेना में अपना सेवा प्रदान कर चुके हैं, और सुरक्षा सेवा में महारथ हासिल है एवं सामाजिक कार्य में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान देते रहते हैं। ऐसे व्यक्ति को समाज में बदनाम करना एक अशोभनीय कार्य है।

आईएमडी ने जारी किया येलो अलर्ट

पाकुड़ और गोड्डा में बारिश वज्रपात की चेतावनी जारी

PHOTON NEWS RANCHI :

मौसम विभाग ने झारखंड के 2 जिलों में वज्रपात की चेतावनी दी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के रांची स्थित मौसम केंद्र की ओर से तात्कालिक चेतावनी जारी की गई है। मौसम केंद्र ने येलो अलर्ट जारी करते हुए कहा है कि पाकुड़ और गोड्डा जिले में कुछ जगहों पर गरज के साथ वर्षा एवं वज्रपात हो सकता है। इसलिए लोग सावधान और सतर्क रहें। मौसम वैज्ञानिक ने लोगों को सलाह दी है कि वे अपने घरों से बाहर न निकलें। अगर आप घर से बाहर हैं और मौसम खराब हो जाए, तो कुछ सावधानी जरूर बरतें। मौसम खराब होने की स्थिति में किसी पक्के छत के नीचे चले जाएं। पेड़ या बिजली के खंभे से दूरी बनाकर रखें। किसी भी सूरत में बिजली के खंभे या पेड़ के नीचे शरण न लें। इन जगहों पर आसमानी बिजली गिरने का खतरा सबसे अधिक होता है। इसलिए पक्के छत के नीचे ही शरण लें। आप सुरक्षित रहेंगे। किसानों को भी सलाह दी जा रही है कि वे खेतों में न जाएं। मौसम के सामान्य होने की प्रतीक्षा करें।

यूपीएससी असिस्टेंट कमांडेंट परीक्षा संपन्न

RANCHI : दक्षिणी छोटा नागपुर प्रमंडल अंजनी कुमार मिश्रा ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सीएपीएफ असिस्टेंट कमांडेंट परीक्षा को शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न कराने को लेकर पदाधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि परीक्षा के एक दिन पूर्व से लेकर परीक्षा समाप्ति तक सभी ने अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन बखूबी निभाया है। सभी के कार्यो की जितनी भी सराहना की जाए कम होगी। उन्होंने पदाधिकारियों से आवश्यक सुविधाओं के बारे में भी जानकारी ली। रविवार को दो पालियों में परीक्षा आयोजित हुई। प्रथम पाली में पेपर - I के लिए 10 बजे पूर्वाह्न से 12 बजे मध्याह्न तक और द्वितीय पाली में पेपर - II के लिए 2 बजे अपराह्न से 5 बजे अपराह्न तक निर्धारित हुई। परीक्षा के लिए कुल 9 उप केंद्र बनाए गए थे। उक्त परीक्षा हेतु उप केंद्रों पर 3 एवं 4 अगस्त को सभी प्रकार की गतिविधियों पर रोक थी। आयुक्त ने बताया कि

मदई व बेयासी गांव में मचाया उत्पात, स्थानीय लोग परेशान

चान्हो में जंगली हाथियों का आतंक घरों को तोड़कर खा जा रहे अनाज

PHOTON NEWS RANCHI :

झारखंड की राजधानी रांची के चान्हो प्रखंड में जंगली हाथियों का उत्पात जारी है। हाथी लगातार आ रहे हैं और घरों में तोड़फोड़ कर रहे हैं। घर में रखे अनाज खा जा रहे हैं। इससे स्थानीय लोग परेशान हैं। जंगली हथियों के एक झुंड ने रविवार की रात को भी मदई व बेयासी गांव में उत्पात मचाया। वहां 3 घरों में तोड़फोड़ की और उन घरों में रखे धान, चावल व सरसों खा लिये। गांव में घुसने के दौरान इन हाथियों ने खेतों में लगी गन्ने व धान की फसल को भी नुकसान पहुंचाया। ग्रामीणों के अनुसार, राजधानी रांची से सटे चान्हो प्रखंड के मदई गांव में डेढ़ दर्जन से अधिक जंगली हाथी रविवार

की रात को करीब 12 बजे घुसे। इन हाथियों ने चिलगु उरांव, करमा उरांव, सोमरा उरांव के घर तथा भउवा उरांव के फार्म हाउस में बने दो कमरों को क्षतिग्रस्त कर दिया। चिलगु उरांव व करमा उरांव के घर में रखे 5 क्विंटल से अधिक धान खा ग। गांव में घुसते समय हाथियों ने रामचंद्र उरांव की गन्ने की फसल एवं जौनी उरांव, कुंवारी उरांव और बैजू उरांव की धान की फसल को रौंद दिया। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में हाथियों के पहुंचने की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने काफी मशक्कत के बाद किसी तरह से उन्हें गांव से बाहर खदेड़ा। पंचायत के मुखिया भोला उरांव के अनुसार, बेड़ो की ओर जाने के क्रम में हाथियों ने बेयासी गांव की सलीमा खातून की जमीन की बाउंड्री, खिड़की और दरवाजा को तोड़ दिया। घर के अंदर रखा करीब एक क्विंटल चावल हाथी खा गए। भोला उरांव ने हाथियों के फिर से गांव में लौटने की संभावना जताते हुए वन विभाग से अपील की है कि पंचायत के सभी गांवों के लोगों को हाथी भगाने का सामान उपलब्ध कराया जाए।

सियासत में नए समीकरण के खुलेंगे रास्ते, भाजपा से तालमेल जटिल समस्या

सरयू के जदयू में होने से आसान नहीं एनडीए की राह

PHOTON NEWS RANCHI :

झारखंड में विधानसभा चुनाव होने के पहले जमशेदपुर पूर्वी के निर्दलीय विधायक सरयू राय ने जदयू ज्वाइन कर राज्य की राजनीति में नया मोड़ ला दिया है। बेशक झारखंड में जदयू को एक नेता मिल गया है। चुनाव से पहले उनके इस कदम ने राज्य की राजनीति में कई तरह की चर्चा आरंभ कर दी है। आने वाले दिनों में इसके कई तरह परिणाम देखने को मिल सकते हैं। उनके इस पॉलिटिकल स्टैंड से झारखंड के राजनीतिक समीकरण को लेकर चचाओं का बाजार गर्म है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि जदयू में सरयू राय के शामिल होने से जमशेदपुर पूर्वी सीट से उनका दोबारा चुनाव लड़ना पक्का माना जा रहा है। लंबे समय से जमशेदपुर पूर्वी सीट पर काबिज रहे रघुवर दास अब ओडिशा के राज्यपाल बन चुके हैं। ऊपर से केंद्र में मोदी सरकार बनाने में जदयू ने अहम रोल अदा किया है। लिहाजा, सरयू राय की जदयू में वापसी से झारखंड में एनडीए फोल्डर का दायरा बढ़ना तय है, लेकिन तालमेल आसान भी नहीं है। सरयू राय और रघुवर दास के बीच का मतभेद जगजाहिर है। ऐसे में अमित शाह के खास कहे जाने वाले रघुवर दास अपनी राजनीतिक जमीन शिफ्ट होने देना नहीं चाहेंगे, लेकिन यह भी स्पष्ट है कि भाजपा के पास जमशेदपुर पूर्वी सीट के लिए कोई बड़ा चेहरा फिलहाल नहीं है। दोनों पार्टियों के वरिष्ठ नेताओं के स्तर पर सारे समीकरण सेट हो चुके हैं। क्योंकि, यहां एक तरफ बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हैं तो दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। ऐसे में किसी तीसरे नेता की दखलअंदाजी का कोई सवाल ही नहीं उठता।

मांडू और छतरपुर सीट पर दिख सकता है राजनीतिक बदलाव का असर

राजनीतिक बदलाव का असर मांडू और छतरपुर सीट पर भी देखने को मिल सकता है। जदयू के झारखंड अध्यक्ष खीरु महतो मांडू के विधायक रहे हैं। वर्ष 2019 में भाजपा की टिकट पर जेपी पटेल यहां से विधायक बने थे लेकिन वर्तमान लोकसभा चुनाव के वक्त कांग्रेस में शामिल होकर हजारीबाग से चुनाव लड़े थे। इसलिए खीरु महतो की कोशिश है कि उनके पुत्र दुष्यंत को वहां से टिकट मिले। वैसे आजसू का भी इस सीट पर दावा है। तीसरी सीट छतरपुर को लेकर है। वहां से पूर्व में विधायक रहीं सुधा चौधरी झारखंड में मंत्री रह चुकी हैं। सरयू राय की अपनी पार्टी भारतीय जन मोर्चा (भाजमो) के जदयू में मर्जर की तो यह समझना जरूरी है कि सरयू राय इस पार्टी के संरक्षक हैं। इस प्रक्रिया को पूरा करना पार्टी के अध्यक्ष का काम है। एक और खास बात है कि 2019 में रघुवर दास के मुख्यमंत्री रहते हुए सरयू राय ने अपनी जमशेदपुर पश्चिम सीट के बजाय जमशेदपुर पूर्वी सीट से चुनाव लड़कर उन्हें मात दे दी थी। आज भी इस बात की चर्चा होती है कि 2019 के चुनाव में सरयू राय के स्टैंड की वजह से भाजपा खासकर रघुवर दास के खिलाफ एक नैरेटिव सेट हो गया था,जिसका खामियाजा भाजपा को चुनाव में भुगतना पड़ा था।

उर्दू शिक्षक परीक्षा पेपर 4 में पूछे गए आउट ऑफ सिलेबस सवाल

RANCHI : झारखंड कर्मचारी चयन आयोग एक बार फिर अपने कारनामों के लिए सुर्खियों में है। दरअसल राज्य के होनहारों को अच्छी शिक्षा देने को लेकर सरकार ने बड़े पैमाने पर शिक्षकों की नियुक्ति की शुरूआत की थी। इस नियुक्ति का नाम सहायक आचार्य नाम दिया गया और यह नियुक्ति लगभग 26001 पदों पर होनी है। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग इस विवादमुक्त करने में असफल नजर आ रहा है। नियुक्ति को लेकर हुए पिछले 31 जून की उर्दू भाषा की 43ँ पेपर प्रवेश परीक्षा में अभ्यर्थियों को उल्टे सवाल दे दिए गए यानी की अभ्यर्थियों को जो सवाल मिले वह आउट ऑफ सिलेबस थे। क्लास 6 से 8 की परीक्षा के परीक्षार्थियों ने इसको लेकर कर्मचारी चयन आयोग झारखंड कार्यालय में 5 सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल झारखंड लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष से मिलकर अपनी बातों को रखी।

झारखंड में बढ़ रहे हैं साइबर अपराध के मामले

उचित जागरूकता के अभाव में बच्चे सबसे ज्यादा असुरक्षित

PHOTON NEWS RANCHI :

महामारी के बाद से, काम, स्कूल, खरीदारी, मनोरंजन और डॉक्टर के पास जाने जैसी नियमित गतिविधियों के लिए ऑनलाइन काफी बदलाव हुआ है और साइबर अपराध में तेजी आई है। मानवीय कारक साइबर सुरक्षा का एक केंद्रीय घटक हैं क्योंकि व्यक्तिगत व्यवहार, व्यक्तित्व लक्षण, ऑनलाइन गतिविधियाँ और प्रौद्योगिकी के प्रति दृष्टिकोण संवेदनशीलता को प्रभावित करते हैं। आईआईटी कानपुर द्वारा संचालित स्टार्टअप फ्यूचर क्राइम रिसर्च फाउंडेशन द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चलता है कि भारत में शीर्ष 10 साइबर अपराध केंद्रों (ज़िलों) के विश्लेषण से पता चलता है कि उनकी भेद्यता में योगदान देने वाले कई सामान्य कारक हैं और इनमें प्रमुख शहरी केंद्रों से भौगोलिक निकटता, सीमित साइबर सुरक्षा बुनियादी ढाँचा, आर्थिक चुनौतियाँ और कम डिजिटल साक्षरता शामिल हैं। अध्ययन से यह भी पता चला कि सिर्फ. शीर्ष 10 ज़िले ही देश में होने वाले 80% साइबर अपराधों में सामूहिक रूप से योगदान करते हैं। शीर्ष 10 जिले हैं - भरतपुर (18%), मथुरा (12%), नूह (11%), देवघर (10%), जामताड़ा (9.6%), गुरुग्राम (8.1%), अलवर (5.1%), बोकारो (2.4%), कर्मा टांड (2.4%) और गिरिडीह (2.3%) भारत में साइबर अपराध के मामलों में शीर्ष योगदानकर्ता हैं।

राष्ट्रीय अजजा आयोग की सदस्य ने वीमेंस यूनिवर्सिटी के छात्रावास का किया निरीक्षण

पूर्वी सिंहभूम के अधिकारियों के साथ की बैठक, विभिन्न योजनाओं का लिया जायजा

PHOTON NEWS JSR:
राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य डॉ. आशा लकड़ा की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय सभागार में बैठक हुई, जिसमें अनुसूचित जनजाति से संबंधित मामलों व सभी विभागों की योजनाओं में प्रगति से संबंधित समीक्षा की गई। सदस्य ने बताया कि राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग का गठन अनुसू?चित जनजातियों को शोषण के विरुद्ध सुरक्षा उपाय प्रदान करने के साथ-साथ उनके सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक हितों की रक्षा करने के लिए की गई है। समीक्षा के क्रम में सिविल सर्जन से स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत जिला अस्पताल और प्रखंड स्तरीय अस्पतालों में उपलब्ध सुविधाओं, चिकित्सकों, जीएनएम, एएनएम आदि की प्रतिनियुक्ति की जानकारी ली। अस्पतालों में चिकित्सकों के विजिट का रोस्टर तैयार कर उसका अनुपालन कराये जाने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही सभी टीकाकरण का प्रशिक्षण दिये जाने का भी निर्देश दिया गया। बैठक के पूर्व लकड़ा ने बिष्टुपुर स्थित वीमेंस कॉलेज के छात्रावास का निरीक्षण कर छात्राओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली । हॉस्टल में छात्राओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधा पर संतोष व्यक्त किया। बैठक में उपायुक्त अनन्य मित्तल, डीएफओ सबा आलम अंसारी, पीडी-आईटीडीए दीपांकर चौधरी मौजूद रहे।

छात्रावास का निरीक्षण करतीं आशा लकड़ा ● फोटोन न्यूज

सेंगेल ने सौंपा तीन सूत्री मांगपत्र

ज्ञापन देने पहुंचे सेंगेल कार्यकर्ता

JAMSHEDPUR : राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, नई दिल्ली की सदस्य डॉ. आशा लकड़ा को आदिवासी सेंगेल अभियान के प्रतिनिधियों ने तीन सूत्री मांगपत्र सौंपा गया। इसमें कहा गया है कि सभी आदिवासी गांव-समाज में संविधान, कानून एवं जनतंत्र जल्द लागू करें, क्योंकि आदिवासी स्वशासन व्यवस्था के नाम पर चालू वंशानुगत नियुक्त माझी-परगना व्यवस्था आदि इसको नहीं मानते हैं। राजतांत्रिक तानाशाही चलाते हैं। समाज में जबरन सामाजिक बहिष्कार, जुमार्ना, डायन प्रताड़ना, अंधविश्वास, नशापन, वोट की खरीद-बिक्री, महिला विरोधी मानसिकता जैसे असंवैधानिक कृतियों को बढ़ावा देते हैं। अंततः आदिवासी गांव समाज गुलामी का जीवन जीने को मजबूर हैं। आदिवासियों को सरना धर्म कोड दिया जाए तथा राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त संताली भाषा को अनुच्छेद 345 के तहत झारखंड में अविलंब प्रथम राजभाषा बनाया जाए। इस दौरान दिशोम सेंगेल परगना सोनाराम सोरेन, केंद्रीय सेंगेल संयोजक बिमो मुर्मू, पूर्वी सिंहभूम जिला सेंगेल परगना जूनियर मुर्मू, जयपाल मुर्मू आदि उपस्थित थे।

डिमना डैम के पास डॉक्टर से लूट मामले में सात गिरफ्तार

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिला स्थित बोड़ाम थाना अंतर्गत डिमना डैम में बीते दिनों अवध डेंटल कॉलेज के डॉक्टरों से डकैती करने के मामले में पुलिस ने सात लोगों को गिरफ्तार किया है। मानगो पुलिस ने मामले में सभी को गिरफ्तार किया है। वहीं मानगो पुलिस ने मामले से जुड़े एक अन्य व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया है। मामले का खुलासा तब हुआ जब मानगो चौक के पास गैरेज का संचालन करने वाले एक व्यक्ति ने दो दिनों पूर्व मानगो थाना में रंगदारी मांगने का एक मामला दर्ज कराया। इसमें जोशी नामक युवक समेत दो अन्य को आरोपी बनाया गया।
जांच करते हुए पुलिस ने पहले जोशी को हिरासत में लिया, फिर उससे पूछताछ के आधार पर पुलिस ने दो अन्य को भी गिरफ्तार किया। दोनों ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि उन्होंने डिमना डैम के पास भी डकैती की घटना को अंजाम दिया था। इसके बाद पुलिस ने छापेमारी कर सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस मामले का जल्द खुलासा करेगी।

सिदगोड़ा में बंद कंपनी क्वार्टर से शराब बरामद

छापेमारी के दौरान उपस्थित पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JSR:
सिदगोड़ा थाना अंतर्गत एग्रिको स्थित वर्कर्स फ्लैट के बंद क्वार्टर से 26 पेटी शराब बरामद की गई है। बरामद शराब पर अरुणाचल प्रदेश में बिक्री के लिए लिखा है। आबकारी विभाग ने शराब को जब्त कर लिया है। वहीं,अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दरअसल, उक्त क्वार्टर पर किसी ने अवैध कब्जा कर ताला लगा दिया था। 10 दिनों पूर्व टाटा स्टील यूआईएसएल ने क्वार्टर को कब्जा मुक्त करते हुए अपना ताला लगा दिया। इसी बीच फिर से किसी अज्ञात द्वारा क्वार्टर पर कब्जा कर लिया गया।

स्थानीय लोगों ने दी सूचना

स्थानीय लोगों ने कंपनी को कब्जे की सूचना दी। सूचना पर सोमवार को कंपनी की टीम क्वार्टर को कब्जा मुक्त करने के लिए पहुंची थी। टीम ने दरवाजे पर लगा ताला तोड़ा और अंदर गई तो पाया कि क्वार्टर में शराब की पेटियां पड़ी हैं। कंपनी ने तत्काल सिदगोड़ा थाना को सूचित किया। पुलिस ने स्थानीय लोगों से पूछताछ की, पर किसी ने कुछ नहीं बताया।

पासपोर्ट सत्यापन के लिए रुपये मांगने वाला दारोगा हुआ सस्पेंड

एसएसपी की ओर से कराई गई जांच

JAMSHEDPUR : बागबेड़ा थाना के दारोगा तेजप्रताप सिंह को एसएसपी किशोर कौशल ने सोमवार को सस्पेंड कर दिया। दारोगा तेजप्रताप पर पासपोर्ट वेरिफिकेशन के लिए पैसे मांगने का आरोप लगा था। इसको लेकर भुक्तभोगी ने कुछ दिनों पहले एसएसपी किशोर कौशल से मामले की लिखित शिकायत की थी, जिस पर कार्रवाई करते हुए दारोगा को सस्पेंड कर दिया गया है। शिकायतकर्ता ने एसएसपी को बताया था कि बागबेड़ा थाना के दरोगा तेज प्रताप उनसे पासपोर्ट वेरिफिकेशन के लिए रुपये मांग रहे है। एसएसपी ने मामले को गंभीरता से लिया और डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर तौकिर आलम को मामले की जांच का जिम्मा सौंपा था। जांच के दौरान डीएसपी ने मामले को सही पाते हुए जांच प्रतिवेदन एसएसपी को सौंपा, जिसके बाद एसएसपी ने कार्रवाई की।

पासपोर्ट वेरिफिकेशन में तेजी लाने का दिया था आदेश

एसएसपी किशोर कौशल ने बीते दिनों ही पुलिस कर्मियों के साथ एक बैठक की थी, जिसमें उन्होंने पासपार्ट वेरिफिकेशन का मुद्दा उठाया था। उन्होंने पासपोर्ट वेरिफिकेशन को सुगम करने के लिए हर थाना में अलग से एक अधिकारी नियुक्त करने का फैसला लिया था। इसके बाद से पासपोर्ट वेरिफिकेशन जल्द से जल्द किया जाने लगा।

साउथ बिहार एक्स. से गिरकर जवान घायल

JAMSHEDPUR : टाटानगर स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-4 पर आरा-दुर्ग साउथ बिहार एक्सप्रेस में चढ़ने के दौरान ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच गिरकर सीआरपीएफ जवान 45 वर्षीय के. झा घायल हो गए। सोमवार सुबह करीब 8.30 बजे हुई घटना के बाद स्टेशन पर अफरातफरी मच गई। मौजूद कांवरियों के शोर मचाने पर चालक ने ट्रेन रोक दी, जिसके बाद आनन-फानन में उन्हें इलाज के लिए रेलवे अस्पताल में भर्ती कराया गया।

एक ही रात में गिरफ्तार किए गए 11 वांछित अपराधी

CHAKRADHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिला के एसपी आशुतोष शेखर ने रविवार को रात्रिकालीन अभियान चलाने का निर्देश दिया था। इस पर अलग-अलग थाना क्षेत्रों में एक ही रात 11 वांछित अपराधियों को गिरफ्तार किया गया।

चतरा से चाईबासा तक विवि शिक्षकों ने किया प्रदर्शन

प्रोन्नति में विलंब, ओल्ड पेंशन के मुद्दे पर असमंजस से बढ़ा आक्रोश

घाटशिला कॉलेज में विरोध प्रदर्शन करते शिक्षक ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS GHATSILA:
राज्य के लगभग सारे विश्वविद्यालय एवं कॉलेजों में सैकड़ों शिक्षकों ने काला बिल्ला लगा कर रोष व्यक्त किया। विरोध करने वालों में हजारीबाग में सुबोध सिंह, कोल्हान में अशोक रवानी, रांची में जुटान के अध्यक्ष जगदीश लोहरा, मेदिनीनगर में डॉ. ऋचा सिंह, चतरा कॉलेज में मनीष दयाल, रामगढ़ कॉलेज में डॉ. रोज उरांव, कंजीव लोचन, डोरिस लीना मिंज, जुटान के महासचिव डॉ. हरीश कुमार, रामलखन सिंह यादव कॉलेज, रांची में नीतू कुमारी, सरायकेला से गुलशन कुमार, गंगानाथ झा, टाकू के महासचिव इंदल पासवान, डॉ. समर सिंह, गोविंद झा आदि शामिल थे।
घाटशिला कॉलेज में भी प्रदर्शन हुआ। जुटान के संयोजक कंजीव लोचन ने कहा कि प्रोन्नति में हो रहे विलंब के कारण शुरू हुए इस आंदोलन में भाग ले रहे शिक्षक नेताओ में अब ओल्ड पेंशन के मुद्दे पर भी अधीरता बढ़ रही है। झामुमो के मेनिफेस्टो के अनुसार 2004 के बाद नियुक्त राज्य सरकार के कर्मियों को जब पुरानी पेंशन योजना का लाभ दिया गया, तो विवि कर्मियों को क्यों नहीं। शिक्षक निकट भविष्य में मुख्यमंत्री के निवास पर एकत्र होकर उनसे मिल कर अपनी बात रखेंगे।

समाचार सार

सावन सुंदरी बनीं सुलभा शिंदे

CHAKRADHARPUR : मेरी सहेली महिला सशक्तीकरण नीतू साहू द्वारा संचालित ग्रुप की महिलाओं सोमवार को सावन मिलन और फ्रेंडशिप डे मनाया गया। रेलवे कॉलोनी स्थित महात्मा गांधी पार्क में आयोजित कार्यक्रम में सभी महिलाएं हरे व पीले रंग के परिधान में सजी थी। सोलह श्रृंगार व हाथों में मेहंदी रचाए महिलाओं ने एक-दूसरे को फ्रेंडशिप बैंड बांध कर दोस्ती निभाने व सुख-दुख में साथ रहने का वादा किया। इसके बाद सभी ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसी क्रम में सावन सुंदरी का चुनाव किया गया, जिसमें प्रथम स्थान पर सुलभा शिंदे रहीं, जबकि दूसरे स्थान पर सुषमा साव व मंजू नारायण और तीसरे स्थान पर कंचन छाबड़ा व एकता साव रहीं। सभी ने उत्साहपूर्वक सभी का अभिनंदन किया व शुभकामना दी। कार्यक्रम में नीतू साहू, प्रतिभा विकास, तनूजा शुक्ला, रेनू जायसवाल, सविता साव, एकता साव, रीता साव, किरण तिवारी, माया मिश्रा, बॉबी, आशा साव, सुषमा साव, मोनिका साव, रेनू कौर, सोनू, रश्मि, नूपुर बेनर्जी, कंचन छाबड़ा, डिप्पी कौर, नेहा अग्रवाल,अनीता गुप्ता, बबिता साव, कृष्णा चौधरी आदि उपस्थित रहीं।

दिनेश चौधरी की स्मृति में 140 यूनिट रक्त संग्रह

JAMSHEDPUR : सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा पूर्व उपाध्यक्ष दिनेश चौधरी की चौथी पुण्यतिथि पर 140 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। बिष्टुपुर स्थित चैंबर भवन में सोमवार को लगे शिविर का उद्घाटन एसडीओ, धालभूम पारूल सिंह व टाटानगर के एआरएम अभिषेक सिंघल ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर चैंबर के अध्यक्ष विजय आनंद मूनका ने कहा कि स्व. दिनेश चौधरी चैंबर के कर्मठ सदस्य थे। पदाधिकारी के रूप में भी विभिन्न पदों पर उन्होंने व्यवसायी- उद्यमियों के प्रति सदा निष्पक्ष रूप से कार्य किया। उनका निधन कोरोना से 4 अगस्त 2020 को हुआ था। शिविर को सफल बनाने में महासचिव मानव केडिया, उपाध्यक्ष अनिल मोदी, अधिवक्ता राजीव अग्रवाल, पुनीत कांवटिया, अभिषेक अग्रवाल गोल्डी, सचिव भरत मकानी, अधिवक्ता अंशुल रिंगसिया, बिनोद शर्मा, सुरेश शर्मा लिपु, कोषाध्यक्ष सीए अनिल रिंगसिया सहित अन्य सदस्य सक्रिय रहे।

बाल सम्प्रेक्षण गृह की ऊंची दीवार फांदकर तीन बंदी भागे, हुए घायल

चाईबासा-सरायकेला सड़क पर वाहन की चपेट में आए

PHOTON NEWS CHAIBASA:
पश्चिमी सिंहभूम जिला के मुख्यालय चाईबासा स्थित बाल सम्प्रेक्षण गृह की दीवार फांदकर तीन बंदी रविवार की रात भाग निकले। भागने के क्रम में तीनों बंदी अज्ञात वाहन की चपेट में आकर बुरी तरह जख्मी हो गए। तीनों को जमशेदपुर के एमजीएम अस्पताल के हड्डी रोग वार्ड में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि तीनों रेप और हत्या जैसे जघन्य कांड के आरोपित हैं और मूल रूप से सरायकेला थाना क्षेत्र के निवासी हैं। बाल सम्प्रेक्षण गृह से भागने के बाद तीनों सरायकेला जा रहे थे। इसी क्रम में किसी वाहन की चपेट में आ गए। एमजीएम अस्पताल में पहुंचने पर जब पता चला कि तीनों बाल बंदी हैं और सम्प्रेक्षण गृह से भागे हैं तो तत्काल इसकी सूचना चाईबासा पुलिस को दी गई। मुफस्सिल थाना प्रभारी रंजीत उरांव ने एमजीएम अस्पताल जाकर तीनों की स्थिति का जायजा लिया है। तीनों की हड्डी टूट गयी है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार हत्या और दुष्कर्म जैसे मामले में सरायकेला पुलिस ने उन्हें निरुद्ध किया था। चाइबासा के बाल सम्प्रेक्षण गृह में इन लोगों ने सप्ताह भर पहले भागने की योजना बनाई। रविवार को मध्य रात्रि के बाद करीब एक बजे तीनों चुपचाप 12 से 15 फीट ऊंची दीवार फांदकर फरार हो गए। हालांकि तीनों के मिल जाने से प्रशासन ने राहत की सांस ली है। चाईबासा के बाल सुधार गृह में 60 से अधिक बंदी हैं। इनमें से 10-12 बंदी 18 आयु वर्ष के करीब हैं। ये बंदी गृह में आए दिन बदमाशी करते हैं। पूर्व में इन्हें सिमडेगा भेजने की तैयारी थी।

> तीन बंदियों के बाल सम्प्रेषण गृह से भागने की सूचना मिली थी। तीनों भागने के क्रम में सरायकेला मार्ग पर जख्मी होकर जमशेदपुर के एमजीएम अस्पताल में भर्ती हुए हैं। ये लोग किन परिस्थिति में भागे, इसकी जांच की जा रही है।
> -आशुतोष शेखर, पुलिस अधीक्षक, पश्चिमी सिंहभूम।

वर्कर्स कॉलेज में बीकॉम छात्रों का हुआ परिचय सत्र

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर वर्कर्स कॉलेज के कॉमर्स विभाग द्वारा बीकॉम सेमेस्टर-क के छात्रों के लिए सोमवार को इंटरैक्शन मीटिंग हुआ। प्राचार्य डॉ. सत्यप्रिय महालिक की अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम के मुख्यवक्ता डॉ. प्रभात कुमार पाणि थे, जो कोल्हान यूनिवर्सिटी के पूर्व परीक्षा नियंत्रक और वित्त पदाधिकारी रह चुके हैं। इनके द्वारा छात्रों को चारवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में कॉमर्स विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. वीके मिश्रा डॉ. एके सिंह, डॉ. एसी पाठक, डॉ. मोनीदीपा दास, डॉ. संजू, डॉ. मीतू आहूजा और मालिका उपस्थित थे।

भाजपा के खिलाफ सुखराम कर रहे झूठा प्रचार: शशिभूषण सामड

प्रेस कांफ्रेंस करते शशिभूषण सामड ● फोटोन न्यूज

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर के पूर्व विधायक शशिभूषण सामड ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चक्रधरपुर के विधायक सह झामुमो के पश्चिमी सिंहभूम जिला अध्यक्ष सुखराम उरांव पर भाजपा के खिलाफ झूठा प्रचार करने का आरोप लगाया है। सामड ने कहा कि विधायक ग्रामीण कार्य विभाग के प्रमुख अभियंता रांची को विभागीय निविदा समिति की कार्यवाही में अनियमितता की शिकायत को लेकर परेशान हैं। वह शिकायत केवल संबंधित विभाग के अधिकारी को की गई है, ताकि टेंडर में हुई गड़बड़ी पर कार्रवाई हो सके। ईडी या सीबीआई से जांच कराने की बात निराधार है। विधायक को तथ्यों के साथ बात करनी चाहिए, मनगढ़ंत बातें कर जनता को दिग्भ्रमित नहीं करना चाहिए। वहीं, अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अशोक षाड़ंगी ने कहा कि लोकसभा का चुनाव अलग है और विधानसभा का चुनाव अलग है। झामुमो इस गुमान में ना रहे कि लोकसभा चुनाव की तरह जनता विधानसभा चुनाव में भी उन्हें वोट करेगी।

एनआईटी जमशेदपुर की छात्रा को रिकार्ड 1.23 करोड़ का पैकेज

PHOTON NEWS SARAIKELA:
सरायकेला-खरसावां जिला के आदित्यपुर स्थित एनआईटी जमशेदपुर के इतिहास में पहली बार किसी विद्यार्थी को 1.23 करोड़ का पैकेज मिला है। संस्थान की ओर से वर्ष 2023-24 का प्लेसमेंट रिकार्ड जारी किया गया है। जारी आंकड़ों के अनुसार अब तक के सारे रिकार्ड को तोड़ते हुए बीटेक कंप्यूटर साइंस की छात्रा श्रृष्टि चिरानिया को अमेरिका की कंपनी रुब्रिक ने 1.23 करोड़ प्रतिवर्ष के पैकेज पर सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर लॉक किया है। वह मूल रूप से बिहार के भागलपुर की रहने वाली है। पिछले वर्ष का अधिकतम पैकेज 82 लाख रुपये था। इसके साथ ही संस्थान के छह छात्रों को प्रसिद्ध बहुराष्ट्रीय सॉफ्टवेयर कंपनी एटलासियान ने 82 लाख रुपये प्रतिवर्ष के पैकेज पर लॉक किया है।
यह जानकारी एनआईटी जमशेदपुर के निदेशक प्रो. डॉ.. गौतम सूत्रधर व ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट पदाधिकारी प्रो. एके चौधरी ने दी है। शैक्षणिक सत्र 2023-24 में अब तक 93.76 प्रतिशत छात्रों का प्लेसमेंट हो चुका है। वर्तमान प्लेसमेंट सत्र के आंकड़े एनआईटी जमशेदपुर के छात्रों के लिए उपलब्ध अवसरों की व्यापकता को उजागर करते हैं। प्लेसमेंट के लिए पंजीकृत 673 छात्रों (बी.टेक में) में से, 311 छात्रों ने 10 लाख रुपये से अधिक का आफर प्राप्त किया। इसके अलावा 70 छात्रों ने 20 लाख, 37 छात्रों ने 30 लाख और 11 छात्रों ने 50 लाख रुपये से अधिक का आफर प्राप्त किया। अगर औसत पैकेज की बात करें तो यह 12.63 लाख प्रतिवर्ष का रहा।

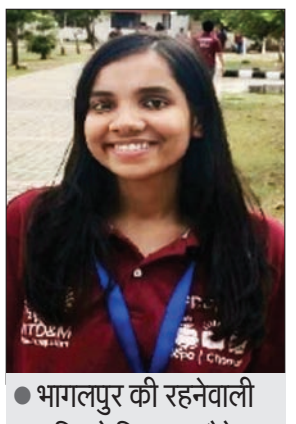

- भागलपुर की रहनेवाली श्रृष्टि को मिला यह पैकेज, रचा इतिहास
- संस्थान के छह छात्रों को मिला 82 लाख रुपये प्रतिवर्ष का पैकेज
- औसत पैकेज रहा 12.63 लाख रुपये प्रतिवर्ष

उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई सिदो-कान्हू कृषि एवं वनोपज जिला सहकारी संघ लि. के निदेशक पर्षद की बैठक

पूर्वी सिंहभूम में काजू व टोमैटो प्रोसेसिंग यूनिट लगाने की तैयारी

- स्थानीय उत्पादों का संग्रहण, प्रसंस्करण एवं बेहतर बाजार उपलब्ध कराने पर हुई चर्चा

PHOTON NEWS JSR :
समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अनन्य मित्तल की अध्यक्षता में सिदो-कान्हू कृषि एवं वनोपज जिला सहकारी संघ लि. के निदेशक पर्षद की बैठक हुई। इसमें स्थानीय कृषि एवं वनोपज आधारित प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित कर स्थानीय उत्पाद को पहचान एवं बाजार तथा किसानों की समृद्धि के लिए खासकर काजू प्रोसेसिंग यूनिट, बांस से संबंधित लघु उद्योग यूनिट तथा टोमैटो सॉस प्रोसेसिंग यूनिट अधिष्ठापन के लिए डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) बनाते हुए विभाग को प्रस्ताव बढ़ाने का निर्देश दिया गया।
उपायुक्त ने कहा कि वनोपज के अंतर्गत काजू, बांस, इमली एवं महुआ तथा कृषि उत्पाद अंतर्गत धान, टमाटर एवं सब्जियों का प्रचुर मात्रा में जिले में उत्पादन होता है। ऐसे में जरूरी है कि किसानों के हित को ध्यान में रखकर कार्ययोजना बनाते हुए सहकारी संघ के माध्यम से सभी के समृद्धि की दिशा में कार्य किया जाए।
सिदो-कान्हू कृषि एवं वनोपज जिला सहकारी संघ लि. के कार्यालय के संचालन के लिए उपस्कर क्रय को 16 लाख रुपये का अनुमोदन किया गया। इसके अलावा कार्यालय के लिए भवन आवंटन एवं उसके रखरखाव पर चर्चा की गई। इसके साथ ही दैनिक कार्यों के संपादन के लिए स्थानीय व्यवस्था के तहत स्वीकृत पदों के तहत अधिकारियों, कर्मियों की प्रतिनियुक्ति को विभाग से पत्राचार करने का निर्देश जिला सहकारिता पदाधिकारी को दिया गया। इसके अलावा स्थापना मद के व्यय की भी चर्चा की गई।
बैठक में सिदो-कान्हू कृषि एवं वनोपज जिला सहकारी संघ लि. में शामिल कुल 20 लैम्पस सदस्यों के अलावा मुटुरखाम लैम्पस, प्रखण्ड-चाकुलिया को नए सदस्य के रूप सदस्यता के प्रस्ताव को स्वीकृत किया गया।
बैठक में पीडी-आईटीडीए दीपांकर चौधरी, अपर उपायुक्त योगेंद्र प्रसाद, जिला सहकारिता पदाधिकारी आशा टोप्पो समेत पर्षद के सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक करते उपायुक्त अनन्य मित्तल व अन्य ● फोटोन न्यूज

मुख्यमंत्री मंईयां योजना में बिचौलिए कर रहे वसूली, उपायुक्त हुए सख्त

- कहा-शिकायत करें, तत्काल कार्रवाई होगी ब्लैक एंड व्हाइट फोटोकॉपी भी स्वीकार्य

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिले में पंचायत स्तर पर मुख्यमंत्री मंईयां योजना का शिविर चल रहा है। इसमें बिचौलिए द्वारा पैसे लेकर फॉर्म बेचने की शिकायत आ रही है। इस पर उपायुक्त ने कहा कि फॉर्म निशुल्क उपलब्ध है। फॉर्म के लिए पैसे मांगे जाने पर शिकायत करें, तत्काल कार्रवाई होगी। उपायुक्त ने कहा कि उक्त योजना के सुयोग्य लाभुकों को निशुल्क फॉर्म उपलब्ध कराया जा रहा है। अपने आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका से निशुल्क फॉर्म प्राप्त करें और भरकर कैंप में जमा करें। रंगीन फॉर्म जमा करने की कोई बाध्यता नहीं है, पीडीएफ का ब्लैक एंड व्हाइट जेरोक्स कॉपी भी स्वीकार किए जाएंगे। वेबसाइट से भी फॉर्म डाउनलोड किया जा सकता है। सभी आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका को निर्देश दिया गया है कि ऑनलाइन डाऊनलोड फॉर्म या पीडीएफ का ब्लैक एंड व्हाइट जेरॉक्स कॉपी या भौतिक रूप से उपलब्ध कराए फॉर्म तीनों में से कोई भी एक फॉर्म लाभुक भरकर लाते हैं तो जमा लेना है।

मानसून में रेनकोट नहीं का ऐसे रखें ध्यान

बारिश के मौसम में रेनकोट बड़े काम की चीज होती है। खासकर जब ऑफिस जाना हो या जब बच्चे स्कूल जाते हैं और तेज बारिश होने लगे तो रेनकोट का महत्व बढ़ जाता है। लेकिन बारिश के मौसम में रेनकोट का इस्तेमाल करने के बाद उसका सही से ध्यान नहीं रख जाता है तो रेनकोट ख़राब भी हो जाता है या रेनकोट के ऊपर फफूंदी के दाग भी लग जाते हैं। ऐसे में हम आपको कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं जिन्हें फॉलो करके आप रेनकोट को हमेशा नया बनाकर रख सकते हैं।

ऐसे करें सफाई

रेनकोट की सफाई करना काफी आसान है, लेकिन ध्यान से साफ नहीं किया गया तो रेनकोट ख़राब भी हो सकता है। इसलिए उसकी सफाई कर आपको ध्यान देने की ज़रूरत है। रेनकोट को साफ करने के लिए आपको माइल्ड डिटर्जेंट का इस्तेमाल करना चाहिए। इसके लिए एक लीटर पानी में माइल्ड डिटर्जेंट को डालकर अच्छे से मिक्स कर लें और रेनकोट को डालकर कुछ देर छोड़ दें। कुछ देर बाद सॉफ्ट हाथों से साफ कर लें और हवा के नीचे के रख दें।

ऐसे निकाले दाग

अगर रेनकोट पर मिट्टी या फिर फिर किसी अन्य चीज का दाग लग गया है तो आप उसे आसानी से साफ कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले एक बार नॉर्मल पानी से साफ कर लें। अब दाग वाली जगह पर नींबू के रस को डालकर कुछ देर के लिए छोड़ दें। कुछ देर बाद सॉफ्ट क्लीनिंग ब्रश से दाग को साफ कर लें। साफ करने के बाद हवा के नीचे रख दें।

तेज धूप में न रखें

जी हां, अगर इस्तेमाल करने के बाद रेनकोट को तेज धूप में रखते हैं तो रेनकोट कभी भी ख़राब हो सकता है। इसलिए रेनकोट का इस्तेमाल करने के बाद तेज धूप में नहीं बल्कि फंखा के नीचे रख दें। जब रेनकोट से पानी पूरी तरीके से निकल जाए तो फिर आप उसे फोल्ड करके रख सकते हैं।

पैक करके रखने से पहले रखें ये ध्यान

ऐसा नहीं कि इस्तेमाल किया और सीधा फोल्ड करके रेनकोट को अंदर रख दिया। इससे रेनकोट कभी भी ख़राब हो सकता है। ऐसे में एक से दो-दिन सूखने के बाद ही रेनकोट को पैक करके अंदर रखें। रेनकोट पैक करने वक्त आप एक पेपर में नेप्थलीन की गोली लपेट लीजिए और अंदर रख दें। इससे रेनकोट फ्रेश रहेगा।

मानसून के मौसम में घर के अंदर होती है घुटन

तो अपनाएं ये कमाल के वेंटिलेशन डिजाइन

वेंटिलेशन एक अहम प्रक्रिया है, क्योंकि यह बासी हवा को ताजी हवा से बदल देता है। खराब वेंटिलेशन की वजह से कार्बन जमा हो सकता है और इससे घर में बैक्टीरिया भी बढ़ सकते हैं।

मानसून का मौसम खुशियों और त्योहारों का मौसम होता है, लेकिन साथ ही यह घर में घुटन और उमस का भी मौसम होता है। बंद खिड़कियां और दरवाजे, बारिश का पानी, और हवा में नमी घर के अंदर एक भारीपन सा माहौल पैदा कर सकती है। लेकिन अब आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है। कुछ आसान वेंटिलेशन डिजाइन अपनाकर आप अपने घर को हवादार और खुशनुमा बना सकते हैं।

वेंटिलेशन डिजाइन क्या है

वेंटिलेशन डिजाइन, घरों में ताजी हवा के प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए की जाने वाली प्रक्रिया है। इसमें कमरे से प्रदूषित हवा को बाहर निकालकर बाहर से ताजी हवा दी जाती है।

वेंटिलेशन डिजाइन के कई फायदे हैं

- ठंड के मौसम में हवा की गुणवत्ता बनाए रखना
- गर्म मौसम में तापमान को कंट्रोल करना
- नमी, धुआं, खाना पकाने की गंध, और इनडोर प्रदूषकों से छुटकारा पाना
- अटारी में गर्मी के स्तर को कंट्रोल करना
- क्रॉलस्पेस और बेसमेंट में नमी को कंट्रोल करना
- दीवारों से नमी को दूर रखना
- पानी के इस्तेमाल के कारण नमी के प्रभाव को कंट्रोल करना
- कंप्यूटिंग गैजेट से केमिकल के उत्सर्जन को कंट्रोल करना
- खाना पकाने के कारण दहन को कंट्रोल करना
- घर में गंध को कंट्रोल करना
- घर के अंदर अलग से कार्बन डाइऑक्साइड को कंट्रोल करना

घर में वेंटिलेशन के कई तरह के हो सकते हैं

नेचुरल वेंटिलेशन

खिड़कियों और दरवाजों के जरिए हवा का आना-जाना। यह वेंटिलेशन का सबसे बेहतर तरीका है। इसलिए, जब भी संभव हो, खिड़कियां और दरवाजे खोलकर ताजी हवा को घर के अंदर आने दें। विपरीत दिशाओं में खिड़कियां और दरवाजे खोलकर हवा को घर से गुजरने का रास्ता दें। छत या दीवारों में रोशनदान सेट करें ताकि ऊपर की गर्म हवा बाहर निकल सके। बाथरूम और रसोई में एयर वेंट लगाएं, जहां नमी और गंध जमा होने की संभावना होती है। घर के अंदर कुछ छोटे पौधे लगाएं जो हवा को शुद्ध करने में मदद करते हैं।

मेकैनिकल वेंटिलेशन

इसमें बाहरी पंखे, अटारी पंखे और पूरे घर के पंखे शामिल हैं। नए और मौजूदा दोनों तरह के ऊर्जा-कुशल घरों में इनडोर एयर क्वालिटी बनाए रखने के लिए यांत्रिक वेंटिलेशन की जरूरत होती है। छत के पंखे और टेबल फैन का इस्तेमाल करके हवा को घुमाएं। इसमें हीट रिकवरी वेंटिलेशन या एनर्जी रिकवरी वेंटिलेशन शामिल हैं। वेंटिलेशन एक अहम प्रक्रिया है, क्योंकि यह बासी हवा को ताजी हवा से बदल देता है। खराब वेंटिलेशन की वजह से कार्बन जमा हो सकता है और इससे इमारत में बैक्टीरिया भी बढ़ सकते हैं। इसलिए, वेंटिलेशन सिस्टम चुनते समय आपके घर के लेआउट और जरूरतों को ध्यान में रखना जरूरी है। आप इन तरीकों से अपने घर में वेंटिलेशन बढ़ा सकते हैं

- मौजूदा वेंटिलेशन सिस्टम का सही इस्तेमाल करें
- खिड़कियां या जालीदार दरवाजे खोलें
- रसोई में वेंटिलेशन पंखा लगाएं

अपने घर में वेंटिलेशन कैसे बढ़ाएं

घर और खुले स्थानों की ओर हवा लाने के लिए पेड़ लगाएं। पेड़ों को एक-दूसरे के बहुत पास न लगाएं, क्योंकि पत्ते हवा को अंदर नहीं आने देते। तेज हवाओं के दौरान नुकसान से बचने के लिए पेड़ों और घर के बीच दूरी बनाएं। पेड़ से घर की दूरी पेड़ की ऊंचाई से ज्यादा होनी चाहिए। अगर आपके घर में विंडो एयर कंडीशनर है, तो उसे चलाएं जिसमें बाहरी हवा का प्रवेश या वेंट हो। वेंट खुला रहने दें। अगर आपके HVAC सिस्टम में बाहरी हवा का प्रवेश है, तो उसे खोलें। अगर आपने छत का पंखा नहीं लगवाया है, तो खुली खिड़की के पास जितना हो सके, एक स्टैंडअलोन पंखा लगाएं ताकि हवा बाहर की ओर जाए। अच्छे वेंटिलेशन से घर में ताजी हवा आती है, हवा फ़िल्टर होती है, और हवा का प्रवाह बेहतर होता है। इससे वायरस के कण कम होते हैं और बीमारियां फैलने से रोका जा सकता है। साथ ही, हवादार घर में धूल के कणों को कंट्रोल रखा जा सकता है।

सावन के मौके पर घर के आंगन से लेकर मंदिर तक में बनाएं जा सकते हैं भगवान शिव से जुड़ी रंगोली के ये डिजाइंस

घर को सजाना हम सभी पसंद करते हैं। वहीं तीज-त्योहार के मौके पर हम घर में साफ-सफाई से लेकर पूजा पाठ तक करते हुए कई चीजों का खासतौर से ध्यान रखते हैं।

सावन का महीना शुरू हो चुका है। हर सोमवार को पत्नियां अपने पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखती हैं और भगवान शिव की पूजा करती हैं। इस दिन पाठ-पूजा भी की जाती है। इस मौके पर आप घर के मंदिर में भगवान शिव से जुड़ी कई तरह की रंगोली बनाई जा सकती हैं। सावन के खास मौके पर मंदिर में बनाने के लिए रंगोली के कुछ आसान और खास डिजाइंस।

ओम रंगोली डिजाइन

भगवान शिव का चित्र बनाना आपके लिए थोड़ा मुश्किल हो सकता है। इसके लिए आप घर के मंदिरके बाहर बड़े साइज की थाली या पूजा घर में ओम नाम: शिवाय लिख सकती हैं या केवल ओम भी रंगों या फूलों से लिख सकती हैं। रंगोली को भरा-भरा बनाने के लिए आप पहले बैकग्राउंड के लिए गोलाई में फ्रेम को तैयार करें।

शिवलिंग रंगोली डिजाइन

घर के मंदिर में भगवान शिव की प्रतिमा के सामने आप रंगों की मदद से शिवलिंग रंगोली के माध्यम से बना सकती हैं। इसके लिए आप काले रंग के अलावा अन्य कई रंग इस्तेमाल कर सकती हैं। शिवलिंग के साथ में आप बेलपत्र और फूल डिजाइन की रंगोली भी बना सकती हैं। बेलपत्र और फूलों के डिजाइन को 3डी बनाने के लिए माचिस की तीली की मदद लें।

त्रिशूल रंगोली डिजाइन

ओम के अलावा आप त्रिशूल के डिजाइन को डमरू के साथ में बना सकती हैं। इसके लिए आप भूरे रंग के साथ नारंगी रंग को चुनकर डिजाइन को पूरा करें। आस-पास चाहे तो बॉर्डर के लिए बेलपत्र रंगोली डिजाइन को बना सकती हैं। त्रिशूल और डमरू के आकार को डेप्थ देने के लिए आप सफेद रंग से आउटलाइन कर सकती हैं।

भगवान शिव रंगोली डिजाइन

अगर आप कला से जुड़ी व्यक्ति हैं और तरह-तरह के चित्र बनाना पसंद करती हैं तो इस तरह से नीले रंग की मदद लेकर भगवान शिव के चेहरे को रंगोली में बना सकती हैं। रंगोली के डिजाइन को पूरा करने के लिए इस तरह के चावल की मदद से बनाया चांद डिजाइन को आकर्षक भी बनाने में मदद करेगा। दीपक जलाकर आप पूजा सकती हैं।

शिवलिंग रंगोली डिजाइन

घर के मंदिर में भगवान शिव की प्रतिमा के सामने आप रंगों की मदद से शिवलिंग रंगोली के माध्यम से बना सकती हैं। इसके लिए आप काले रंग के अलावा अन्य कई रंग इस्तेमाल कर सकती हैं। शिवलिंग के साथ में आप बेलपत्र और फूल डिजाइन की रंगोली भी बना सकती हैं। बेलपत्र और फूलों के डिजाइन को 3डी बनाने के लिए माचिस की तीली की मदद लें।

त्रिशूल रंगोली डिजाइन

ओम के अलावा आप त्रिशूल के डिजाइन को डमरू के साथ में बना सकती हैं। इसके लिए आप भूरे रंग के साथ नारंगी रंग को चुनकर डिजाइन को पूरा करें। आस-पास चाहे तो बॉर्डर के लिए बेलपत्र रंगोली डिजाइन को बना सकती हैं। त्रिशूल और डमरू के आकार को डेप्थ देने के लिए आप सफेद रंग से आउटलाइन कर सकती हैं।

भगवान शिव रंगोली डिजाइन

अगर आप कला से जुड़ी हैं और तरह-तरह के चित्र बनाना पसंद करती हैं तो इस तरह से नीले रंग की मदद लेकर भगवान शिव के चेहरे को रंगोली में बना सकती हैं। रंगोली के डिजाइन को पूरा करने के लिए इस तरह के चावल की मदद से बनाया चांद डिजाइन को आकर्षक भी बनाने में मदद करेगा। दीपक जलाकर आप पूजा सकती हैं।

मोनोक्रोम आउटफिट में स्टनिंग दिखने के लिए इन टिप्स की लें मदद

मोनोक्रोम आउटफिट स्टाइलिंग पिछले काफी समय से चलन में है। जिन महिलाओं के लिए कलर ब्लॉकिंग या कलर व्हील को ध्यान में रखकर सही कलर चुनने में परेशानी होती है, उनके लिए मोनोक्रोम आउटफिट स्टाइल करना अच्छा ऑप्शन है। चूंकि इसमें आपको डिफरेंअ कलर्स सलेक्ट को लेकर बहुत अधिक परेशान नहीं होना पड़ता है और इसे स्टाइलिंग का सेफ ऑप्शन माना जाता है। लेकिन मोनोक्रोम आउटफिट को स्टाइल करना भी इतना आसान नहीं होता। अगर आप मोनोक्रोम आउटफिट कैरी करना चाहती हैं तो यह जरूरी है कि आप इसे स्टाइल करते समय कुछ बातों का खासतौर पर ध्यान रखें। अगर इसकी स्टाइलिंग के दौरान आपसे गड़बड़ी हो जाती है तो आपका लुक एकदम डल व बोरिंग नजर आता है। मोनोक्रोम आउटफिट की स्टाइलिंग के दौरान आपको कलर्स सलेक्शन से लेकर प्रिंट्स व पैटर्न आदि पर भी उतना ही ध्यान देना होता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको मोनोक्रोम आउटफिट को स्टाइल करने के कुछ बेहतरीन आईडियाज शेयर कर रहे हैं, जिसे जानने के बाद आपको अपने लुक को एन्हॉन्स करना आसान हो जाएगा-

सही हो कलर

मोनोक्रोम आउटफिट में खुद को स्टाइल करते समय जिस बात का सबसे अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए, वह है कलर। आप किसी भी कलर शेड को सलेक्ट करते समय अपनी स्किन टोन व ओकेजन का खास ख्याल रखें। मसलन, अगर आप ऑफिस में मोनोक्रोम आउटफिट को स्टाइल कर रही हैं तो ऐसे में आप व्हाइट व ब्लैक कलर को प्राथमिकता दे सकती हैं। वहीं एक पॉप लुक के लिए आप कुछ ब्राइट कलर्स व नियॉन कलर सलेक्ट करें।

लाइट व डार्क शेड

कई बार ऐसा होता है कि हम मोनोक्रोम लुक तो कैरी करना चाहते हैं, लेकिन एक ही कलर में डिफरेंट शेड्सको सलेक्ट करते हैं। इस तरह डिफरेंट शेड्स आपके लुक को खास बनाते हैं। हालांकि, इस दौरान भी आपको शेड्स को सलेक्शन स्मार्टली करना होता है। मसलन, लाइट टिंट आंख को आकर्षित करेगा और उस बॉडी पार्ट को अधिक हाइलाइट करेगा, जबकि एक डार्क शेड ध्यान भटकाएगा। इस तरह आप सही शेड सलेक्शन करें।

एसेसरीज का लें सहारा

मोनोक्रोमेटिक लुक कुछ लड़कियों को काफी बोरिंग लगता है। अगर आपके साथ भी ऐसा ही है तो आप कुछ एसेसरीज के जरिए अपने लुक को स्पाइस अप कर सकती हैं। मसलन, आप हैट से लेकर सनग्लासेस, कुछ चंकी ज्वैलरीज आदि को अपने आउटफिट के साथ पेयर करें। यह आपके लुक की एकरसता को ब्रेककरेंगे और आपके लुक को अधिक स्टाइलिश बनाएंगे।

यूं एड करें टेक्सचर

अगर आप मोनोक्रोम आउटफिट को स्मार्टली कैरी करती हैं तो इससे आप अपने लुक में टेक्सचर को भी बेहद खूबसूरती के साथ शामिल कर सकती हैं और अपने लुक को खास बना सकती हैं। मसलन, आप एक स्लीक टॉप के साथ वुलन स्कर्ट को पेयर कर सकती हैं या फिर बल्कि निट स्वेटर के साथ स्लिम या शाइनी पैंट्स को स्टाइलकिया जा सकता है और इस तरह आप खुद को स्टाइल कर सकती हैं।

फुटवियर सलेक्ट

मोनोक्रोमेटिक लुक में आपके फुटवियर भी काफी अहम् होते हैं। इसमें भी आप कलर्स का सलेक्शन इस आधार पर करें कि आप किस तरह का लुक कैरी करना चाहती हैं। मसलन, व्हाइट, ब्लू एंड ब्लैक कलर मोनोक्रोमेटिक लुक में आप मैचिंग फुटवियर कैरीकरके एक एलीगेंट लुक पा सकती हैं। वहीं, अगर आप थोड़ा एक्सपेरिमेंटल होना चाहती हैं तो ऐसे में प्रिंटेड या फिर ब्राइट व नियॉन कलर को चुन सकती हैं। यह आपके लुक को एकदम से चेंज कर देगा।

विलुप्त हुई सावन में झूला झूलने की परंपरा

आधुनिक युग ने बहुत कुछ बदल दिया। देशी किस्म की अनगिनत परम्पराएं व रीति-रिवाज विलुप्त कर दिए हैं। इस कड़ी में सावन माह में झूला झूलना भी शामिल है। एक जमाना था, जब झूलों का ग्रामीण औरतें बेसब्री से इंतजार करती थीं कि कब सावन माह का आगमन हो और वो पेड़ों पर रस्से बांधकर झूला झूलें। पर, अफसोस सावन तो हर साल आता है लेकिन झूले नहीं। आज से नहीं, बल्कि सदियों से सावन महीने का झूलों से गहरा नाता रहा है। सनातनी परंपरा के लिहाज से सावन को झूला झूलने वाला माह कहा गया है। हालांकि, झूला झूलना सिर्फ सनातन परंपरा तक ही सीमित नहीं, बल्कि प्रत्येक धर्म के लोग इस पर्व में सहस्त्र शामिल होते रहे हैं। समय बदला, तीज-त्यौहार और रिवायतें भी बदल गईं। साथ ही झूलों की परंपराएं भी। अब कहीं भी सावन के झूले नहीं दिखाई पड़ते। गांवों में दिख जाएं, तो बड़ी बात है। पर, याद सभी करते हैं कि सावन तो आता है लेकिन अपने साथ झूले नहीं लाता। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे झूले कहीं बीच में छूट गए हैं। इस परंपरा के विलुप्त होने के कुछ वास्तविक कारण भी हैं। घरों में आंगनों का खत्म होना, बाग-बगीचे, तालाब-पोखर नष्ट हो गए हैं। पैड़-पौधों को लगाने में लोग कंजूसी दिखाते हैं। तेजी से बढ़ती आबादी के चलते आवासीय जगह सिमट गईं। बात ज्यादा पुरानी नहीं है, एकाध दशक पूर्व से झूले की परंपराएं धराशायी हुई हैं। सन-1999 के बाद जैसे ही 2000 में जमाने ने प्रवेश किया, झूले शून्यता की ओर बढ़े। दरअसल, ये ऐसा वक्त था, जहां से जमाने ने खुद को मॉर्डर्न होना आरंभ किया। तभी से पुरानी परंपराओं ने तेजी से तौबा कहना शुरू किया। फ्लैट संस्कृति का बढ़ना, कच्चे घरों की जगह पक्के मकानों का निर्माण, आमजनों की पहुंच तक फोन-मोबाइल की रीच, नई पीढ़ी का पुरानी रिवायतों से मुंह मोड़ना, जैसे कई कारण हैं। स्थिति आज ये है, झूलों का रिवाज अब इतिहास बन गया है नई पीढ़ी के लिए। मौजूदा समय की आधुनिक चकाचौंध में बुजुर्ग गुजरे जमाने को याद करके अपने मन को मसोसते हैं। बदलते वक्त को वह रोक भी नहीं सकते। उन्हें याद आते हैं उनके देखे हुए पुराने दिन, सावन में भीनी-भीनी बारिश का होना और कजरी-गाने गाकर झूला झूलती महिलाएं, हिंदी फिल्मों के बजते गाने, किसी का भी मन मोह लेते थे। ऐसा लगता है कि मानो जैसे आधुनिक मोह-माया ने हम सभी को पिंजरों में कैद कर लिया हो। हालांकि शहरों के मुबाकले ग्रामीण अंचलों में सावन माह का महत्व अब भी थोड़ा बहुत बचा है। पर ज्यादा नहीं, धीरे-धीरे गांवों में भी महानगरों जैसे हालात होते जा रहे हैं। सावन को वेद-पुराणों में पवित्र तो कहा ही गया है साथ ही दो और खास बातें जुड़ी हैं। अव्वल, बारिश और दूसरा झूला। बारिश के दीदार तो होते रहते हैं। पर, झूले कहीं दूर-दूर तक दिखाई नहीं देते। अन्य वस्तुओं की भांति झूलों का जमाना रिमिक्स होकर लौटेगा, ऐसा भी नहीं लगता। गांव की सखियों का झुंड झूलों के बहाने बाग-बगीचों में मिलता था। सखी शादी होकर ससुराल भी चली जाती थी, तब झूले मिलाप का जरिया बनते थे। यही कारण था महिलाएं सावन के आने का बेसब्री से इंतजार करती थीं। बदलते युग के साथ उन्होंने इंतजार करना भी छोड़ दिया। झूले के लिए राजस्थान, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड व राजस्थान जैसे राज्य विख्यात थे। उनके लिए बिना झूलों के सावन अधूरा होता था। युवा लड़कियां के अलावा घरों की बूढ़ी औरतें भी सावन की फुहारों में सराबोर होती थीं। एक-डेढ़ दशक पहले जन्में युवाओं को तो नहीं पता होगा। पर, बीस-बाईस वर्ष का नौजवान जरूर झूले का इतिहास याद करता होगा कि सावन के महीने में गांव की युवतियां पेड़ों पर कैसे झूला झूलती थीं। एक मनमोहक नजारा होता था, जब झूला झूलते औरतें आपस में गीत गातीं थीं। हंसी-मजाक, ठिठोलियां करती थीं। उन लम्हों से आज के युवा तकरीबन अनभिज्ञ हैं। वो झूला और सावन पर्व के संबंध को बिल्कुल नहीं जानते। कम उम्र की लड़कियां और ब्याह शादी वाली औरतें स्थानीय लोकगीत व कजरी गाती थीं जिन्हें सुनने के लिए पुरुषों का आसपास जमावड़ा लगता था। बुजुर्ग औरतों की कजरी गवाई सुनने लायक होती थी। क्योंकि कजरी देहाती व खाटी देशी किस्म की वह विधा है जिसमें सावन, भादों के प्यार-स्नेह, वियोग, व मधुरता का मिश्रण होता था। धीमी-धीमी बारिश में कजरी गाने का मजा कुछ और ही होता था। सावन का सौंदर्य और परंपरागत कजरी की सुगंधित मिठास वर्षा बहार का जो वर्णन लोक गायन की विधा कजरी में है, वह किसी और में नहीं। लेकिन अब न झूले रहे, न कजरी को गाने वाली औरतें। दोनों परंपराओं ने एक साथ मिलकर दम तोड़ दिया। नए जमानी की कामकाजी औरतें कजरी के संबंध में कुछ भी नहीं जानती। सावन और झूलों की परंपरा का दीदार थोड़ा-थोड़ा कोरोना काल में हुआ था। जब, ऐसा महसूस हुआ कि समय खुद भागते-भागते थक गया। इसलिए कोरोना का बहाना लेकर थोड़ा ठहरा था। कोरोना महामारी के चलते लोग शहर छोड़कर गांवों में पहुंचे थे, तो उन्हें कई जगहों पर झूले लगे दिखे, उन्हें देखकर महसूस किया, कि गुजरा जमाना फिर लौट आया। औरतों ने बागों में झूले सजाए, डीजे लगवाए। बीते समय की भांति झूला झूले, गाने गाए, उनको देखकर लोगों ने खूब आनंद उठाया। बच्चों के लिए वो दृश्य एकदम नए थे। दरअसल झूले कैसे होते हैं, किस तरह झूले जाते हैं ये सब उन्होंने किताबों में ही पढ़ा है।

भयावह होंगे ईरान-इजराइल युद्ध के नतीजे

ANALYSIS

विक्रम उपाध्याय

अब ईरान के साथ हमास, इस्लामिक जिहाद के प्रतिनिधि, यमन में सक्रिय हौथी विद्रोही, लेबनान के हिजबुल्लाह और इराकी लड़ाके भी साथ आ चुके हैं और एक साथ तेहरान में बैठकर रणनीति बना रहे हैं। वे इजराइल के खिलाफ बड़ी जवाबी कार्रवाई करने का मंसूबा बना चुके हैं। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने तो ऐलानिया, ईरान के एलीट रिवोल्यूशनरी गार्ड को सीधे आदेश दे दिया है कि वे इजराइल पर हमला करें। ईरान के सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल मोहम्मद बाकेरी ने स्टेट टीवी पर आकर कहा है कि ईरान और अन्य प्रतिरोध दल किस तरह से इजराइल को जवाब देंगे, इसकी तैयारी की जा रही है...। जवाब निश्चित रूप से होगा और ऐसा होगा कि इजराइल लंबे समय तक पछतावा करेगा। उल्लेखनीय है कि ईरान के नए राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने आए इस्माइल हानिया की हत्या 31 जुलाई को तड़के कर दी गई थी।

तेहरान में हमास नेता इस्माइल हानिया की हत्या के बाद भीषण युद्ध की तैयारी शुरू हो गई है। इजराइल के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की रणनीति बनाने के लिए लेबनान, इराक और यमन की सरकार, सेना और खुफिया विभाग के लोग ईरान पहुंच गए हैं। रॉयटर्स ने खबर दी है कि ईरान के साथ को लेबनान भी इजराइल को नेस्तनाबूत करने पर आमादा है, क्योंकि तेहरान में इस्माइल हानिया की हत्या से एक दिन पहले लेबनान की राजधानी बेरूत में इजराइल ने ही हिजबुल्लाह के वरिष्ठ कमांडर की हत्या कर दी थी। अब ईरान के साथ हमास, इस्लामिक जिहाद के प्रतिनिधि, यमन में सक्रिय हौथी विद्रोही, लेबनान के हिजबुल्लाह और इराकी लड़ाके भी साथ आ चुके हैं और एक साथ तेहरान में बैठकर रणनीति बना रहे हैं। वे इजराइल के खिलाफ बड़ी जवाबी कार्रवाई करने का मंसूबा बना चुके हैं। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने तो ऐलानिया, ईरान के एलीट रिवोल्यूशनरी गार्ड को सीधे आदेश दे दिया है कि वे इजराइल पर हमला करें। ईरान के सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल मोहम्मद बाकेरी ने स्टेट टीवी पर आकर कहा है कि ईरान और अन्य प्रतिरोध दल किस तरह से इजराइल को जवाब देंगे, इसकी तैयारी की जा रही है...। जवाब निश्चित रूप से होगा और ऐसा होगा कि इजराइल लंबे समय तक पछतावा करेगा। उल्लेखनीय है कि ईरान के नए राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने आए इस्माइल हानिया की हत्या 31 जुलाई को तड़के कर दी गई थी। हत्या का आरोप सीधे इजराइल पर लगाया गया है। इस्माइल हानिया की हत्या कैसे की गई, इसे लेकर

अलग-अलग कयास लगाए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि तेहरान के गेस्टहाउस में पहले से ही गुप्त रूप से तस्करी करके लाए गए विस्फोटक उपकरण से हत्या की गई। अमेरिकी मीडिया ने दो ईरानी और एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से खबर दी है कि गेस्ट हाउस में लगभग दो महीने पहले से ही बम छिपा कर रखा गया था। गेस्ट हाउस की सुरक्षा इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स करते हैं। उत्तरी तेहरान के एक पॉश इलाके में नेशात नामक एक बड़े परिसर में यह गेस्ट हाउस बनाया गया था। हमास के सबसे बड़े नेता इस्माइल हानिया इसी गेस्ट हाउस में हमेशा रुकते थे। इजराइल पर किसी इस्लामी नेता की देश के बाहर जाकर हत्या करने का यह कोई पहला आरोप नहीं है, बल्कि अपने विरोधी नेताओं की हत्या का इजराइल का लंबा इतिहास रहा है। 1990 के दशक के मध्य में इजराइली खुफिया सेना ने हमास के मुख्य विस्फोटक विशेषज्ञों में से एक याह्या अय्याश की हत्या कर सनसनी मचा दी थी। 5 जनवरी, 1996 को गाजा शहर में अय्याश को इजराइल ने मार गिराया था। एक फोन कॉल के दौरान उसका सेलफोन फट गया और वह मर गया। इजराइल की आंतरिक सुरक्षा सेवा शिन बेट ने तब दूर से ही विस्फोट करा दिया था। इसी तरह हमास की सैन्य शाखा अल-खस्साम ब्रिगेड के संस्थापकों में से एक सलाह शेहादेह को 22 जुलाई, 2002 को गाजा शहर में उसके घर पर ही हवाई हमले कर उसकी हत्या कर दी गई थी। इजराइल ने फिलिस्तीनी इंतिफादा (विद्रोह) के शेख अहमद यासीन की भी हत्या कर दी थी। यासीन की हत्या के एक महीने से भी कम समय बाद, इजराइल की हत्या मशीन ने उनके उत्तराधिकारी अब्देल अजीज अल-रंतिसी को भी निशाना बना लिया। 56 वर्षीय रंतिसी को 17 अप्रैल, 2004 को इजराइली सेना ने एक लक्षित मिसाइल से मार डाला था। हमास का एक और शीर्ष कमांडर अहमद जबारी भी इजराइली हत्या मशीन का शिकार बना। अल-कस्साम ब्रिगेड के ऑपरेशनल कमांडर जबारी की नवंबर 2012 में गाजा शहर में एक कार पर हमले में मौत हुई थी। वरिष्ठ हमास अधिकारी सालेह अल-अरोरी की भी जनवरी 2024 में लेबनान की राजधानी बेरूत के दहियाह में ड्रोन हमले में इजराइल ने खत्म कर दिया। 7 अक्टूबर को इजराइल पर हमले के साथ शुरू हुआ युद्ध का यह नया अध्याय कहां जाकर रुकेगा यह कहना अब मुश्किल है। इजराइल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने साफ कहा है कि हमास के सभी नेताओं की मौत तक युद्ध नहीं रुकेगा। उन्होंने यह भी ऐलान किया था कि हमास के लोग चाहे कहीं भी हों, उन्हें ढूंढ कर मार दिया जाएगा। शिन बेट के प्रमुख रोनेन बार भी यह कहते सुने गए कि हमास के नेताओं को गाजा में, पश्चिमी तट में, लेबनान में, तुर्किये में, कतर में, हर जगह मार दिया जाएगा। हमास नेता इस्माइल हानियाय की अंतिम यात्रा में जिस तरह हजारों लोग तेहरान की सड़कों पर उमड़ पड़े, उससे ईरान पर उनकी हत्या का बदला लेने का दवाब और बढ़ गया है। ईरान के नए राष्ट्रपति कई विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। पूरे ईरान में हानिया के पोस्टर बांटे गए और फिलिस्तीन, लेबनान के हिजबुल्लाह व हमास के झंडे हवा में लहराए गए। दिवंगत ईरानी जनरल कासिम सुलेमानी के भी बैनर लहराए गए, जिन्हें 2020 में अमेरिका ने एक ड्रोन हमले के जरिए मार गिराया था। मेहमान के खून का बदला मेजबान ईरान लेगा, इस तरह की हेडिंग अखबारों में खूब छप रही हैं। तेहरान के दक्षिण में शिया शहर कोम की मशहूर जामकरन मस्जिद पर लाल झंडा फहराया गया, ताकि खून के वादे को दिखाया जा सके। तेहरान की मिलाद टॉवर पर भी रात भर लाल रंग की लाइटें जगमगाती रहीं। जैसे-जैसे इस क्षेत्र में व्यापक युद्ध का खतरा मंडरा रहा है, वैसे-वैसे इस संघर्ष के विस्तार को लेकर लोग चिंतित भी नजर आ रहे हैं। युद्ध कितना भीषण और लंबा होगा यह काफी हद तक ईरान की प्रतिक्रिया पर निर्भर करेगा। अगर ईरान के किसी हमले में इजराइली मारे जाते हैं, तो यह खतरनाक रूप ले सकता है, क्योंकि इजराइली किसी को भी बख्शने के लिए तैयार नहीं हैं। 7 अक्टूबर को दक्षिणी इजराइल में घुसपैठ कर जिस फिलिस्तीनी गुट दौरान 1,139 लोग मार डाले, इजराइली उस समूह को पूरी तरह कुचल देने का ऐलान कर चुके हैं। उसी के तहत हानिया और अन्य हमास नेताओं को मारने का क्रम जारी है। यदि ईरान भी इसी तरह का कोई ऑपरेशन करता है तो इजराइल को रोकना एक मुश्किल काम होगा अमेरिका यह कह रहा है कि उसे हानिया पर हमले के बारे में कोई जानकारी नहीं है और ना थी, लेकिन यदि कोई उसे लेकर इजराइल पर हमला करता है तो वह उसके बचाव में सीधे आ सकता है। हालांकि कुछ मध्यस्थों के माध्यम से अमेरिका, ईरान को यह समझाने की कोशिश कर रहा है कि वह इजराइल पर हमला न करे। लेकिन ईरान ने जोरदार तरीके से इसे खारिज कर दिया है।

लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।

एक श्वांस की कीमत तुम क्या जानो रमेश बाबू

आप कहेंगे एक अत्यंत गंभीर शब्द श्वांस के साथ रमेश बाबू जैसा फिल्मी संवाद जोड़कर में क्यों आखिर एक गंभीर विषय को हास्य का विषय बनाना चाहता हूं? किंतु अपना भ्रम दूर कर लीजिए यह संवाद भी किसी हास्य का विषय नहीं बल्कि अत्यंत गंभीर चिंता और उससे अधिक चिंतन का विषय है। यह संस्मरण लिखने का एकमात्र कारण यह कि अनेक वर्षों के बाद भी हम सब अपनी मानवीयता से ओतप्रोत ज्ञान परंपरा का गौरव करने के बाद भी पश्चिमी जगत से कुछ बातें अब तक नहीं सीख पाए। हां !! मैं मानता हूं कि हमारी ज्ञान परंपरा में अत्यंत समृद्ध जीवन विज्ञान भरा पड़ा है किंतु यदि उसको हमने अपने जीवन में अंगीकार नहीं किया तो पुरखों की संपूर्ण तपस्या धूल धूसरित होने में समय नहीं लगता। ऐसा ही एक महत्वपूर्ण विषय सीपीआर अर्थात कृत्रिम श्वांस देने का है। पश्चिमी जगत से तुलना इसलिए कर रहा हूं क्योंकि संपूर्ण पश्चिमी दुनिया में बच्चों को बाल्यकाल से ही शिशु कक्षाओं में आते ही सीपीआर देने का महत्व और उसकी प्रक्रिया समझा दी जाती है किंतु भारत में हमको विद्यालय स्तर पर ऐसा कोई उपक्रम संपादित होते दिखाई नहीं देता। यह सब बातें दरअसल इसलिए ध्यान में आई कि विगत दिनों परिवार के ही एक विवाह समारोह में एक अप्रत्याशित घटनाक्रम हुआ। उस विवाह समारोह में जबकि सब कुछ आनंदपूर्वक चल रहा था। परिवार के सैकड़ों परिजन भोजन, नृत्य और संगीत का आनंद ले रहे थे कि अनायास इंद्र देवता प्रसन्न हुए। रुक - रुककर वर्षा ने पूरे कार्यक्रम में थोड़ी सी असहजता पैदा की किंतु जल्दी ही संपूर्ण व्यवस्थाएं पुनः सुचारू रूप से संचालित होने लगी। एक नवयुवक जिसकी अवस्था मुश्किल से 18-20 वर्ष की रही होगी एक स्टॉल की तरफ रखे कूलर को ठीक करने के लिए गया। इसे उस तरुण का दुर्भाग्य ही कहूंगा कि वह जैसे ही पानी के डबरे कूलर के पास पहुंचा अचानक बिजली का एक तार मैदान में छू गया। अचानक तेज विद्युत प्रवाहित हुई और एक झटके में युवक जमीन पर गिरकर तड़पने लगा। कुछ ही सेकंड में भयभीत जन समूह ने देखा कि वह युवा न केवल अचेत हो चुका है बल्कि उसकी जीभ भी बाहर की ओर लटक गई। आनन-फानन में विद्युत प्रवाह को बाधित किया गया किंतु अब एक शिक्षित समाज की परीक्षा प्रारंभ हुई। आमतौर पर भारतीय समाज में जैसा होता है उस युवा को घेर कर सारे लोग या तो भय के वशीभूत केवल मुक दर्शक बने थे या कुछ जागृत लोगों ने मोबाइल निकाल कर फोटो और वीडियो बनाना प्रारंभ कर दिए थे। इतना ही नहीं तो अनेक लोग जिस दिशा से कूलर की हवा आ रही थी उस हवा को रोक कर बड़े आराम से उस युवक को मृत्यु के मुख में जाते हुए देख रहे थे। अनायास एक तेजस्वी स्त्री स्वर वातावरण में तैर गया। यह स्वर क्रीडा क्षेत्र की जानी-मानी तैराक सुश्री कविता रावल का था। कविता ने वैसे तो अब तक सैकड़ों बालक, बालिकाओं और महिलाओं को तैराकी सिखाई है पर अभी तो उसका क्रोध चरम पर था- भीड़ छोड़कर सारे लोग दूर हट जाइए और कम से कम कूलर से आने वाली हवा को मत रोकिये। उसके क्रोधित चेहरे से जो तेज टपक रहा था उसने पूरे वातावरण को एकदम से सकते में ला दिया। देखते ही देखते न केवल भीड़ छंट गई बल्कि कूलर की ठंडी हवा भी उस युवा के चेहरे पर आने लगी। तत्क्षण कविता ने उस युवा के सीने पर पंप देना शुरू किया और सीपीआर देने की प्रक्रिया शुरू कर दी। मुझे स्मरण आ रही थी अनेक धर्म कथाओं में कथा वाचकों के माध्यम से व्यास पीठ से सुनी कुछ दार्शनिक बातें। वे विषय सुनते हुए ऐसे वाक्य विन्यास कानों में पढ़ते रहे हैं - मनुष्य को जीवन ईश्वर ने निश्चित करके दिया है। एक-एक श्वांस का हिसाब प्रभु रखते हैं। कोई मनुष्य कितना ही धनवान हो या कितना ही गरीब, कितना ही शक्तिशाली हो या निशक्त अपनी एक भी श्वांस को वह ना तो बढ़ा सकता है और न घटा सकता है। यही कारण है कि जीवन मृत्यु पर मनुष्य का आज तक बस नहीं चला। मनुष्य देह धारण करके जगत में आता है तो प्रभु की इच्छा से और जाता भी है तो प्रभु की इच्छा से। परंतु..... आज ईश्वर की बनाई एक कृति कविता ईश्वर के ही बनाए हुए विधान को चुनौती तो नहीं दे रही थी पर ईश्वर का एक संदेश जरूर उस पूरे जन समूह में प्रसारित कर रही थी कि मनुष्य को जीवन जीने की अंतिम आस तक संघर्ष करते रहना चाहिए। संभवतः ईश्वर ने किसी व्यक्ति को और जीने का प्रसाद दिया हो और हम मनुष्यों की जिजीविषा,साहस और प्रत्युत्पन्नमति की कमी के कारण शायद वह समय से पूर्व दुनिया छोड़ रहा हो। कविता रावल ने जब उस युवा को लगातार सीने पर पंप करना शुरू किया और कृत्रिम श्वांस देने की विधि संपन्न करती चली जा रही थी। ऐसा लग रहा था मानो थोड़ी देर पहले जो कविता साक्षात दुर्गा का स्वरूप धारण किए हुए थी वह थोड़ी ही देर में ममतामई मां कौशल्या और यशोदा की तरह उस बच्चे को जीवन प्रदान करने के लिए अपनी श्वासों का नेह आशीर्वाद स्वरुप प्रदान रही थी। युवा पुनर्जीवन प्राप्त कर चुका था।विवाह की खुशियों पर लगता ग्रहण अचानक छंट गया था। प्रसन्नता की लहर चारों ओर फैल गयी थी। बाद में उस युवा के परिजनों की कृतज्ञता की कल्पना हम कर सकते हैं। नागर समाज ने कविता रावल को 'नागर वीरांगना सम्मान' से सम्मानित भी किया। समाज में बाद में सम्मानित होना यह तो एक सहज प्रक्रिया है किंतु कविता ने समाज जनों से आग्रह किया कि कृत्रिम श्वांस देने की यह प्रक्रिया समाज के सभी स्त्री, पुरुषों, युवाओं और बच्चों को ज्ञात होनी चाहिए। उन्होंने अपने सम्मान के प्रति उत्तर में यह आग्रह किया कि मेरा वास्तविक सम्मान तब होगा जब एक बड़ा प्रशिक्षण कार्यक्रम रख कर आप सब भी इस प्रक्रिया में पारंगत हो सकें।

Social Media Corner

सच के हक में...

देशवासियों को इस उपलब्धि के लिए बहुत-बहुत बधाई! विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में ऊर्जा के क्षेत्र में हमारी आत्मनिर्भरता बहुत महत्वपूर्ण है। गैस उत्पादन का यह रिकॉर्ड इस दिशा में हमारी प्रतिबद्धता का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

कामगार परिवारों के परंपरागत कौशल में भारत की सबसे बड़ी पूंजी छिपी है। पिछले दिनों सुल्तानपुर से वापस आते वक्त रास्ते में जूतों के कारीगर रामचेत जी से मुलाकात हुई थी, उन्होंने मेरे लिए प्रेम भाव से अपने हाथों से बनाया एक बहुत ही कम्फर्टेबल और बेहतरीन जूता भेजा है। देश के कोने-कोने में अलग-अलग स्किल वाली ऐसी करोड़ों प्रतिभाएं हैं। अगर इन भारत बनाने वालों को जरूरी समर्थन मिले तो वह अपनी ही नहीं, देश की भी तकदीर बदल सकते हैं।

(राहुल गांधी का 'एक्स' पर पोस्ट)

सभी शिव भक्तों को पवित्र श्रावण मास के तृतीय सोमवारी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। बाबा बैद्यनाथ की कृपा सभी भक्तजनों पर बनी रहे। हर हर महादेव!

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

राहुल बाबा की चक्रव्यूह रचना

यह समझना मुश्किल है कि कांग्रेस की विरासत ही कांग्रेस के विपरीत है या राहुल गांधी का फोकस कहीं और है। वैसे तो नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को संसद में बजट पर बोलना था, लेकिन उन्होंने महाभारत कालीन चक्रव्यूह का नया रूपक ही गढ़ दिया। हजारों साल पुराने चक्रव्यूह में अभिमन्यु को घेर कर मार दिया गया था। उसका नियंत्रण द्रोणाचार्य, कृपाचार्य, कर्ण, कृतवर्मा, अश्वत्थामा और शकुनि के हाथों में था। राहुल गांधी के मुताबिक आज का चक्रव्यूह भी प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, सरसंघचालक मोहन भागवत, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल आदि आठ हाथों में है। दो शेष नाम देश के बड़े उद्योगपतियों के हैं, जिनका नाम सदन में नहीं लिया जा सकता था। स्पीकर ओम बिरला ने भी नियमों का हवाला दिया, लेकिन राहुल गांधी उनका एक बार नाम ले चुके थे। फिर उन्हें ए-1, ए-2 नामकरण दिया। सवाल यह है कि राहुल गांधी ने यह रूपक क्यों गढ़ा? क्या आज का चक्रव्यूह भी किसी को हताहत करने को रचा गया है? संसद में ऐसी हिंसकवादी राजनीति के कोई मायने नहीं हैं, लिहाजा स्पीकर नेता प्रतिपक्ष को बार-बार सलाह देते रहे कि एक बार और सदन के नियमों को नेता प्रतिपक्ष पढ़ लें। जाहिर है कि राहुल गांधी बार-बार नियमों का उल्लंघन करते रहे हैं। बहरहाल नए चक्रव्यूह के संदर्भ में जवाब राहुल ही देंगे, लेकिन उनकी राजनीति समझ में जरूर आती है कि 2024 के आम चुनाव की तरह वह अब भी एक नेरेटिव देश में फैलाना चाहते हैं। वह नेरेटिव भाजपा के हिंदुत्व और सवर्णवाद की काट साबित हो सकता है, ऐसी राहुल गांधी की उम्मीद है। उनकी राजनीति जातीय जनगणना की है, जबकि कांग्रेस में उनके पुरखे ऐसे जातिवाद के खिलाफ थे और ऐसी जनगणना को कभी भी लागू नहीं किया। उन्होंने अपने 46 मिनट के भाषण का सारांश यह रखा कि गरीब, पिछड़े, दलित, युवा, किसान समेत पूरा देश भय के चक्रव्यूह में है। अग्निवीरों को भी चक्रव्यूह में फंसाया गया है। प्रधानमंत्री जिस कमल के फूल (भाजपा का चुनाव चिह्न) को लहराते रहते हैं, उसी के आकार वाला चक्रव्यूह है। यहां नेता प्रतिपक्ष ने अपनी सियासत के मुताबिक हिंदू धर्म का अपमान किया है। भाजपा ने यूं पलटवार करते हुए कहा है कि जिस फूल को ब्रह्मा जी,देवी लक्ष्मी, देवी सरस्वती ने अपना आसन बनाया, पवित्रता के प्रतीक उसी फूल को राहुल गांधी ने हिंसक करार दिया। यह धार्मिक अपमान राहुल की राजनीति के मुताबिक है। नेता प्रतिपक्ष ने बजट पर संभवतः 2.5 प्रतिशत ही बोला। सिर्फ शिक्षा का आवंटन ही उन्हें याद रहा। बजट की हलवा सेरेमनी में भी उन्होंने जातिवाद को घुसेड़ कर कहा कि जो 20 अधिकारी देश का बजट तैयार करते हैं, उनमें कोई भी ओबीसी, दलित या आदिवासी अफसर नहीं है,जबकि इन समुदायों की आबादी देश की 73 प्रतिशत है। सिर्फ 2-3 प्रतिशत लोग ही हलवा बनाते हैं, वे ही बांटते हैं और वे ही खा जाते हैं। देश की 73 प्रतिशत आबादी को हलवा नहीं मिल रहा है। राहुल का कथन देश के संसाधनों और शक्तियों की व्याख्या कर रहा है। उनका जातिवाद भी इसी आधार पर टिका है कि जो देश में बहुसंख्यक हैं, वे ही वंचित और विपन्न हैं। शायद राहुल गांधी को यह याद नहीं रहा कि बजट से जुड़ा राजनीतिक हलवा तो बीते 70 सालों से अधिक समय से बांटा जा रहा है। इस दौरान सर्वाधिक सरकारें कांग्रेस की रही हैं। कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान 2011 की जनगणना के साथ जातीय जनगणना भी कराई गई थी। उसके आंकड़े सार्वजनिक क्यों नहीं किए गए? कर्नाटक में जब सिद्धारमैया पहली बार मुख्यमंत्री बने थे, तब उन्होंने जातीय जनगणना कराई थी। आज भी वह मुख्यमंत्री हैं, लेकिन जातीय जनगणना के आंकड़े आज तक भी जारी नहीं किए गए।

एक युद्ध की आशंका

पश्चिम एशिया में एक बडे.युद्ध का तनाव इतना बढ़ गया है कि उसकी आंच भारत तक पहुंचने लगी है। यह गौर करने की बात है कि इजरायल-ईरान के बीच बढ़ते तनाव के चलते एअर इंडिया ने शुक्रवार को इजरायल के तेल अवीव से आने और जाने वाली अपनी सभी उड़ानों को 8 अगस्त तक के लिए तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। क्या भारत सरकार को कोई खुफिया सूचना मिली है? क्या ईरान या इजरायल से चेतावनी आई है? एक हद तक इन दोनों ही देशों से भारत के ठीकठाक कामकाजी संबंध हैं, अतः भारत के पास अगर युद्ध की पूर्व सूचना आई हो, तो आश्चर्य नहीं। अगर युद्ध की आशंका न हो, तो एअर इंडिया के ताजा कदम को कैसे समझा जाए? ध्यान देने की बात है, फलस्तीन के नाम पर संघर्ष कर रहे आतंकी संगठन हमास के राजनीतिक प्रमुख इस्माइल हनियेह की 31 जुलाई को ईरान में हत्या कर दी गई थी, जिसका आरोप सीधे इजरायल पर लगाया गया था। यह बात भी गौर करने की है कि ईरान ने हनियेह के खून का बदला लेने की कसम खाई है। ईरान की नाराजगी को इस बात से समझा जा सकता है कि ईरान में इजरायल की यह कोई पहली हिंसक कार्रवाई नहीं है। वास्तव में, इजरायल ने अपने लोगों की हत्या का बदला लेने के लिए अभियान छेड़ रखा है। गुरुवार 1 अगस्त को ही इजरायली रक्षा बलों ने हमास के सैन्य प्रमुख मोहम्मद दैफ की मौत की पुष्टि की है, जिसे इजरायल 7 अक्तूबर के हमले का मास्टरमाइंड मानता है। आशंका है कि गाजा में ताजा जंग को हमास के इस सैन्य प्रमुख ने ही अंजाम दिया था। खबर आई है कि उसे गाजा में ही 13 जुलाई को मार दिया गया था। लगातार बदले से केवल ईरान ही नहीं, अन्य इस्लामी देशों में भी आक्रोश का आलम है। अरब देशों के अलावा चीन और पाकिस्तान ने भी प्रमुखता से इजरायल की निंदा की है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Heart attack among techies in 30s: How overwork, 70-hour week and stress can damage your heart

Just the other day, a 33-year-old executive, came to the emergency in the evening as he suffered a heart attack. I had to do an emergency stenting in all three of his arteries which were blocked well over 90 per cent. He worked from home but rarely detached himself from his laptop, logging in at 7 am and logging out at 8 pm. Then he took a 10-minute break and living alone, ordered food almost every day. He would have his dinner by 9.30 pm, would enjoy a smoke or drink occasionally, take work or personal calls and sleep by 11 pm.I recount this story to highlight how punishing 12-hour work days (assuming there is one weekly off) to meet the 70-hour work week rule being advocated by the likes of Infosys founder Narayana Murthy and now OLA CEO Bhavish Aggarwal can cost the body. The young executive's life is a perfect example of how a decade of long sedentary work hours, with the stress of delivery deadlines that left little time for him to unwind, amplified moderate risks or underlying conditions faster. Remember the young man slept the requisite hours but being on a wire during the most productive decade of his life, had poor sleep quality.I admitted another young patient with a blood pressure of 200/115 mmHg, without him feeling it (young people generally do not feel symptoms of elevated blood pressure). He did sports with a friend on weekends but that wasn't enough to offset his high-stress 14-hour five day week.

HOW DO LONG WORKING HOURS AFFECT THE HEART?Most of my patients are from the tech park in Bengaluru's Whitefield, between 20 and 35. All of them have a similar work profile — no less than 12-hour workdays or long night shifts, emergency duties, two hours of commute time through congested roads and crunching sleep, family time and recreation in about an eight to ten-hour window, often interrupted by work calls. Zero physical activity.

The body is clearly in a prolonged adrenaline rush because of too much stress and demands made on it. Excess adrenaline constricts the arteries that supply the heart with blood, reducing blood flow, hastening plaque buildup and inflammation. Stress hormones like adrenaline and cortisol cause the heart to beat faster, elevating blood pressure in the process. Over time that damages the heart, and even accelerates levels of blood sugar, cholesterol and triglycerides. No exercise means weight gain.Chronic stress results in irregular heart rhythms, which can cause blood to pool in the left atrial chamber of the heart, contributing to clot formation. The clot can then travel from the heart to the brain and result in a stroke.

For those with underlying conditions like diabetes, cholesterol or with a family history, even short-term stress can dislodge plaques from the arteries it narrows down, resulting in a blood clot that, in its attempt to repair the torn wall of the arteries, could grow large enough to block blood flow completely and cause a heart attack. During angioplasty procedures among the young, I have often found that the plaque may not have been big enough but the stress-induced thickness of the blood has led to quicker clot formation.

Finepoint | Israel's Assassination Spree Forces Iran to Choose: Total War or Total Humiliation

It remains to be seen whether Iran will go all in or make a symbolic attack like it did in April. Ultimately, Iran will lose face if it doesn't respond but it will lose much more if it does

Iran's 'Axis of Resistance' is in a crisis. If Iran is the mothership, the Houthis, Hamas and Hezbollah are its proxies, extending far and wide into the West Asian region. These extensions of Iran have allowed it to project power across the Middle East, tackling its enemy Israel and keeping Arab powers in check. But Israel attacked all three of these heavily armed militant offshoots within days, and it has not even spared Iranian territory in the process.

News of the assassination of Hamas political chief Ismail Haniyeh in the Iranian capital of Tehran has sent shockwaves across the world and has embarrassed Iran. After all, he was a guest of Iran to attend the inauguration of its new President Masoud Pezeshkian, when he was killed in a blast. Before this, Israel struck a building in another capital city, Beirut in Lebanon, eliminating Fuad Shukr, Hezbollah's most senior military commander and a right-hand man to the Shia militant group's leader Hassan Nasrallah. This was apparently in response to a rocket attack by Hezbollah which killed 12 children in the Golan Heights, a Syrian territory controlled by Israel since the 1967 war.Israel also declared that Mohammad Deif, the military leader of Hamas in Gaza, was also killed in an air raid last month. And this is not it. The Houthis also got a taste of Israeli retaliation when a crucial Yemeni lifeline, the Hodeida port, came under attack. The massive air strike on this Red Sea Port was an answer to a drone attack by the Houthis.Israel is prepared for any further escalation, it says, and is on high alert anticipating a response from Iran. Meanwhile, Iran is trapped in its own web. Israel has killed one of Iran's dearest guests in its capital city. Haniyeh was a guest of the Iranians. He attended the inauguration of the new Iranian President, met Supreme Leader Khamenei with a warm hug and posed with the victory sign with other Iranian leaders. That was the last the world saw of him as he was killed before dawn in his special residence in Tehran.

Iran's Islamic Revolutionary Guard Corps (IRGC) reported it as a "Zionist raid" that took his life. It was initially theorised that it was an Israeli missile attack, and it raised serious questions about Iran's air defence capabilities. But it is now being reported that it was actually a bomb placed inside the guesthouse where Haniyeh was staying. And it was placed almost two months before the attack. For two months, the security apparatus in Iran failed to track this bomb. When Haniyeh was finally inside, the bomb was detonated remotely.This raises serious questions about Iran's security and intelligence capabilities. This was a lapse at many levels, if it was a lapse at all. After all, how could it be so easy to take Haniyeh out?This Hamas leader had been evading the Israelis for decades, enjoying safe haven in

Qatar. Israel had been trying to take him out for years. Haniyeh was no small target— he was the political chief of Hamas since 2017, representing the group in diplomatic conversations with Arab and Western leaders. He shuttled from Turkey to Qatar and Iran to secure funding for Hamas. This is why some media reports will tell you that he was seen as a so-called "moderate" face of Hamas. This is not because he did not subscribe to the radical extremist ideology of Hamas but because leaders engaged with him behind closed doors to keep tabs on the Palestinian movement in Gaza.

The truth is that Haniyeh was responsible for the intense militarisation of Hamas during his time in Gaza and was even accused of diverting humanitarian aid to the Hamas armed wing. He is also believed to have amassed a wealth of $4 billion while being a leading face of Hamas. Israel believes that he was involved in the gruesome October 7 Hamas attack which killed over a thousand Israeli civilians. But the hunt is not over yet, as Israel has hinted that its next target could be Yahya Sinwar, the leader of Hamas within the Gaza Strip.With Haniyeh gone, Hamas is searching for a new leader. Some say that it could be Khaled Meshaal, who had previously lost Iran's favour when he supported a rebel movement against Syria's Bashar Al Assad. Meshaal has already survived an assassination attempt by Israel. In 1997, he was injected with poison by Israeli agents in the Jordanian capital of Amman. But the mission was botched, the agents were captured and the then-king Hussein was so furious that he threatened to hang the agents, and scrap Jordan's peace deal with Israel unless it shared the antidote.

Under Netanyahu, who was in his first term at the time, Israel agreed to hand over the antidote and Meshaal was saved. If he returns to the paramount position in Hamas, he will surely need to watch his back or perish like his predecessor.Coming back to Haniyeh's death which has caused serious embarrassment for Iran. Everyone wants to know whether Iran will respond. After all, all its proxies and its own sovereign territory are under attack. Israel's message is pretty clear. No one is safe. So, will Iran sit back down, take the loss and lose face as a result— or will it strike back? If you go by the reactions of Iran's leaders, then revenge is right around the corner. President Pezeshkian said, "I raised his victorious hand and today I have to bury him on my shoulders. Iran will make the terrorist invaders regret their cowardly action."

Meanwhile, Ayatollah Khamenei said, "The criminal, terrorist Zionist regime martyred our dear guest in our territory and has caused grief, but it has also prepared the ground for a severe punishment… It is our duty to take revenge." Khamenei has even ordered a direct attack on Israel, according to reports.But it's not as simple as it looks. Iran's words are failing to match its actions. In April this year, Israel attacked the Iranian embassy in Syria and killed several IRGC officers. Iran retaliated but it seemed like it did not want a war. It rained down missiles over Israel, almost all of which were intercepted by the Iron Dome air defence systems. The damage was little and by no means a major escalation. Moreover, reports said that Iran had notified countries in the region, indirectly tipping Israel off about the attack and letting it prepare its defences in advance.Could it be that Iran does not want to be dragged into an all-out war with Israel.

AP needs more from centre to keep promises

Chief Minister Naidu reveals alarming debt figures and outstanding liabilities, raising concerns about the state's ability to manage new welfare schemes and major projects.

In a departure from tradition, instead of presenting a full-fledged budget, the Chandrababu Naidu-led Andhra government promulgated an ordinance for vote-on-account with an estimated expenditure of Rs 1.29 lakh crore for a period of four months. The reason was that the state finance department was still finalising the liabilities and resources. It sounds reasonable as the new government assumed charge in the second half of June. The government is likely to present the full budget in September.What is of concern is not the vote-on-account, but the chief minister's remarks that the state's finances are in a terrible shape. He released a white paper on the issue that paints a bleak picture. The white paper says the overall debt stands close to Rs 10 lakh crore and outstanding bills are at over Rs 1 lakh crore. The state's own resources are not enough to meet essential expenditures like salaries and pensions. The paper has been disputed by the opposition YSR Congress. What cannot be disputed though is that the state is on a sticky wicket.Revenues have gone up over the last decade

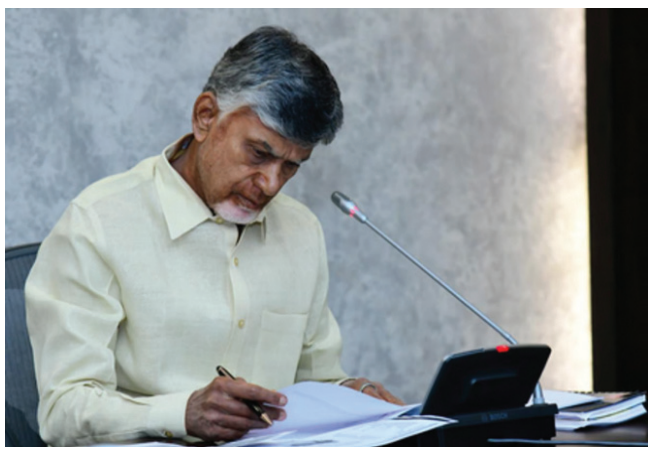

barring the Covid years, but so has expenditure, with welfare schemes accounting for a lion's share. All avenues to incur debt have already been explored, which leaves Naidu with little elbow room. He has promised much more than his predecessor Y S Jagan Mohan Reddy. New schemes such as free bus travel for women, higher investment for farmers, dole for the unemployed and education subsidy for each child would cost the exchequer more than the Rs 2.7 lakh crore spent on welfare in the last five years. On top, the mandate to complete the Polavaram irrigation project and develop capital Amaravati would increase the financial burden.

Naidu is riding a tiger, in the sense that there appears to be only one way forward. The Centre's announcement of Rs 15,000-crore aid for Amaravati must be re-negotiated to make it a grant. The Polavaram project's terms must be amended as the Centre had set a condition of paying at 2014 prices, whereas the AP Reorganisation Act clearly states it is the Centre's responsibility to build the project. The implementation of schemes could be staggered, which might invite a backlash; but the government must be bold enough to prioritise them. Without changes, the state could end up staring at a debt trap.

Caste reservation fabric needs new pattern

Begin at the beginning, the king said, very gravely, and go on till you come to the end: then stop."

Lewis Carroll, Alice's Adventures in Wonderland

For millenniums, caste has been cast in stone in the Indian psyche. Ironically, the legacy of discrimination was carried forward when India became a democracy, muddying the pristine playground of liberation. The social pyramid was turned on its head and generous generations scrambled up the ladder of power as a genetic journey to pelf. It also allowed uninterrupted caste-led parivarvaad to thrive without facing challenges.

The legacy of the bloodlines of India's rich and powerful in politics and bureaucracy sustains the system. However, a Supreme Court ruling last week could derail the gravy train. The current katzenjammer on caste—in parliament, elections and institutions—agitated a seven-member Constitution bench of the top court. Four of them led by Justice B R Gavai felt that caste-based reservations are meritocratic, nor bureaucratic or plutocratic.

Gavai, who could be the chief justice next year, wrote: "The State must evolve a policy for identifying the creamy layer even from the Scheduled Castes and Scheduled Tribes so as to exclude them from the benefit of affirmative action. In my view, only this and this alone can achieve the real equality as enshrined under the Constitution... The question that will have to be posed is whether equal treatment to unequals in the category of Scheduled Castes would advance the constitutional objective of equality or would thwart it. Can a child of an IAS, IPS or Civil Service officers be equated with a child of a disadvantaged member belonging to the Scheduled Castes studying in a gram panchayat or zilla parishad school in a village?"

If the Bhagavad Gita is the soul of India, caste is its curse. What began millenniums ago as professional identification was perverted through the ages to create a parti pris paradigm to win elections. Caste-based reservations began almost 125 years ago. Considering the plight of Scheduled Castes and Tribes, the Constitution-smiths added affirmative clauses for proportionate representation of underprivileged castes in the executive and the legislature—a temporary provision for just a decade.

Indian politics revels in status quo and subverts change into stasis. No party has altered the clause or dropped it. So it's discussion over. Instead, they've reserved the weltschmerz-laden caste system for election manifestos. Reservations were meant to raise the social and economic status of India's first post-independence generation's underclasses. Instead, it has filtered down as a third-generation prerogative. Reservation was meant as an equaliser. Now it is a combo of oligopoly and monopoly of the social elite. By their sheer control over their part of the establishment, Dalit and backward monarchs constructed a fortress-like exclusive armature that denied right of entry to those who were at the bottom of the pyramid.

While the establishment has sedulously secured the advantages for itself, the constitutional principle of checks and balance has come into play. Making a powerful case for creaming the creamy layer, Justice Gavai felt, "It is also commonly known that disparities and social discrimination, which is highly prevalent in the rural areas, start diminishing when one travels to the urban and metropolitan areas. I have no hesitation to hold that putting a child studying in St Paul's High School and St Stephen's College and a child studying in a small village in the backward and remote area of the country in the same bracket would obliviate the equality principle enshrined in the Constitution."Gavai wasn't alone in his views. Justice Pankaj Mithal added,

"Reservation, if any, has to be limited only for the first generation or one generation, and if any generation in the family has taken advantage of the reservation and have achieved higher status, the benefit of reservation would not be logically available to the second generation." If the judicial stand is accepted by the states and the Centre, a Scheduled Caste or Scheduled Tribe family will lose reservation status if any member has availed it in the past. The Supreme Court has diluted the quota enjoyed by subjectively- and selectively-listed castes by making it inclusive: bringing in more deserving sub-castes that were left out.The creamy layer was already eligible for OBC reservation. It excludes people whose family income exceeds Rs 8 lakh a month. The unfairness lies in agricultural income not being included in the total income. Hence, the landed backward-class peasantry enjoys reservation's benefits.Politicians are unlikely to heed the judicial advice. Since the categorising of reservations falls under the legislature, it is highly improbable that the political and bureaucratic nexus will yield to fair play. Rural India is still an area of darkness—a Naipaulian nightmare of unpunished humiliation, bondage, rape and murder. In the past three decades, politics, civil services and business have become hereditary institutions. Successive successors continue to replace powerful progenitors. Caste-based reservations are grossly misused by caste leaders, too.

Though no official data exists about the number of SC and ST youth entering the IAS, IPS, IFS or IRS, a sample of current legislators in the states and the Centre reveals every fourth member got his or her seat from their parents. Over the past two decades, the kin of at least 20 percent of services officers were from the same Cosy Cub Club. Recently, a few youngsters from poor backgrounds made the cut, but the overwhelming majority of the marginalised classes don't have access to good education or skill development that will empower them to compete with upper-caste spawn.

V P Singh, prime minister during 1989-90, wanted to restrict senior government jobs to one person per family, irrespective of their caste. He felt that the recruitment mechanism heavily favoured the affluent. The joke doing the rounds in the power circles then was about the unsaid convention of children of senior officers appearing before a panel of UPSC interviewers made up of 'uncles and aunties'.

US recession fears to Middle East crisis: Decoding global stock market crash

New Delhi. Stock markets around the globe, especially those in Asia, crashed on Monday on fears of a recession in the US economy and rising geopolitical tensions in the Middle East.The global stock market meltdown was triggered by widespread sell-offs, as investors hurried to move their risky assets into safer havens such as bonds and gold.Asian stock markets took the biggest knock, plunging to multi-year lows, with Japan and the tech-focused markets of Taiwan and Korea experiencing the heaviest losses.It may be noted that Japan's Nikkei 225 plunged the most since 1987 due to the sell-off sparked by US recession fears on Monday.Taiwanese stocks are down approximately 18% since their peak in mid-July but remain up over 11% for the year.South Korean shares, which had been marginally positive earlier in the year, are now 6% below their starting point.While the Indian benchmark stock market indices, Sensex and Nifty, crashed 3% each, they were still in a better position than other Asian markets.Factors behind global market meltdownLast week's disappointing US economic data raised doubts about the Federal Reserve's ability to engineer a soft landing for the world's largest economy and whether more aggressive rate cuts might be necessary to prevent a slowdown.The uncertainty, combined with rising tensions in the Middle East and concerns over tech earnings, intensified the global sell-off.Dr. VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services, said, "The rally in the global stock markets has been driven mainly by consensus expectations of a soft landing for the US economy. This expectation is now under threat with the fall in US job

creation in July and the sharp rise in US unemployment rate to 4.3%," he said.

"Geopolitical tensions in the Middle East also are a contributing factor," he added.

On Japan's stock market crash, he said the bigger reason was "the unwinding of the Yen carry trade which is bleeding the Japanese market", indicating that the Japanese market is in crisis.

Santosh Meena, Head of Research, Swastika Investmart Ltd, said, "The global market is reeling as bears enter with a cocktail of bad news. The fear of a reverse Yen carry trade, following an interest rate hike in Japan, was the initial catalyst.""This was compounded by fears of a recession in the USA after extremely poor job data, which spooked market sentiment. China and Europe are already grappling with slowdowns, and escalating geopolitical tensions are adding further pressure on the markets," he added."We are witnessing signs of the first meaningful correction in global markets after an extended bull run. Investors and traders should be cautious and avoid rushing in immediately, as better entry levels may emerge," he said, adding that the "the outlook for our market remains very bullish".

Indian economy likely to grow at 7-7.2 per cent in FY25, says Deloitte

New Delhi. India's economy is expected to grow at 7-7.2 per cent in the current fiscal year driven by robust economic fundamentals and continuity in domestic policy reforms, Deloitte India said on Monday.

The August update of Deloitte's India Economic Outlook said several initiatives in the Union Budget 2024-25 toward improving agriculture productivity, creating jobs for the youth, and in manufacturing and addressing the challenge of access to finance for micro, small, and medium enterprises, would help improve supply-side demand, curb inflation, and prop up consumer spending, especially in rural areas.

Deloitte India Economist Rumki Majumdar said, India would witness robust growth in the second half after a period of uncertainty in the first six months of the year.

"Key contributing factors include the continuity in domestic policy reforms, reduced uncertainties in the US post-elections, and more synchronous global growth within a low inflation regime.

"Additionally, improved global liquidity conditions, as central banks in the West ease their monetary policy stance, will enhance capital flows and drive higher investments, particularly in the private sector," Majumdar said.

IndiGo launches 'IndiGoStretch' business class with fares starting at Rs 18,000

New Delhi. Leading airline IndiGo is all set to sell business class tickets from mid-November on a handful of domestic flights, its CEO Peter Elbers said on Monday.

The airline's CEO announced while introducing the airline's business class offering, 'IndiGoStretch', with fares starting from Rs 18,000."We are launching a tailor-made business product on the busiest and business routes of the country," Elbers said at an event in Delhi, organised ahead of the airline's 18th anniversary.The business class seats will be first offered on the Delhi-Mumbai route, as it seeks to tap a growing

number of premium flyers.The no-frills carrier's introduction of business class represents a strategic shift from its previous all-economy model, reflecting an increasing demand for premium services in the country.The airline will debut its business class on 12 routes, including those to major cities such as Bengaluru, Chennai, Kolkata, and Hyderabad.

"It's going to be a real good business class," Elbers said.

The move is expected to cater to the growing preference for enhanced travel experiences among consumers.

Japan's Nikkei 225 stock index sinks 10%, registers worst crash since 1987

The last time the Nikkei experienced such a severe drop was on "Black Monday" in October 1987, when it plunged 3,836 points, or 14.9%.

Japan's Nikkei 225 share index plunged as much as 10% on Monday, driven by heavy selling amid concerns that the U.S. economy may be in worse shape than previously expected.By midafternoon in Tokyo, the Nikkei index was down more than 3,500 points at 32,385.01.The index had already dropped 5.8% on Friday, and it is now headed for its worst two-day decline ever.The last time the Nikkei experienced such a severe drop was on "Black Monday" in October 1987, when it plunged 3,836 points, or 14.9%.

The drop follows the Bank of Japan's decision to raise its

benchmark interest rate on Wednesday, bringing it to around the same level as a year ago.

Share prices have been falling in Tokyo since the announcement.Adding to the turmoil, Asian equities plummeted to multi-year lows on Monday as investors rushed out of risky assets and into safe-haven bonds, driven by fears that the Federal Reserve's prolonged fight against inflation might have pushed the United States into a recession.Meanwhile, the benchmark Indian stock market indices, Sensex and Nifty, crashed 3% each.While the crash in the domestic markets wiped out significant amount of investor wealth, the situation was better than in other Asian stock markets.

Rupee hits all-time low amid global stock sell-off and US economic worries

NEW DELHI. Rupee reached an all-time low on Monday as fears of a sharp slowdown in the United States led to a sell-off in global stocks and a pullback from local equities.The rupee (INR) fell to a record low of 83.82 against the US dollar. By 11:20 AM, it was trading at 83.8125, which was a drop of about 0.1% from its previous close of 83.75 on Friday.The decline in the rupee came as Indian stock markets also suffered losses. Both the benchmark indices, the BSE Sensex and Nifty 50, were down by about 3% each.

Asian stock markets were down across the board following a disappointing US jobs report from Friday. The report showed an unexpected rise in the unemployment rate for July, raising concerns about the economic outlook.

Investors moved away from risky assets due to worries that the Federal Reserve's decision to delay lowering interest rates might push the US

economy into a recession. The delay is seen as part of a broader effort to combat inflation.On Monday, the Reserve Bank of India (RBI) intervened to support the rupee. According to traders, state-run banks were seen selling dollars intermittently, likely on behalf of the RBI, to help stabilise the local currency.The US dollar index was down 0.3% at 102.85, while most Asian currencies gained between 0.3% and 2.2%.

US bond yields also fell sharply. The 10-year Treasury yield dropped by 8 basis points to 3.71%, its lowest level since July 2023. This drop in yields came amid rising expectations that the Federal Reserve might soon lower rates more aggressively.In a recent note, DBS Bank said that markets are increasingly worried about a potential economic slowdown. They mentioned that while some analysts are predicting significant rate cuts, they believe a 50 basis point cut would be sufficient for now.

Sensex falls over 2,500 points, Nifty crashes; Rs 18 lakh crore wiped out

New Delhi. Benchmark indices, Sensex and Nifty, tumbled sharply for the second consecutive session today, mirroring global market fears of a potential recession in the US economy.

Investor wealth declined by Rs 18 lakh crore, with the market valuation dropping to Rs Rs 443.29 lakh crore from the previous session's Rs 457.16 lakh crore.The S&P BSE Sensex was down 2,345 points lower at 78,636.37 at around 12:09 pm, while the NSE Nifty50 plunged 698.70 points to trade at 24,019.The market downturn was broad-based, with small and midcap stocks experiencing significant declines.

Several top multibagger stocks declined sharply during the session.Volatility surged as global market uncertainty took its toll. All major sectoral indices suffered substantial losses in realty, IT, banking, and financial services stocks.

Factors behind today's stock market crash

Dr. VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist at Geojit Financial Services, highlighted US job data, which led to a global sell-off, was the key factor behind today's steep fall in Sensex and Nifty.He explained that expectations of a soft landing for the US economy is now in jeopardy due to a decline in job creation in July and a sharp rise in the US unemployment rate to 4.3%.

Geopolitical tensions in the Middle East are also exacerbating market fears, Vijayakumar noted.

Another critical factor is the unwinding of the Yen carry trade, which has significantly impacted the Japanese market. The Nikkei index's crash by over 4% this morning signals a crisis in the Japanese market.Vijayakumar also pointed out that valuations in India remain high, particularly in the mid and smallcap segments, driven mainly by sustained liquidity flows. Overvalued sectors such as Defence and Railways are expected to face pressure. He advised investors against rushing to buy during this correction and to wait for market stabilisation.Amid the ongoing sell-off, Sameet Chavan, Head of Research, Technical and Derivatives at Angel One, highlighted the importance of staying vigilant and monitoring global developments.He advised observing these trends thoroughly over the weekend to be well-prepared to respond effectively.Meanwhile, Tanvi Kanchan, Head - UAE Business & Strategy, Anand Rathi Shares and Stock Brokers, said, "The broader indices traded at a negative zone, emulating the global indices after the Nasdaq and the S&P lost 3.2% in 2 trading days, post the federal reserve decided to hold interest rates.

Sebi amends mutual fund rules to curb front-running, insider trading

NEW DELHI. Capital markets regulator Sebi has amended mutual fund norms requiring Asset Management Companies (AMCs) to put in place an institutional mechanism to identify and deter front-running and insider trading in securities.Additionally, the management of AMCs will be responsible for ensuring the effectiveness of the institutional mechanism.Also, the regulator has directed AMCs to have a whistle-blower mechanism.This came in the wake of Sebi's passing two orders regarding front-running cases involving Axis AMC and Life Insurance Corporation of India (LIC).

In a gazette notification dated August 1, Sebi said, "Asset management companies shall put in place an institutional mechanism, as may be specified by the Board, for the identification and deterrence of potential market abuse including front-running and fraudulent transactions in securities."Front-running refers to an illegal practice, where an entity trades based on advanced information from a

stock broker or analyst before the information has been made available to clients.As per the notification, the Chief Executive Officer (CEO) or Managing Director (MD)or such other person of equivalent or analogous rank and Chief Compliance Officer of the asset management company will be responsible and accountable for the implementation of such an institutional mechanism."The asset management company shall establish, implement and maintain a documented whistle-blower policy that shall provide for a confidential channel for employees, directors, trustees, and other stakeholders to raise concerns about suspected fraudulent, unfair or unethical practices, violations of regulatory or legal requirements or governance vulnerability, and establish procedures to ensure adequate protection of the whistleblowers," Sebi said.To give these effects, the Securities and Exchange Board of India (Sebi) has amended mutual fund rules, which will come into force from November 1.

PV sales rise 10 per cent in July on new launches, enhanced discounts: FADA

NEW DELHI. Passenger vehicle retail sales in India witnessed a 10 per cent on-year jump in July driven by new model launches and enhanced discounts, industry body FADA said on Monday.

Total passenger vehicle retail sales rose to 3,20,129 units in July, as compared to 2,90,564 units in July 2023."Dealers reported benefits from good product availability, attractive schemes, and a wider range of products," the Federation of Automobile Dealers Associations (FADA) Vice President C S Vigneshwar said in a statement.Heavy rains, low consumer sentiment, and intense competition posed challenges but dealers managed to sustain sales through strong promotions and incremental discounts, he added.Vigneshwar, however, noted that the growth is accompanied by high inventory levels which has surged to a historic high of 67-72 days, equating to Rs 73,000 crores worth of stock.

"This poses a substantial risk for dealer sustainability, necessitating extreme caution. FADA urges PV original equipment manufacturers (OEMs) to be vigilant about potential dealer failures due to these high inventory levels," he stated.It is also crucial for the Reserve Bank of India to mandate financial institutions to implement stringent checks before releasing inventory funding, preferably requiring dealer consent or collaterals to prevent the escalation of NPAs, he added.

Two-wheeler retail sales last month stood at 14,43,463 units, an increase of 17 per cent over 12,31,930 units in July 2023.The segment experienced notable growth due to a thriving rural economy, positive monsoon effects, and the government's support programs enhancing rural incomes, Vigneshwar oted."The introduction of new products and better stock availability also contributed significantly, despite market slowdowns in certain regions, excessive rains, and increased competition," he added.

Commercial vehicle retail sales grew 7 per cent year-on-year to 80,057 units last month."Positive factors included growth in the construction and mining sectors,

while challenges such as continuous rainfall, negative rural market sentiment, poor finance availability, and high vehicle prices were also noted," Vigneshwar said.

Tractor sales declined 12 per cent year-on-year to 79,970 units in July.

FADA, which collated vehicle registration data from 1,568 out of 1,645 RTOs across the country, noted that the near-term outlook across the auto retail segments shows a blend of optimism and caution.

Two-wheeler sales are expected to be buoyed by factors such as a growing rural economy, positive monsoon impacts and the introduction of new products.

The festive season beginning after the Aadi festival and favourable agricultural conditions are also likely to contribute to increased sales.However, heavy rainfall, ongoing agricultural activities and inconsistent monsoon patterns may dampen demand in certain areas.

FADA noted that the PV segment could see mixed results in the near-term.

While the festive season, attractive schemes and good monsoon are expected to boost sales, concerns over low consumer sentiment, heavy rainfall and a lack of new product launches persist, it said.High inventory levels pose a significant risk and it is crucial for PV OEMs to avoid further increases in stock to prevent financial strain on dealers, FADA said.The CV segment faces a modest outlook, with positive factors including improved market reach and the festive season, tempered by challenges such as bad freight rates and ongoing rainfall, it added.

J&K BJP to mark 5th anniversary of abrogating Article 370, Opposition to protest

The BJP is set to celebrate five years since the abrogation of Article 370 in Jammu and Kashmir. The Opposition, however, has announced plans to protest against this move. Meanwhile, as a security measure, Amarnath Yatra has been suspended for a day.

New Delhi: Security has been beefed up across Jammu and Kashmir as the BJP is set to hold an 'Ekatma Mahatsav' rally commemorating the 5th anniversary of the abrogation of Article 370 today. Five years ago, on August 5, Article 370, which gave a special status to the erstwhile state of Jammu and Kashmir, was repealed. Following this, the state was split into two Union Territories.Slamming the BJP for organising a rally to celebrate the revocation of Article 370, the opposition bloc, including Congress and the Peoples Democratic Party (PDP), termed August 5 a "black day."A local PDP leader stated that the protest would be held outside the party headquarters in Gandhinagar.

Speaking with news agency PTI, a spokesperson for the Democratic Progressive Azad Party (DPAP) stated that the party will also hold a protest at Maharaja Hari Singh Park to condemn the abrogation of Article 370.On Monday, the 'Ekatma Mahotsav' rally will take place at Bana Singh Stadium in R S Pura, commemorating the complete integration of Jammu and Kashmir with the rest of India on August 5, 2019, under the leadership of Prime Minister Narendra Modi, stated J-K BJP General Secretary and former MLC Vibodh Gupta."The day of August 5, 2019 is a very important day in our lives. On this vital day five years ago, a historic blunder was corrected, and we, the people of Jammu and Kashmir, united completely with the rest of India. We are now able to enjoy all the rights and liberties and are progressing on the path of development," Gupta was quoted as saying by PTI in its report.Lambasting the BJP over celebrating the abrogation of Article 370, J-K Congress chief spokesperson Ravinder Sharma said, "What was achieved in five years, the BJP should answer to the people, especially Dogras, instead of rubbing salt on their wounds."

Hitting out at the J-K BJP for its "shamelessness and compulsion to celebrate the day of J-K's destruction," Sharma stated that the party is "celebrating the downgrading" of the historic Dogra state, taking away the status, dignity, identity, and rights of the people of J&K.

Amarnath Yatra Suspended For A Day

In the wake of the 5th anniversary of the abrogation of Article 370, the Jammu and Kashmir administration has suspended the Amarnath Yatra for a day. As a precautionary measure, no fresh batch of pilgrims was allowed to leave the Bhagwati Nagar base camp.This year, over 4.90 lakh pilgrims have paid their respects at the 3,880-meter-high cave shrine till now."The yatra has been halted for the day as a precautionary measure. No fresh batch was allowed from Jammu to Kashmir today," an officer told PTI.The Amarnath Yatra began on June 29 and will conclude on August 19.

"Strange Coincidence": Court On Deaths In Delhi Home For Mentally Challenged

New Delhi: Delhi High Court on Monday remarked that the recent deaths of 14 inmates in the city government-run Asha Kiran shelter home for the mentally challenged was a "strange coincidence" and directed the social welfare secretary to visit the premises on August 6 and file a report.Noting that "nearly all" the dead suffered from tuberculosis, a bench headed by Acting Chief Justice Manmohan directed the Delhi Jal Board (DJB) to test the quality of water in the shelter home as well as the condition of water and sewer pipelines and

file a report.

The bench, also comprising Justice Tushar Rao Gedela, emphasised that "curative measures" were needed in the matter and said if the shelter home was overcrowded, the authorities would decongest it and move some inmates to another facility.

The court, hearing a PIL seeking a probe into the deaths, listed the matter for further hearing on August 7.Since February, 25 inmates have died at the centre, currently housing 980 "intellectually disabled" persons, including men, women and children, according to official data.

"Coaching Centres Have Become Death Chambers": Top Court On Delhi Tragedy

New Delhi: Coaching centres have become "death chambers" and are playing with the lives of children, the Supreme Court said today, issuing notice to the Centre and the Delhi government over last month's death of three Civil Service aspirants.They drowned after the basement of a coaching centre in Delhi's Rajendra Nagar - operating in violation of civic and fire safety rules - was flooded due to heavy rainDuring the hearing the Supreme Court, which had taken suo moto cognisance of the tragedy, accused the coaching centres of "playing with the lives of children".

The court also demanded to know what rules, if any, had been laid down for coaching centres, of which there are hundreds, potentially, in Delhi alone, many of which charge exorbitant fees to prep students for the IAS entrance exam and yet operate in unsafe environments.

"These places have become death chambers. Coaching institutes can operate online unless there is full compliance of safety and basic norms for a dignified life. Coaching centres are playing with the lives of aspirants..." Justice Surya Kant and Justice Ujjal Bhuyan said.These norms should include proper ventilation and safe entrances and exits, the court said.

The Supreme Court also imposed a fine of ? 1 lakh on a petition - the Coaching Institute Federation - for challenging a Delhi High Court order to shutdown all such business that have not passed civic and fire safety checks; nearly three dozen such centres were closed.The students' deaths - the result of drains failing to clear stagnant rainwater that was washed back into the basement with sewage - have triggered a row over infrastructure in the city.The Delhi High Court ripped into police ad city officials last week; "Some officer has to be liable... these people must be alive," the court said before it transferred inquiries to the CBI.A furious court asked serious questions of the Municipal Corporation and its ability to plan and maintain city infrastructure, particularly in times of crises like floods.

Indians in Bangladesh advised to exercise 'extreme caution' amid protests

New Delhi: India on Sunday night strongly advised all its nationals presently residing in Bangladesh to exercise "extreme caution" and restrict their movements in the wake of fresh waves of violence in the neighbouring country.In its latest advisory, India also asked its citizens not to travel to Bangladesh till further notice.At least 90 people, including 14 policemen, were killed on Sunday in fierce clashes between security forces personnel and anti-government protesters in different parts of Bangladesh, according to reports from Dhaka.

The protesters are demanding the resignation of Prime Minister Sheikh Hasina."In view of ongoing developments, Indian nationals are strongly advised against travelling to Bangladesh till further notice," the Ministry of External Affairs (MEA) said in the advisory.

"All Indian nationals presently in Bangladesh are advised to exercise extreme caution, restrict their movements and remain in contact with the High Commissio of India in Dhaka," it sad.The student protests in Bangladesh started last month against a controversial job quota scheme. The protests now have turned into an anti-government agitation.On July 25, the MEA said around 6,700 Indian students returned from Bangladesh in view of the situation in that country.

Air Force approves production of 200 Astra missiles

New Delhi: The Indian Air Force (IAF) has given clearance to the Defence Research and Development Organisation (DRDO) and the Bharat Dynamics Limited (BDL) to produce 200 Astra air-to-air missiles for its Su-3O and LCA Tejas fighter aircraft.The clearance was given to the DRDO and public sector firm BDL, during a recent visit by Indian Air Force Deputy Chief Air Marshal Ashutosh Dixit to Hyderabad.While DRDO is the development agency for the project, BDL is the production agency for it, senior defence officials told India Today TV.

The programme was cleared by the Defence Acquisition Council for the IAF and Indian Navy, under which 248 missiles were expected to be produced for both services in 2022-23.These series of air-to-air missiles are part of the Astra program, which aims to enhance the aerial combat capabilities of the Indian Armed Forces. The Astra

Mark 1 missile, a predecessor to the Mark 2, has already been successfully inducted into both the IAF and the Navy.Senior defence officials informed India Today TV that work is currently underway on the Astra Mark 2 missiles and the first test of this 130 km strike range missile is scheduled to take place in the upcoming months.

DRDO is focusing on developing a special motor to extend the missile's range, they said.The existing Astra Mark 1 missile has a range of up to 100 kilometres, with the potential for further extension.

The journey towards developing an indigenous air-to-air missile system began in 2001, when the DRDO initiated discussions with various stakeholders. The aim was to design and develop a missile system capable of engaging adversary targets beyond visual range.Hyderabad's Defence Research and Development Laboratory (DRDL) was subsequently identified as the nodal lab for this project. A dedicated task force was formed to undertake preliminary studies and drive the project forward.

"Won't Apologise To Any Official, But...": Bengal Minister Resigns

Kolkata: A day after the Trinamool Congress leadership asked him to step down from the ministry and apologise to a forest department woman official for threatening and verbally abusing her, West Bengal Correctional Services minister Akhil Giri on Monday said he had sent his resignation to the Chief Minister's Office.

The TMC MLA from Ramnagar, however, said that he would not apologise to any official but to Chief Minister Mamata Banerjee."I have tendered my resignation through chief secretary to the Chief Minister's Office. But I will not apologise to any official. I may apologise to the chief minister," Giril told reporters while coming out of the MLA hostel in the southern part of the city.

"I lost my cool that day seeing people's sufferings and how the forest department people were torturing them. I am sorry for using one particular word, but not for whatever else I said. Whatever I have done is for the cause of the people," Giri said.The Ramnagar MLA further alleged that small-time businessmen had paid forest department officials bribe to start shops on department land near the Tajpur sea beach in Purba Medinipur district.

Giri, who has been with the TMC since it was founded in 1998, said he would write in detail to the CM regarding the events that led to his losing cool.Asked about his plans on whether he would join the BJP, Giri said, "What would I be doing? My term is till 2026, I will be working as an MLA as per the requirement of my party.On Sunday, Giri, flanked by locals was seen in videos threatening forest ranger Manisha Sahu, warning her of reducing her tenure after she and her team removed encroachments on forest department land near Tajpur beach.

Heavy rain alert in 5 states, river water level rises in Jharkhand, Bengal

New Delhi: The India Meteorological Department issued a red alert for western Madhya Pradesh, eastern Rajasthan, Gujarat, the Konkan region, Goa, and central Maharashtra on Sunday, saying that the states and the region would receive "heavy to extremely heavy rainfall" for coming few days. On the other hand, river water levels are rising in Pune, Jharkhand, and West Bengal. Authorities are monitoring the situation closely and have advised residents to take the necessary precautions.Speaking with news agency ANI, IMD scientist Dr. Naresh Kumar said, "The monsoon is in its active phase. There is a deep depression in North East MP. There is low pressure in southwest Rajasthan. We expect extremely heavy rainfall in western Madhya Pradesh, eastern Rajasthan, Gujarat, the Konkan region, Goa, and central Maharashtra, for which we have also issued a red alert. There will be no rain in Delhi-NCR in the next two days."Kerala, coastal Karnataka, and Tamil Nadu are expected to witness heavy rain in the coming days, he stated.

"When the monsoon trough comes to its

near position, light to moderate rainfall is expected in Delhi," he added.On Monday, the National Defense Response Force rescued seven people who were stranded in Hinglaj village in Gujarat's Valsad district in wake of the heavy rain and high tide in the Auranga river. According to the official, the stranded people were fishermen.In light of the significant water discharge from the Khadakwasla, Mulshi, Pavana, and other dams in the Pune region, Maharashtra Chief Minister Eknath Shinde has directed authorities to remain vigilant. He emphasised the importance of relocating residents from hazardous areas to safer locations with the support of the NDRF, SDRF, and the Army, if necessary.According to officials from Maharashtra's irrigation department, 35,000 cusecs of water have been released from the Khadakwasla dam due to heavy rainfall in the catchment areas over the past two weeks. The ghat section of Pune district has experienced particularly intense rainfall in the last two days.In response to the heavy downpours and water discharge from the Khadakwasla dam, army personnel have been deployed to assist in an inundated residential area in Pune, Maharashtra, officials stated.

On Sunday, heavy rains swept across western and central India, while a cloudburst in Jammu and Kashmir forced the closure of the vital Srinagar-Leh national highway. This disruption has severed the Kashmir Valley's connection to Ladakh and rendered the Baltal base camp for the Amarnath Yatra inaccessible.The recent landslides in Kerala's Wayanad and Himachal Pradesh have resulted in a tragic loss of life, with the death toll rising to 358 and 13, respectively. In addition, over 370 individuals, including pilgrims, who were stranded along the rain-damaged trek route to Uttarakhand's Kedarnath, have been successfully evacuated.

In the wake of the rising water level of the Godavari River due to heavy rains, the Nashik district administration has urged people to stay alert. An official stated that a total of 4,000 cusecs of water were released from the Gangapur dam, leading to a spike in the water level of the Godavari.

News box

Robert F Kennedy Jr admits to dumping dead bear in New York's Central Park

Wilmington Independent US presidential candidate Robert F. Kennedy Jr said in a video posted online on Sunday that he dumped a dead bear in New York City's Central Park a decade ago and staged it to look like a bike had hit it.

Kennedy suggested in the video, which was posted on social media platform X, that he is trying to get ahead of a not-yet-published story from the New Yorker."Looking forward to seeing how you spin this one, @NewYorkerâ€æ" Kennedy posted on his X account with a video of himself at a kitchen table talking to comedian Roseanne Barr.Kennedy said in the video that he was driving to the Hudson Valley in New York state when a woman in a van in front of him hit a young bear and killed it. He put the bear's body into the back of his car because he was going to skin the bear and store its meat at his house, he said.But after a late dinner in New York City at the Peter Luger Steak House, he had to go straight to the airport and did not want to leave the bear in his vehicle."I had an old bike in my car that somebody asked me to get rid of. I said, 'Let's go put the bear in Central Park and we'll make it look like he got hit by a bike,'" he said and then laughed, saying it would be "amusing" for whoever found it.

The Kennedy campaign did not immediately comment further on the incident.

In October 2014, the body of a black bear cub was found in the bushes of Central Park and police launched a criminal investigation into the death.Foul play was suspected in the case, Reuters reported at the time, and state wildlife officials later concluded it was likely struck and killed by a vehicle.

Kennedy said in the video that the New Yorker had asked him about the incident and was planning on doing a "big article" about him.

Missile attack by Yemen's Houthi rebels hits container ship in first attack in two weeks

DUBAI. A missile attack by Yemen's Houthi rebels struck a Liberian-flagged container ship traveling through the Gulf of Aden, authorities said Sunday, the first assault by the group since Israeli airstrikes targeted them.The Houthis offered no explanation for the two-week pause in their attacks on shipping through the Red Sea corridor, which have seen similar slowdowns since the assaults began in November over Israel's war on Hamas in the Gaza Strip. But the resumption comes after the assassination of Hamas leader Ismail Haniyeh in Iran, the Houthis' main benefactor, amid renewed concerns over the war breaking out into a regional conflict.The rebels separately said they shot down another U.S. spy drone Sunday, later publishing imagery of the aircraft's wreckage on the side of the mountain.The attack on Saturday happened some 225 kilometers (140 miles) southeast of Aden in a stretch of the Gulf of Aden that has seen numerous Houthi attacks previously. It hit the container ship Groton just above its waterline, causing minor damage, said the Joint Maritime Information Center, a multinational coalition overseen by the U.S. Navy. An earlier missile attack missed the vessel, the JMIC said.“All crew on board are safe,” the center said. “The vessel was reported diverting to a port nearby.”

Australian probe into Gaza aid worker deaths 'omitted crucial details': Israel

SYDNEY. Australia "omitted crucial details" when presenting a report into the deaths of seven aid workers in Gaza, Israel's embassy in Canberra said Monday in a frank diplomatic rebuke.Australian national Lalzawmi "Zomi" Frankcom was among a group of seven charity workers killed in April when their World Central Kitchen aid convoy was mistakenly hit by an Israeli air strike.A declassified Australian report last week blamed the lethal error on operational failures such as the "mistaken identification" of armed security staff as Hamas hijackers.

Israel's embassy hit back on Monday morning, saying the Australian government "regrettably included some misrepresentations and omitted crucial details", such as its military's willingness to cooperate."The IDF (military) has taken full responsibility for the grave mistakes that led to the tragic incident of the night of April 1," the embassy said in a statement.The deaths -- of an Australian, three Britons, a North American, a Palestinian and a Pole -- triggered global outrage and a renewed push to ensure the safety of aid workers in Gaza.

Former Australian air force chief Mark Binskin was tasked with monitoring Israel's efforts to unravel what went wrong.His declassified report, released Friday, found three vehicles in the aid convoy were "struck in relatively quick succession" after they were tagged as suspicious.An Israeli surveillance drone flagged the vehicles after noticing some of the charity's security personnel were carrying guns, Binskin found.

US deploying additional forces in Middle East to de-escalate tensions: White House

Washington. The US is deploying additional military might in the Middle East as a defensive measure with a goal of de-escalating tensions in the region, a White House official said on Sunday.Regional tensions have increased following the assassination on Wednesday of Ismail Haniyeh, the leader of the Palestinian Islamist group Hamas, in Tehran a day after an Israeli strike in Beirut killed Fuad Shukr, a senior military commander from the Lebanese group Hezbollah. Both groups are backed by Iran.There are mounting fears that Israel's war against Palestinian militants in Gaza, which began last October after attacks on the Jewish state, could escalate into a wider Middle East conflict. Iran and Hamas have blamed Israel for Haniyeh's killing in the Iranian capital, and they, together with Hezbollah, have vowed revenge. Israel has not claimed or denied responsibility.U.S. President Joe Biden will convene his national security team in the situation room on Monday to discuss developments in the Middle East, the White House said, adding that he would speak with Jordan's King Abdullah as well.U.S. news service Axios reported that U.S. Secretary of State Antony Blinken told his counterpart from G7 countries that Iran and Hezbollah could start attacking Israel as early as Monday, citing three sources briefed on the call. But Blinken, according to Axios, said it was unclear how Iran and Hezbollah would attack and did not know the exact timing.When asked about the report, the State Department referred to a readout of the call, where it said the ministers discussed "the urgent need for de-escalation in the Middle East."The Pentagon said on Friday it would deploy additional fighter jets and Navy warships to the region."The overall goal is to turn the temperature down in the region, deter and defend against those attacks, and avoid regional conflict," Jonathan Finer, the White House's deputy national security adviser, said on CBS' "Face the Nation" program.The U.S. and Israel are

preparing for every possibility, Finer added.

There was a "very close call" of regional conflagration in April, Finer said, when Iran launched an attack on Israeli territory with drones and missiles after what it called an Israeli strike on its consulate in Damascus on April 1 that killed seven officers of the Islamic Revolutionary Guard Corps in the Syrian capital.The U.S. wants to be prepared should that situation rise again, Finer added.

In a call with his Israeli counterpart, the Pentagon said U.S. Defense Secretary Lloyd Austin reiterated the United States' support for Israel's security and "right to self-defense against threats from Iran, Lebanese Hizballah (Hezbollah), Houthis, and other Iranian-backed terrorist groups."Blinken spoke with Iraqi Prime Minister Mohammed Shia al-Sudani on Sunday and emphasized "the importance of all parties taking steps to calm regional tensions, avoid further escalation, and advance stability," the State Department said.

'PRUDENT PLANNING'

Biden on Saturday expressed hope that Iran would stand down despite its threat to avenge Haniyeh's killing.The U.S. on Wednesday urged its citizens who wish to leave Lebanon to start making plans immediately."This is no prediction about future events. It is prudent planning for them and for our government," Finer said on CBS.

The British government advised its nationals to leave Lebanon. Canada told its citizens to avoid all travel to Israel, saying the regional conflict endangers security.

Tropical storm Debby strengthens into Category 1 hurricane as it heads to Florida

UPDATED Debby strengthened into a hurricane late Sunday as it bore down on Florida’s Gulf Coast with potential for history-making levels of rain and major flooding, prompting evacuation orders.Debby grew rapidly into a Category One hurricane, the lowest on a five-stage scale, thanks to unusually warm Gulf of Mexico and is expected to slam into Florida’s Big Bend region around mid-day Monday.The National Hurricane Center warned there is a danger of life-threatening storm surges along Florida’s Gulf Coast with six to 10 feet (1.8 to 3.0 meters) of inundation above ground level in some areas.The storm will probably cause catastrophic flooding with “potentially historic heavy rainfall” when Debby moves northeast across Georgia and South Carolina over the next few days, the NHC said.“We are looking at potentially really, really significant flooding that will happen, particularly in north-central Florida,” Governor Ron DeSantis told an emergency briefing on

the storm Sunday.He and NHC deputy director Jamie Rhome have stressed that Floridians should be making and completing their final emergency preparations immediately.

As of 11:00 pm (2100 GMT), Debby was about 100 miles (160 kilometers) west of Tampa carrying maximum sustained winds of 75 miles per hour and moving north at 12 miles per hour, the advisory said.As residents rushed to prepare, mandatory evacuations were ordered for part of Citrus County, Florida, with eight other counties under voluntary evacuation orders, local media reported.“Take the situation seriously,” Paul Hasenmeier, Hernando County fire chief and public safety director, told reporters late Saturday. “We know the water’s going to come up as the storm passes.”Debby is expected to dump six to 12 inches of rain in parts of Florida, and as much as 20 to 30 inches in coastal Georgia and South Carolina before the week is over, the NHC said.The governors of Georgia and South Carolina have declared a state of emergency ahead of the storm’s arrival.Brennan predicted “multiple days of very, very heavy rainfall” — at possibly record-breaking levels. He said there likely will be severe flash flooding “in areas that don’t normally flood.”President Joe Biden on Sunday approved an emergency declaration for Florida, allowing federal aid to be expedited.DeSantis has activated the state’s National Guard, with 3,000 service members on standby to help with storm response.

Top Democrat wants Biden's face on Mount Rushmore: Such a consequential leader

North Korean leader Kim Jong Un oversaw the delivery of a new tactical ballistic missile system to troops on Sunday, state media KCNA reported on Monday.Kim also gave a speech at the ceremonial event in Pyongyang where 250 new tactical ballistic missile launchers were unveiled, according to KCNA.The launchers have been described by state media as a powerful up-to-date tactical attack weapon personally designed by Kim and ready to be transferred to KPA units.KPA refers to the Korean People's Army, the country's military forces.North Korea said it test-fired its new tactical ballistic missile last month.Pyongyang will have enhanced nuclear

readiness in the near future to deter nuclear threats and protect itself to respond to any challenges, the leader was quoted as saying in the speech to troops and military scientists.Kim reaffirmed his stance that stockpiling and improving the country's nuclear weapons was the best way to counter what he said were nuclear threats and pressure from the United States.The leader of the reclusive state also said peace was guaranteed by the "absolute and matchless self-defence capability," according to KCNA.

Bangladesh government orders complete internet shutdown as protesters plan 'Long March to Dhaka'

DHAKA. The Bangladesh government on Monday ordered a complete internet shutdown as protestors asked the general public to join a "Long March to Dhaka", a day after nearly 100 people died in fierce clashes between demonstrators demanding Prime Minister Sheikh Hasina's resignation and the ruling party supporters in different parts of the country.The clashes broke out Sunday morning when protesters attending the non-cooperation programme under the banner of the Students Against Discrimination with the one-point demand of Hasina's resignation over a job quota system faced opposition from the supporters of the ruling Awami League, Chhatra League, and Jubo League activists.At least 98 people, including 14 policemen, were killed in clashes on Sunday, leading Bengali-language newspaper Prothom Alo reported.The violence forced authorities to cut off mobile internet and enforce a nationwide curfew for an indefinite period.The Anti-Discrimination Student Movement has rescheduled their "Long March to Dhaka" to be held on Monday, a day earlier than initially planned.The decision was taken during an urgent meeting amid growing concerns in the country, Asif Mahmud, a coordinator of the movement, said in a press release issued on Sunday night."In an urgent decision to review the situation, our 'March to Dhaka' program has been changed from August 6 to August 5. In other words, we are calling on students from all over the country .

Kamala Harris strengthens against Donald Trump in new survey

Kamala Harris has a one percent advantage against Donald Trump in the latest polls, transforming the race for the White House. With the election approaching, Harris's choice of running mate is eagerly anticipated.

UPDATED. A new poll confirmed Sunday that Kamala Harris -- set to name her vice presidential pick imminently -- has drawn level with Donald Trump, transforming a White House race that the Republican had been increasingly confident he was going to win.As the November 5 election rapidly approaches, Harris has erased the growing lead that Trump was building before President Joe Biden dropped his re-election bid.According to the CBS News/YouGov poll released Sunday, Harris has a one percent advantage on Trump nationwide -- compared to Trump's previous five-point edge on Biden.In the swing states that decide the Electoral College contest in US elections, Harris and Trump -- who shocked the world with his 2016 presidential victory but was beaten by Biden in 2020 -- are equal.These are considered good numbers for a Democratic candidate who parachuted into the race only last month, when Biden bowed to mounting concerns over his mental acuity and ability at 81 years old to serve a second term.But Harris, who is Biden's vice president and the first Black and South Asian woman ever in the role, is in a sprint to define herself to voters before Trump does.A big moment in that process will be when Harris announces her choice for running mate in a

historic bid to become America's first female president. This could happen as early as Sunday or Monday.Expectations are that Harris will pick a white man to balance the ticket -- and likely a moderate Democrat who would help counterweigh attacks on Harris from Republicans that she is too far to the left.The three figures seen as heading the short list -- Minnesota Governor Tim Walz, Pennsylvania Governor Josh Shapiro and Senator Mark Kelly of Arizona -- were all visiting Harris in Washington on Sunday, The Washington Post reported."It's her first major decision that she's making as an executive, so it tells you about her thought process," Amy Walter, a polling expert from Cook Political Report newsletter, told CBS News.The CBS poll, which echoes numerous other surveys indicating rapid gains by Harris, shows that Trump is still favored by voters on the key issue of the economy.Only 25 percent said they expected to be better off financially if Harris wins, compared to 45 percent who said so about Trump.However, when it comes to trust in the candidates' temperament, the poll shows voters prefer the former California prosecutor to Trump, a convicted felon who has made a career out of publicly insulting those who oppose him -- including while president.The issue of cognitive health, which used to bedevil Biden, is now a liability for 78-year-old Trump, the poll found. Only 51 percent of respondents thought Trump is mentally capable for the presidency, compared to 64 percent for Harris.The Democrats believe that if you "make this referendum on Trump rather than a referendum on the current state of the economy, then we have a real opportunity to win," Cook said.Trump was riding high politically last month after surviving an assassination attempt at a rally, then using the Republican convention to highlight his image of vigor against the physically frail Biden.

But with Biden's dramatic exit and Harris's fast start, he's scrambling to recalibrate.

Hurricane Debby to bring heavy rains and catastropic flooding to Florida, Georgia and South Carolina

TAMPA. The center of Hurricane Debby is expected to reach the Big Bend coast of Florida early Monday bringing potential record-setting rains, catastrophic flooding and life-threatening storm surge as it moves slowly across the northern part of the state before stalling over the coastal regions of Georgia and South Carolina.Debby was located about 100 miles (161 kilometers) west of Tampa, Florida, with maximum sustained winds of 75 mph (120 kph). The storm was moving north at 12 mph (19 kph), the National Hurricane Center in Miami said Sunday evening.Debby is the fourth named storm of the 2024 Atlantic hurricane season after Tropical Storm Alberto, Hurricane Beryl and Tropical Storm Chris, all of which formed in June.Forecasters warned heavy amounts of rain from Debby could spawn catastrophic flooding in Florida, South Carolina and Georgia.The storm was expected to make landfall around midday Monday in the Big Bend area of Florida, about 16 miles (26 kilometers) south of Tampa, the hurricane center said. A tornado watch also was in effect for parts of Florida and Georgia until 6 a.m. Monday.“Right now, we are to trying secure everything from floating away," said Sheryl Horne, whose family owns the Shell Island Fish Camp along the Wakulla River in St. Marks, Florida, where some customers moved their

boats inland.The sparsely populated Big Bend region in the Florida Panhandle also was hit last year by Hurricane Idalia, which made landfall as a Category 3 hurricane.“I am used to storms and I’m used to cleaning up after storms,” Horne said.

Debby was expected to move eastward over northern Florida and then stall over the coastal regions of Gorgia and South Carolina, thrashing the region with potential record-setting rains totaling up to 30 inches (76 centimeters) beginning Tuesday.Officials also warned of life-threatening storm surge along Florida’s Gulf Coast, with 6 to 10 feet (1.8 to 3 meters) of inundation expected Monday between the Ochlockonee and Suwannee rivers.

“There’s some really amazing rainfall totals being forecast and amazing in a bad way,” Michael Brennan, director of the hurricane center, said at a briefing.

NEWS BOX

Virat Kohli flaunts his dance moves after completing catch in SL vs IND

New Delhi. Virat Kohli continued to entertain the fans with his on-field antics after his return to ODI cricket for India after eight months. Kohli, known for breaking into impromptu dancing, was yet again the centre of attraction at the R. Premadasa Stadium in Colombo on August 5, Sunday. Kohli broke into dancing when he completed the catch of Sri Lankan batter Sadeera Samarawickrama during the 2nd ODI match between India and Sri Lanka. This time, Kohli's dance moves seemed familiar. It looked similar to Riyan Parag's Assamese Bihu dance moves.Parag, who hails from Assam, had performed a step from their traditional dance when RR completed a thrilling victory over SRH during IPL 2020. The 18-year-old's dance moves went viral on the internet and the batter was spotted performing the step quite often. Kohli was spotted performing a similar step when he completed the catch. Interestingly, Parag has hailed Kohli as his idol. Kohli returned to his animated best as many of his on-field videos have gone viral

on the internet. He was spotted having a fun and goofy chat with Shubman Gill during the 1st ODI match. However, the 35-year-old is yet to step-up with the bat in the three-match ODI series.Sri Lanka take series lead

After the first ODI match between India and Sri Lanka ended in a tie, the hosts managed to win the 2nd ODI match by 32 runs in Colombo. Kohli has managed the scores of 24 and 11 so far in the first 2 ODI matches. In the 2nd match, the hosts Sri Lanka, managed to outplay India in every way to take an unassailable lead in the series. The loss also ended India's sequence of 11 consecutive bilateral series wins in the ODIs against Sri Lanka.

India to face Germany in Olympic semis: H2H, all you need to know

India are all set to face Germany in the Paris Olympics 2024 hockey semifinal, which will be a rematch of the bronze medal tie from Tokyo 2020. Both teams are giants of the game and will be aiming to serve another thriller for the hockey fans.

New Delhi. India are all set for their semifinal clash in hockey, and they will be facing none other than the world champions Germany in the clash. The Indian team had made secured a miraculous win on August 4, Sunday as they literally defied the odds to go past Great Britain. In a match that was marred by controversy, India were reduced to 10 men as Amit Rohidas was given a red card by the referee.Forced to play more than 45 minutes with just 10 men, it seemed like the task was going to be impossible for the Indian side as Great Britain launched attack after attack. However, PR Sreejesh and the Indian defence stood their ground and thwarted every single attack as Great Britain were unable to take the lead as the game ended 1-1. Then came the dreaded penalty shootout, where Sreejesh once again proved why he is the best in the business.India won 4-2 as Sreejesh pulled off a fine save as the Indian players all converted their chances. Now, they will be facing Germany, who went past Argentina in the other quarterfinal. Gonzalo Peillat, an Olympic gold medal winner with Argentina, came back to haunt his former side on Sunday as he was one of the goalscorers for Germany in a thrilling match that would end 3-2. The other quarterfinals saw both Belgium and Australia, finallists from Tokyo, get knocked out of the competition by Spain and Netherlands respectively.The field is now set for the semifinals and India and Germany have some history when it comes to such knockout games.

India vs Germany: Head to Head

India and Germany have played 18 matches so far, with India leading the head to head 8-6. 4 matches have finished in draws. India has scored 41 goals while Germany has hit 37 in these matches. The most famous encounter in recent times between these two giants was the Bronze medal match in Tokyo Olympics.India secured a thrilling 5-4 win, thanks to last-gasp stop by Sreejesh from a PC in the final moments of the match.In the last 6 meetings between these sides, India has won 5 of them. The last game between the two was in the FIH Pro League where Germany edged past with a 3-2 win.

Olympics 2024, Hockey Schedule

When and where to watch India vs Germany live?The India vs Germany Paris Olympics 2024 hockey semi-final will be played on August 6, Tuesday at 10:30 PM IST. The match can be viewed live on Sports 18 1 and Sports 18 2 channels and livestreamed on JioCinema app and website.

How call to therapist helped Noah Lyles claim Olympics gold in Paris

New Delhi After years of rebuilding his mental health, Noah Lyles reached the pinnacle of his sport, clinching the Olympic gold in the 100 meters on Sunday. A crucial phone call with his therapist after a tense semi-final round was instrumental in his victory.Lyles delivered a stellar performance, winning the 100 meters gold by a mere five-thousandths of a second with a time of 9.79 seconds. The final was intensely competitive, with Jamaican sprinter Oblique Seville finishing last despite clocking 9.91 seconds. In the semi-final, Seville had outpaced Lyles, necessitating a shift in mindset for Lyles ahead of the final.Speaking after the win, as quoted by Reuters, Lyles detailed how he had a call with his therapist who told him to let go, relax and be himself in the final race.

"I wouldn't say nervous – I'd say I was extremely curious as to what was going to happen. That's how me and my therapist phrase it. I'm curious as to what I'm going to do, how am I going to pull this off," he told reporters.

"I came in third-fastest from the semis. I'm like 'This is going to be serious, this is not going to be easy'. And I had said OK, my therapist said 'You need to let go, you need to relax and you need to be yourself'."

Did this against the best of the best

The U.S. sprinter, who has openly shared his mental health journey, knew the importance of being mentally prepared. Lyles' familiarity with the highs and lows of his sport stems from a personal journey of overcoming depression, a struggle he faced three years ago. The three-time 200m world champion's journey hit a low point in 2021 when he failed to qualify for the 100 meters at the U.S. Olympic trials. Determined to become the fastest man on earth, he focused on rebuilding both his body and mind.

This victory in Paris marks the culmination of Lyles' relentless effort and dedication to his mental and physical well-being, underscoring the importance of mental health in achieving athletic excellence.

"I did this against the best of the best, on the biggest stage, with the biggest pressure," Lyles said. "And I wasn't even entered in the 100 in 2021. You know, here I am, first Olympics in the 100, going around now the Olympic champion."Lyles will now be in action in the 200 m event as he bids to complete a rare sprint double at the Olympics. The opening rounds of the event is set to be held on Monday, August 5.

Lakshya Sen's bronze medal match vs Zii Jia Lee in Paris: When and where to watch

New Delhi India's star shuttler Lakshya Sen will be in action on day 10 at the Paris Olympics 2024. The 22-year-old will fight it out for the bronze medal against Malaysia's Zii Jia Lee on August 5, Monday. He will be vying to bring India their 4th medal at the Paris Games when he will take part in the men's singles third-place match. History beckons Lakshya as he has chance to become the first Indian to win an Olympic medal in the men's badminton category. If he wins, he will become only the third Indian to win an Olympic medal in badminton after Saina Nehwal and PV Sindhu.The world No. 22 enjoyed a sensational run in the lead-up to the semi-finals in the men's singles event. The unseeded player ended his group stage at top as he also defeated world No. 4 Jonatan Christie of Indonesia. He overcame his Indian counterpart HS Prannoy in round of 16 and overcame China's Chou Tien-chen in the quarter-final. However, he lost the semi-final battle against Victor Axelsen in straight sets.

However, Lakshya Sen holds an edge against his Malaysian opponent in the head-to-head battle. He has faced Lee Zii Jia five times so

far and won four of those matches.Paris Olympics 2024: India Schedule | Full Coverage | Medal TallyHere's all you need to know about catching Lakshya Sen live in action:When will Lakshya Sen's bronze medal match take place at the Paris Olympics 2024?Lakshya Sen's bronze medal match at the Paris Olympics 2024 will take place on August 5, Monday.What time will Lakshya Sen's bronze medal match at the Paris Olympics 2024 start?

Lakshya Sen's bronze medal match at the Paris Olympics 2024 will start at 6 PM (IST).

Where will Lakshya Sen's bronze medal match at the Paris Olympics 2024 be broadcast?

Lakshya Sen's bronze medal match at the Paris Olympics 2024 will be telecast on the Sports18 1 SD and Sports18 1 HD TV channels.Where to watch the live-streaming of Lakshya Sen's bronze medal match at the Paris Olympics?Lakshya Sen's bronze medal match at the Paris Olympics 2024 will be streamed live on the JioCinema app and website.

Turkey's Yusuf Dikec shot even without glasses in 2011, video goes viral

New Delhi, With one hand in his pocket and wearing regular glasses, Turkey's Yusuf Dikec became a fan favourite at the Paris Olympics 2024. His casual appearance with not much professional equipment has been all over the internet. However, it turns out the 51-year-old had much swagger to himself as he did not even need glasses back in 2011 for shooting. A video has gone viral where Dikec did not even wear glasses and was in his usual casual style with no ear protection at the shooting range. Despite that, Dikec managed to win the gold medal in the men's 10m air pistol event. The ISSF released where Dikec was shooting in an international competition held by the global shooting body.A decade later, Dikec managed to maintain his uber-cool to win Turkey their second medal and his first-ever Olympic medal at the Paris Games 2024. He bagged a silver medal in the 10m

air pistol mixed team event. However, Paris is far from Dikec's first rodeo. The Turkish shooter made his Olympic debut at Beijing 2008 at the age of 35, and returned four years later at London 2012. It was there where he recorded his previous best result of 13th in the men's 50m free pistol event. Dikec also competed at Rio Olympics in 2016 and Tokyo 2020. Although always shy of medal content or a top-10 finish.

Dikec's swagger continues

He was already a multiple national champion and a seven-time European champion, but an Olympic shooting silver is a first for both him and the nation. Apart from the Olympic Games, he has two World Championship titles to his name, both in 2014, where he was victorious in the men's 25m centerfire pistol and the men's 25m standard pistol events.

Rohit Sharma first Indian, second overall batter to hit 300 sixes in ODI cricket

Rohit Sharma has achieved a significant milestone by becoming the first Indian and second overall batter to hit 300 sixes in One-Day Internationals. Despite India's 32-run defeat against Sri Lanka, Rohit's accomplishment was a standout moment.

New Delhi, Indian captain Rohit Sharma etched his name into the record books again, becoming the first Indian and second overall batter to hit 300 sixes in One-Day Internationals (ODIs). Rohit achieved this remarkable feat during India's 32-run defeat against Sri Lanka in the second ODI in Colombo on Sunday. Rohit's blistering knock of 64 runs from just 44 balls included four towering sixes and five elegant fours. Despite the team's loss, his milestone was a standout achievement in the match. This innings brought his career tally of sixes as an opener to an impressive 302 from 177 matches, making him the second opener in history to cross the 300-sixes mark in ODIs. He trails only the legendary Chris Gayle, who has smashed 328 sixes in 280 games.Sanath Jayasuriya, the current Sri Lankan coach and a former explosive opener, ranks third on the list with 263 sixes from 388 ODIs. Rohit Sharma's career as an opener has been nothing short of phenomenal. With 8,801 runs from 177 matches, he has amassed 29 centuries and 55 fifties, maintaining a stellar average of 55. These statistics highlight his consistency and dominance at the top of the order.In the overall list of most sixes in ODIs, Rohit stands third with 330 sixes in 264 matches. He is surpassed only by Pakistan's Shahid Afridi, who tops the list with 351 sixes from 398 games, and Chris Gayle, who is just one six ahead with 331 sixes from 301 matches. Rohit also holds the record for the most sixes by an Indian in ODIs, surpassing notable names like Mahendra Singh Dhoni (229 sixes from 297 matches) and Sachin Tendulkar (195 sixes from 463 games).Moreover, across all three formats in international cricket—Tests, ODIs, and T20Is—Rohit Sharma leads the charts for the most sixes with a staggering 619 sixes from 482 matches.

Novak Djokovic aims to play LA 2028 Games after gold medal win in Paris Olympics

Novak Djokovic is already aiming to play in the Los Angeles Olympics 2028 after his gold medal win at the Paris Olympics 2024.

New Delhi. Novak Djokovic ended his 16-year-long wait to win a gold medal at Paris Olympics 2024 in what he called "probably the biggest sporting success". The Serbian is also eyeing to play the Los Angeles Olympics in 2028, when he would turn 41. The 37-year-old already became the oldest to win an Olympic gold in the history of singles tennis event. Djokovic beat Spain's Carlos Alcaraz 7-6 (7/3), 7-6 (7/2) in an enthralling final at the Court Phillippe Chartier in Paris."This is probably the biggest sporting success I have ever had and the most special feeling," the 37-year-old Serb said. "I want to play in Los Angeles, I enjoy playing for my country in the Olympic Games, in the Davis Cup," he added. Djokovic won a bronze medal in the Beijing Olympics 2008 and lost three semi-finals before clinching the gold medal at the Paris Games.

Djokovic wins gold in Paris

With the historic win, Djokovic joined Andre Agassi, Rafael Nadal, Steffi Graf and Serena Williams in an elite club. These are the only players to win all four Grand Slam tournaments and Olympic singles gold, completing the career Golden Slam."I thought carrying the flag at the opening ceremony for my country at the 2012 Olympics was the best feeling an athlete could have until today."Djokovic, who has won a men's record 24 majors and swept up every title there is in tennis, finally clinched

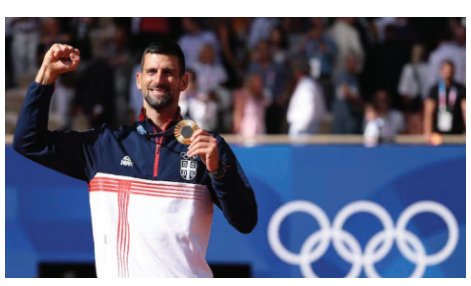

Olympic gold at his fifth Games. He also managed to beat Alcaraz, who got the better of him in two consecutive Wimbledon finals.

The 37-year-old said that he was not assured of a win until the final shot and gave his everything thinking that this could be his last shot at the Olympic gold."Now at the age of 37 and facing a 21-year-old who is probably the best player in the world right now, winning Roland Garros and Wimbledon back-to-back, I can say that this is probably the biggest sporting success I have ever had."How Wimbledon loss worked in Djokovic's favour"We almost played three hours, the final shot was the only moment when I was sure I could win the match," said Djokovic."I knew that this could be my last chance of a gold medal," added Djokovic at his post-final press conference still draped in his country's flag and with his medal hanging proudly around his neck."I did everything I possibly could to prepare myself for this period. The injury sidetracked me a little bit. But coming into the Olympic Games, I felt like a different player in terms of how I moved, how I played.Alcaraz, 21, was also in tears after the match, but became the youngest to win a silver medal in the tennis event on his Olympic debut."In a way losing heavily to Alcaraz at Wimbledon probably worked in my favour as I knew I couldn't play any worse than that."

Bigg Boss OTT 3

Shraddha Kapoor

Sings At Finale, Sana Makbul-Armaan Malik's Reactions Go Viral

Anil Kapoor's Bigg Boss OTT 3 concluded its successful run on August 2 with Sana Makbul lifting the trophy this year. However, the night was made more special after Shraddha Kapoor and Rajkummar Rao joined Anil on stage to promote their upcoming film, Stree 2. Shraddha even serenaded the audience and the contestants with a rendition of the song, Teri Galiyaan.Shraddha Kapoor sang live on stage for the contestants and the studio audience, who seemed mesmerised by her performance. While Sana Makbul couldn't stop smiling and swayed along as Shraddha sang, Armaan Malik was seen praising and clapping for the actress.

One fan commented, "You go Babudi!! ." Another added, "She is trained in classical music and this song is also sung by her. Her mom was also a singer." One person commented, "She has a wonderful voice. Miss her Aashiqui times ." One fan of the actress wrote, "Man this movie and the songs were top-notch!" Another added, "Her voice is so soothing, like babudi sing me to sleep." One fan even wrote, "Ok I totally get why she's considered the national crush, she's like the perfect partner a man desires… she's like the girl you can bring home to your mom and even she'd love her."Meanwhile, the grand finale showcased fierce competition between Sana Makbul and rapper Naved Shaikh, also known as Naezy. After a suspenseful wait, Anil Kapoor declared Sana Makbul as the winner of the third season. The actress, who had garnered significant support from the audience, not only won the trophy but also a cash prize of Rs 25 lakh.The finale was a spectacular event, marked by impressive performances and heartfelt moments. All the contestants, including Armaan Malik, Payal Malik, Ranvir Shorey, and others, gathered to celebrate the occasion. When Anil Kapoor announced Sana Makbul as he winner, the crowd erupted in cheers, honouring her triumph.

Despite facing criticism from some contestants and iewers who labelled her as manipulative, egotistical, and selfish, Sana managed to reach the finals. Throughout the season, she was nominated for elimination almost every week and was often considered the 'villain' of the house. The show featured contestants such as Chandrika Dixit, Sai Ketan Rao, Armaan Malik, Kritika Malik, Payal Malik, Deepak Chaurasia, Sana Sultan Vishal Pandey, Lovekesh Kataria, and Shivani Kumari.As for Stree 2, the film will be released on August 15, clashing with Akshay Kumar's Khel Khel Mein.

Taapsee Pannu

Drops Another Thrilling Video Ahead Of Phir Aayi Hasseen Dillruba Release

Taapsee Pannu, Vikrant Massey, and Sunny Kaushal starrer Phir Aayi Hasseen Dillruba is all set to release on the OTT platform on August 9, 2024. The makers have already released the trailer and it is getting an overwhelming response. Well, today Taapsee shared another thrilling video on her handle and left fans excited.Taking to her Instagram handle, Taapsee shared the video in which all three characters are seen getting into a bloodshed romance. Jimmy Shergill is also seen. "Phir aa rahi hai Hasseena, jiske kayi hai deewaane, magar dillruba sirf ek Phir Aayi Hasseen Dillruba, coming on 9 August, only on Netflix," read the caption here. One of the fans wrote, "This is one of best movies, too underrated." Another wrote, "Fantastic."The tumultuous journey of ill-fated lovers Rani and Rishu unfolds on August 9, taking audiences on an exhilarating ride. Helmed by Jayprad Desai, penned and co-produced by Kanika Dhillon, the film also stars, Sunny Kaushal and Jimmy Shergill. With Aanand L Rai's Colour Yellow Productions and Bhushan Kumar's T-Series Films at the helm, this sequel promises a whirlwind of romance, suspense, and unexpected twists in the signature style of the fictional Indian Pulp writer Dinesh Pandit.Picking up where the first film Haseen Dillruba left off, the story follows Rani Kashyap and Rishabh Saxena as they seek a fresh start in the vibrant city of Agra. With authorities on their trail and drops of blood marking their path, their quest takes a dramatic turn with the arrival of Sunny Kaushal's character, Abhimanyu, introducing a fresh layer of intrigue to the drama. The lovers find new enemies with Jimmy Shergill and many more who want to foil their plans of 'happily ever after.'In December 2023, Taapsee Pannu, Sunny Kaushal and Vikrant Massey wrapped up shooting for the sequel of Haseen Dillruba. At the announcement event, Taapsee said, "Hai toh sequel. Toh, continuation hota hai ek taarike se. Main yahi kahungi ke Phir Aayi Haseen Dillruba ki Rani mein thora zyada pyaar hai, thori zyada himmat hai aur thora zyada pagalpan hai. Kyunki jo pagalpan ke hadh se na guzre woh pyar hee kya? Hosh mein toh rishte nibhaye jaatey hai (If there's a sequel, it's like a continuation. I'll say this: in "Phir Aayi Haseen Dillruba ki Rani," there's a bit more love, a bit more courage, and a bit more craziness. Because what's love without a little madness? Relationships are built in consciousness)."

Aamir Khan On The REAL Reason He Was Removed From Shah Rukh Khan's Darr: 'Jab Ek Se Zyada Hero Ho...'

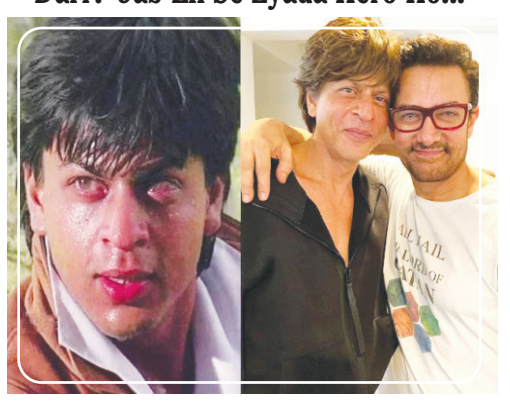

Bollywood director-producer Yash Chopra's 1993 film Darr remains a classic in Indian cinema. With Shah Rukh Khan in a standout role as the obsessed villain, the romance thriller struck a perfect chord with audiences. Starring Sunny Deol and Juhi Chawla in the lead, Darr made it impossible to imagine anyone else playing the iconic role of Rahul Mehra. SRK's intense performance and memorable dialogue delivery stole the show, even as he played the film's antagonist.

Before the filmmaker decided to cast Shah Rukh as the villain, he tried his hands at convincing Aamir Khan. But he did not succeed in roping in the actor. Earlier, in an interview with Sushma Dutt in Vancouver, Aamir Khan, who was touring Canada at that point, had opened up on it.

Aamir said that he liked the story of Darr and was keen on working with Yash Chopra once again. "I really liked the story, and Yash Chopra is a very good director. I have worked with him on Parampara and was very keen on working with him again. But, I have a principle, or you could say a policy, that if I'm working on a film with two heroes or more on one hero, I request the director for a joint narration. I prefer the director to narrate the story to both heroes together," he said.Recalling another two-hero film that he did, Aamir said in Hindi, "Even during Andaz Apna Apna, Salman and I received a joint narration. This approach ensures that both of us are satisfied with our roles and helps prevent any issues later on. This is how I like to work. But in this case, it was not possible. Yash ji did not feel that he should give a joint narration. On that basis, I was removed from the project."

Vicky Kaushal Teases His Chemistry With Rashmika Mandanna in Chhava: 'Can't Wait For...'

Vicky Kaushal and Rashmika Mandanna are soon going to share screen space in an upcoming drama Chhava and fans are excited for their new jodi. Well, recently both walked the ramp also together which only increased the excitement level. However, Vicky has penned a sweet note for Rashmik which has gone viral.Taking to his Instagram handle, Vicky shared a series of photos and wrote, 'An evening spent in honouring and celebrating our cultural heritage! Thank you @falgunishanepeacockindia @swadesh_online @fdciofficial for making us a small part of such an incredible show. @falgunipeacock & @shanepeacock … you geniuses!!! What stunning pieces you guys created. Hats off to team #Swadesh for bringing traditional handwoven fabrics to the forefront of fashion. We thank the lovely people who turned up for the show for their love and warmth. @rashmika_mandanna and me, truly can't wait for the world to see a lot more of us together very soon!"

Fans also reacted to this post. One of the fans wrote, "Why this man fit with every other girl" Another wrote, "Beautiful Togetherness." The movie will star Vicky as Chhatrapati Sambhaji Maharaj, while Rashmika Mandanna will step into the role of Yesubai Bhonsale.

Vicky Kaushal penned an emotional note about the film wrap. Calling the shoot 'passionate and incredible', he wrote, "The incredibly passionate and dramatic journey of filming Chhaava couldn't have ended without some drama. The rain Gods really put up a show today, immediately after we rolled our final shot."Chhava is a historical drama that revolves around the life of Chhatrapati Sambhaji Maharaj, the son of Chhatrapati Shivaji Maharaj. In the film, Vicky Kaushal is set to portray the character of Chhatrapati Sambhaji Maharaj, the eldest son of the Maratha empire's founder. On the other hand, Rashmika Mandanna takes on the role of Yesubai Bhonsale in the film. The film also stars Akshaye Khanna, Ashutosh Rana, and Divya Dutta in key roles. According to a report by Pinkvilla, actor Neil Bhoopalam has also been roped in to portray the character of a Mughal prince in the film.